



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 369]

नई दिल्ली, बुधवार, अक्टूबर 3, 2018/आश्विन 11, 1940

No. 369]

NEW DELHI, WEDNESDAY, OCTOBER 3, 2018/ASVINA 11, 1940

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

अधिसूचना

मुम्बई, 3 अक्टूबर, 2018

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

(निक्षेपागार और सहभागी) विनियम, 2018

सेबी/ एल. ए. डी. - एन.आर. ओ./ जी. एन./ 2018/ 40.—भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड, निक्षेपागार अधिनियम, 1996 (1996 का 22) की धारा 25 के साथ पठित भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) की धारा 30 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात्:—

अध्याय-I

प्रारंभिक

संक्षिप्त नाम और प्रारंभ

1. (1) इन विनियमों को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (निक्षेपागार और सहभागी)

विनियम, 2018 कहा जा सकेगा।

(2) वे राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

परिभाषाएँ

2. (1) इन विनियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो, इन विनियमों में उपयोग किए गए शब्दों के वही अर्थ होंगे जो नीचे उनके लिए नियत हैं, और उनके सजातीय पदों का अर्थ तदनुसार लगाया जाएगा, —

(क) "अधिनियम" से भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) अभिप्रेत है;

- (ख) “आवेदक” से ऐसा कोई व्यक्ति अभिप्रेत है (ऐसे कोई व्यक्ति अभिप्रेत हैं), जो या तो अकेले या दूसरे व्यक्ति के साथ मिलकर इन विनियमों के तहत निक्षेपागार स्थापित करने का प्रस्ताव करता हो (करते हों) और जिसकी (जिनकी) निक्षेपागार में पंद्रह प्रतिशत की शेयरधारिता हो;
- (ग) “सहयोगी” (सहयुक्त/असोसिएट) का वही अर्थ होगा जो प्रतिभूति संविदा (विनियमन) (स्टॉक एक्सचेंज और समाशोधन निगम) विनियम, 2018 [सिक्यूरिटीज़ कॉण्ट्रैक्ट्स (रेग्यूलेशन) (स्टॉक एक्सचेंज एंड क्लीयरिंग कारपोरेशन्स) रेग्यूलेशन्स, 2018] के विनियम 2 के उप-विनियम (1) के खंड (ख) या उसके किन्हीं संशोधनों के तहत उसके लिए नियत है;
- (घ) “बोर्ड” से भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) की धारा 3 के तहत स्थापित भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अभिप्रेत है;
- (ङ) “नियंत्रण में परिवर्तन” का अर्थ, —
- (i) निगमित निकाय (बॉडी कारपोरेट) के मामले में —
- (क) यदि उसके शेयर किसी मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध (लिस्टिड) हों, तो अधिनियम की धारा 11 की उप-धारा (2) के खंड (ज) के तहत बनाए गए विनियमों के अनुसार नियंत्रण की परिभाषा के संदर्भ में लगाया जाएगा;
- (ख) किसी अन्य मामले में, निगमित निकाय (बॉडी कारपोरेट) में नियंत्रक हित (कंट्रोलिंग इंटेरेस्ट) में परिवर्तन के रूप में लगाया जाएगा;
- स्पष्टीकरण* : इस उप-खंड के पैरा (ख) के प्रयोजनार्थ, पद “नियंत्रक हित” से ऐसा हित अभिप्रेत है जो किसी निगमित निकाय में मताधिकारों के कम से कम इक्यावन प्रतिशत तक हो, फिर चाहे वह प्रत्यक्ष रूप में हो या अप्रत्यक्ष रूप में;
- (ii) निगमित निकाय (बॉडी कारपोरेट) को छोड़कर किसी अन्य मामले में, कानूनी तौर पर उसकी संरचना या स्वामित्व में किसी परिवर्तन के रूप में लगाया जाएगा ।
- (च) “नियंत्रण” का वही अर्थ होगा जो भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) विनियम, 2011 [सेबी (सब्सटैंशियल एक्विज़ीशन ऑफ शेयर्स एंड टेकओवर्स) रेग्यूलेशन्स, 2011] के विनियम 2 के उप-विनियम (1) के खंड (ङ) या उसके किन्हीं संशोधनों के तहत इसके लिए नियत है;
- (छ) “निक्षेपागार अधिनियम” से निक्षेपागार अधिनियम, 1996 (1996 का 22) अभिप्रेत है;
- (ज) “फॉर्म” से पहली अनुसूची में निर्धारित कोई फॉर्म अभिप्रेत है;
- (झ) “शासी मंडल” से निक्षेपागार का निदेशक मंडल अभिप्रेत है;
- (ञ) “निरीक्षण अधिकारी” से विनियम 84 के तहत बोर्ड द्वारा प्राधिकृत कोई व्यक्ति अभिप्रेत है;
- (ट) “प्रबंध-मंडल के मुख्य व्यक्तियों” (की मैनेजमेंट पर्सोनल) में ऐसा व्यक्ति शामिल है जो किसी विभाग के प्रमुख के रूप में कार्यरत हो या ऐसे वरिष्ठ कार्यपालक पद पर हो जो निक्षेपागार में किसी विभाग (किन्हीं विभागों) के प्रमुख (प्रमुखों) से ऊपर हो, या ऐसा कोई व्यक्ति शामिल है जो निक्षेपागार के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (चीफ एग्ज़िक्यूटिव ऑफिसर) या उसके शासी मंडल के निदेशक को सीधे रिपोर्ट करता हो, या ऐसा कोई व्यक्ति शामिल है जिसका पद मुख्य कार्यपालक अधिकारी या प्रबंध निदेशक से दो स्तर तक नीचे हो, या कोई अन्य व्यक्ति शामिल है जिसकी पहचान उसकी नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति द्वारा की जाए;
- (ठ) शेयरों या मताधिकारों या नियंत्रण के अर्जन (एक्विज़ीशन) या धारिता (होल्डिंग) के संदर्भ में “सामान्य मति से कार्य करने वाले व्यक्तियों” का, यथावश्यक परिवर्तन सहित, वही अर्थ होगा जो भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) विनियम, 2011 [सेबी (सब्सटैंशियल एक्विज़ीशन ऑफ शेयर्स एंड टेकओवर्स) रेग्यूलेशन्स, 2011] के विनियम 2 के उप-विनियम (1) के खंड (थ) या उसके किन्हीं संशोधनों में उसके लिए नियत है;
- (ड) “लोक हित निदेशक” से ऐसा स्वतंत्र निदेशक अभिप्रेत है, जो प्रतिभूति बाजार (सिक्यूरिटीज़ मार्केट) में निवेश करने वाले निवेशकों के हितों का प्रतिनिधित्व करता हो और जिसका, प्रत्यक्ष रूप से या अप्रत्यक्ष रूप से, ऐसा कोई संबंध (असोसिएशन) न हो जो बोर्ड की राय में उसकी भूमिका के विरोध में हो;

- (ढ) “विनियामक विभाग” से निक्षेपागार का ऐसा विभाग अभिप्रेत है जिसे विनियामक शक्तियाँ तथा कर्तव्य सौंपे गए हों और जिसमें ऐसा विभाग शामिल है जो बोर्ड द्वारा निर्धारित किया जाए;
- (ण) “अनुसूची” से इन विनियमों से संलग्न कोई अनुसूची अभिप्रेत है;
- (त) “शेयरधारक निदेशक” से ऐसा निदेशक अभिप्रेत है जो शेयरधारकों के हित का प्रतिनिधित्व करता हो, और जिसे ऐसे शेयरधारकों द्वारा चुना गया हो या नामित किया गया हो, जो निक्षेपागार सहभागी (डिपॉज़िटरी पार्टिसिपेंट), या उनका सहयोगी (असोसिएट) तथा एजेंट न हो।

(2) इन विनियमों में उपयोग किए गए और अपरिभाषित, किंतु अधिनियम, प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956, निक्षेपागार अधिनियम, 1996, कंपनी अधिनियम, 2013 या उनके तहत बनाए गए किन्हीं नियमों या विनियमों में परिभाषित शब्दों और पदों के वही अर्थ होंगे जो, यथास्थिति, उन अधिनियमों, उनके तहत बनाए गए नियमों या विनियमों अथवा उनके किसी कानूनी संशोधन या पुनःअधिनियमिति में क्रमशः उनके लिए नियत हों।

## अध्याय-II

### निक्षेपागार का रजिस्ट्रीकरण

#### रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान किए जाने हेतु आवेदन

3. (1) कोई भी व्यक्ति तब तक निक्षेपागार स्थापित नहीं करेगा, जब तक कि वह अधिनियम, निक्षेपागार अधिनियम, 1996 और इन विनियमों के अनुसार बोर्ड से रजिस्ट्रीकरण प्राप्त न कर ले।

(2) आवेदक द्वारा निक्षेपागार के रूप में रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान किए जाने हेतु आवेदन पहली अनुसूची के फॉर्म-क में बोर्ड को किया जाएगा, और जिसके साथ दूसरी अनुसूची के भाग-क में निर्धारित फीस लगाई जाएगी तथा जो उसी प्रकार अदा की जाएगी जैसा उसके भाग-ख में निर्धारित किया गया हो।

(3) आवेदन के साथ उस निक्षेपागार की प्रारूप उप-विधियाँ (ड्राफ्ट बाय-लॉज़) भी लगाई जाएगी, जिसे स्थापित किए जाने का प्रस्ताव हो।

#### अपेक्षाओं के अनुरूप आवेदन

4. पहली अनुसूची के फॉर्म-क में किया गया जो आवेदन सभी प्रकार से पूर्ण न हो और जो उसमें दिए गए अनुदेशों के अनुरूप न हो, उसे नामंजूर कर दिया जाएगा:

**परंतु यह कि** ऐसे किसी आवेदन को नामंजूर करने से पहले, आवेदक को लिखित रूप में यह अवसर प्रदान किया जाएगा कि वह बोर्ड द्वारा सूचित की गई आपत्तियों को, इस संबंध में दी जाने वाली सूचना की तारीख से तीस दिनों के भीतर, दूर कर ले:

**परंतु यह और कि** बोर्ड इस बात से संतुष्ट हो जाने पर कि पहले परंतुक में उल्लिखित अवधि को बढ़ाना आवश्यक है, ऐसी अवधि को ऐसे और समय तक बढ़ा सकेगा जैसा वह आवश्यक समझे, ताकि आवेदक बोर्ड द्वारा सूचित की गई आपत्तियों को दूर कर सके।

#### जानकारी, स्पष्टीकरण प्रस्तुत करना और व्यक्तिगत प्रतिनिधित्व

5. (1) बोर्ड आवेदक से आवेदन पर विचार किए जाने के प्रयोजनार्थ ऐसी और जानकारी या स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने कि अपेक्षा कर सकेगा, जो निक्षेपागार के क्रियाकलाप से जुड़े मामलों से संबंधित हो।

(2) आवेदक या उसका प्राधिकृत प्रतिनिधि, यदि ऐसी अपेक्षा की जाए, रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान किए जाने के संबंध में व्यक्तिगत प्रतिनिधित्व के लिए बोर्ड के समक्ष हाजिर होगा।

#### रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान किए जाने के लिए आवेदन पर विचार

6. (1) बोर्ड विनियम 3 के तहत आवेदन पर तब तक विचार नहीं करेगा, जब तक कि आवेदक शेयरधारकों के उस वर्ग का न हो जो विनियम 21 के उप-विनियम (1) तथा (2) के अनुसार निक्षेपागार की शेयर पूँजी के 15% तक धारण करने के लिए पात्र हो।

(2) बोर्ड विनियम 3 के तहत आवेदन पर तब तक विचार नहीं करेगा, जब तक कि आवेदक विनियम 23 के उप-विनियम (2) के अनुसार उपयुक्त तथा उचित व्यक्ति न हो।

### रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान करना

7. (1) विनियम 6 में दी गई बातों के संदर्भ में, विनियम 3 के तहत आवेदन पर विचार करने के पश्चात्, यदि बोर्ड इस बात से संतुष्ट हो कि आवेदक द्वारा स्थापित की गई कंपनी निक्षेपागार के रूप में कार्य करने के लिए पात्र है, तो वह निक्षेपागार को पहली अनुसूची के फॉर्म-ख में रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान कर सकेगा, बशर्ते कि:—

- (क) निक्षेपागार दूसरी अनुसूची के भाग-क में निर्धारित रजिस्ट्रीकरण फीस, बोर्ड की ओर से सूचना मिलने से पंद्रह दिनों के भीतर, उसी प्रकार अदा कर दे, जैसा उस अनुसूची के भाग-ख में उल्लेख किया गया है;
- (ख) निक्षेपागार अधिनियम, निक्षेपागार अधिनियम, उप-विधियों, करारों (एग्रीमेंट्स) और इन विनियमों के प्रावधानों का पालन करे;
- (ग) निक्षेपागार, बोर्ड की पूर्व मंजूरी के बिना, कोई क्रियाकलाप न करे, फिर चाहे पैसों (फंड) के उपयोग (डिप्लॉयमेंट) से संबंधित क्रियाकलाप हो या कोई अन्य क्रियाकलाप हो:

परंतु यह कि कोष संबंधी निवेशों (ट्रेजरी इन्वेस्टमेंट्स) के मामले में बोर्ड की पूर्व मंजूरी जरूरी नहीं होगी, यदि ऐसे निवेश निक्षेपागार के शासी मंडल (गवर्निंग बोर्ड) द्वारा मंजूर की गई निवेश संबंधी नीति के अनुसार किए जा रहे हों:

परंतु यह और कि निक्षेपागार ऐसा क्रियाकलाप [चाहे पैसों (फंड) के उपयोग से संबंधित क्रियाकलाप हो या कोई अन्य क्रियाकलाप हो], जो निक्षेपागार के रूप में उसके क्रियाकलापों से संबंधित (आनुषंगिक) न हो, कर सकेगा [ऐसे प्रत्येक क्रियाकलाप के लिए स्ट्रेटेजिक बिजनेस यूनिट (यूनिटें) स्थापित करके], जो निक्षेपागार को केन्द्रीय सरकार द्वारा या वित्तीय क्षेत्र में किसी विनियामक द्वारा सौंपा गया हो और ऐसा क्रियाकलाप बोर्ड की पूर्व-मंजूरी लेकर तथा ऐसी शर्तों के अधीन किया जाएगा, जो बोर्ड द्वारा निर्धारित की जाएं, जिनमें शामिल है विनियम 14 में यथा उल्लिखित मामलों (जो निक्षेपागार का क्रियाकलाप प्रभावी और सुव्यवस्थित रूप से चलाने से संबंधित हों) को ध्यान में रखते हुए बोर्ड द्वारा यथा निर्धारित समय के भीतर ऐसे क्रियाकलाप को अलग से एक कंपनी को सौंपना (ट्रांसफर करना);

*स्पष्टीकरण:* इस खंड के प्रयोजनार्थ, स्ट्रेटेजिक बिजनेस यूनिट कंपनी की वह संगठनात्मक यूनिट होगी जिसका अपना ध्येय (मिशन), अपना उद्देश्य (ऑब्जेक्टिव) तथा अपनी कारबार नीति (बिजनेस स्ट्रेटेजी) हो, और जिसे कारबार के किसी एक क्षेत्र की विशिष्ट मांगों को पूरा करने की जिम्मेदारी दी गई हो तथा जो तकनीकी, वित्तीय मामलों एवं अन्य मामलों में अलग ही हो।

- (घ) निक्षेपागार में आवेदक की शेयरधारिता बोर्ड द्वारा रजिस्ट्रीकरण प्रदान किए जाने की तारीख से पाँच वर्षों की अवधि तक रुद्ध (लॉक-इन) रहे;
- (ङ) निक्षेपागार इन विनियमों में निर्धारित शेयरधारिता और शासन संबंधी संरचना (गवर्नेंस स्ट्रक्चर) से संबंधित अपेक्षाओं का पालन करे;
- (च) यदि बोर्ड के पास निक्षेपागार या आवेदक द्वारा पहले प्रस्तुत की गई कोई जानकारी किसी भी मामले विशेष में झूठी या भ्रामक पाई जाती है, या यदि ऐसी जानकारी में कोई बदलाव होता है, तो निक्षेपागार बोर्ड को तुरंत लिखित रूप में सूचित करे;
- (छ) निक्षेपागार सहभागियों तथा हिताधिकारी स्वामियों की शिकायतों का निवारण सहभागी या हिताधिकारी स्वामी से किसी शिकायत प्राप्त होने की तारीख से तीस दिनों के भीतर करे और बोर्ड को सूचित करे कि कितनी शिकायतों का निवारण किया गया है और किस प्रकार से निवारण किया गया है;
- (ज) निक्षेपागार इस विनियम के तहत रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान किए जाने की तारीख से एक वर्ष के भीतर विनियम 11 के तहत कारबार शुरू करने के लिए आवेदन करे; और
- (झ) निक्षेपागार अपनी उप-विधियों में समय-समय पर संशोधन करे, जैसा बोर्ड द्वारा निदेश दिया जाए;
- (ञ) कोई अन्य शर्त जो बोर्ड प्रतिभूति बाजार (सिक्यूरिटीज़ मार्केट) के हित में ठीक समझे।

### वार्षिक फीस का भुगतान

8. जिस निक्षेपागार को विनियम 7 के तहत रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान किया गया हो, वह दूसरी अनुसूची के भाग-क में निर्धारित वार्षिक फीस उसी प्रकार अदा करेगा, जैसा उस अनुसूची के भाग-ख में उल्लेख किया गया है।

### वार्षिक शुल्क का भुगतान

9. निक्षेपागार बोर्ड को, उसके द्वारा निर्गमकर्ताओं (इश्युअर्स) से लिए गए वार्षिक अभिरक्षा (कस्टडी) शुल्क का दूसरी अनुसूची के भाग-क में यथा निर्धारित प्रतिशत उसी प्रकार अदा करेगा, जैसा उस अनुसूची के भाग-ख में उल्लेख किया गया है।

### जहाँ रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान न किया गया हो, वहाँ अपनाई जाने वाली प्रक्रिया

**10.** (1) जहाँ विनियम 3 के तहत रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान किए जाने हेतु किया गया आवेदन विनियम 7 में निर्धारित अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतरता, वहाँ बोर्ड आवेदक को सुनवाई का अवसर प्रदान करने के पश्चात् आवेदन को नामंजूर करेगा।

(2) आवेदन को नामंजूर किए जाने संबंधी बोर्ड का निर्णय आवेदक को ऐसा निर्णय लिए जाने के तीस दिनों के भीतर लिखित रूप में सूचित किया जाएगा, जिसमें उन आधारों का उल्लेख किया जाएगा जिनके आधार पर आवेदन को नामंजूर किया गया हो।

### अध्याय-III

#### कारबार शुरू करने का प्रमाणपत्र

#### कारबार शुरू करने का प्रमाणपत्र प्रदान किए जाने हेतु आवेदन

**11.** निक्षेपागार, जिसे विनियम 7 के तहत रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान किया गया हो, ऐसा प्रमाणपत्र जारी किए जाने की तारीख से एक वर्ष के भीतर, बोर्ड के पास कारबार शुरू करने के लिए आवेदन पहली अनुसूची के फॉर्म-ग में प्रस्तुत करेगा।

#### अपेक्षाओं के अनुरूप आवेदन

**12.** पहली अनुसूची के फॉर्म-ग में किया गया जो आवेदन सभी प्रकार से पूर्ण न हो और जो उसमें दिए गए अनुदेशों के अनुरूप न हो, उसे नामंजूर कर दिया जाएगा:

**परंतु यह कि** ऐसे किसी आवेदन को नामंजूर करने से पहले, आवेदक को लिखित रूप में यह अवसर प्रदान किया जाएगा कि वह बोर्ड द्वारा सूचित की गई आपत्तियों को, इस संबंध में दी जाने वाली सूचना की तारीख से तीस दिनों के भीतर, दूर कर ले:

**परंतु यह और कि** बोर्ड इस बात से संतुष्ट हो जाने पर कि पहले परंतुक में उल्लिखित अवधि को बढ़ाना आवश्यक है, ऐसी अवधि को ऐसे और समय तक बढ़ा सकेगा जैसा वह आवश्यक समझे, ताकि आवेदक बोर्ड द्वारा सूचित की गई आपत्तियों को दूर कर सके।

#### जानकारी, स्पष्टीकरण प्रस्तुत करना और व्यक्तिगत प्रतिनिधित्व

**13.** (1) बोर्ड कारबार शुरू करने का प्रमाणपत्र प्रदान किए जाने के प्रयोजनार्थ ऐसी और जानकारी या स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने कि अपेक्षा कर सकेगा, जो निक्षेपागार के क्रियाकलाप से जुड़े मामलों से संबंधित हो।

(2) आवेदक या उसका प्राधिकृत प्रतिनिधि, यदि ऐसी अपेक्षा की जाए, कारबार प्रारंभ करने का प्रमाणपत्र प्रदान किए जाने के संबंध में व्यक्तिगत प्रतिनिधित्व के लिए बोर्ड के समक्ष हाजिर होगा।

#### रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान किए जाने के लिए आवेदन पर विचार

**14.** (1) कारबार शुरू करने का प्रमाणपत्र प्रदान करने के प्रयोजनार्थ, बोर्ड ऐसी सभी बातों पर विचार करेगा जो निक्षेपागार के कुशलतापूर्वक और सुव्यवस्थित रूप से कार्य करने से संबंधित हों और खासकर निम्नलिखित बातों पर, अर्थात्, क्या—

(क) निक्षेपागार की शुद्ध-मालियत (नेटवर्थ) एक सौ करोड़ रुपये से कम की नहीं है;

(ख) निक्षेपागार की उप-विधियों को बोर्ड द्वारा मंजूरी दी गई है;

(ग) निक्षेपागार के ऑटोमेटिक डाटा प्रोसेसिंग सिस्टम इस तरह से सुरक्षित है कि अनधिकृत रूप से उस तक पहुंच नहीं बनाई जा सकती, उसमें फेरबदल नहीं किया जा सकता, उसे नष्ट नहीं किया जा सकता, रिकॉर्ड तथा डाटा को प्रकट या प्रसारित नहीं किया जा सकता;

(घ) जिस नेटवर्क के जरिए निक्षेपागार, सहभागियों, निर्गमकर्ताओं (इश्युअर्स) तथा निर्गमकर्ताओं के एजेंटों के बीच इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से संपर्क साधा जाता है, वह नेटवर्क इस तरह से सुरक्षित है कि उस तक अनधिकृत रूप से पहुंच नहीं बनाई जा सकती;

(ङ) निक्षेपागार ने निक्षेपागार, सहभागियों, निर्गमकर्ताओं (इश्युअर्स) तथा निर्गमकर्ताओं के एजेंटों के बीच इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से डाटा के आदान-प्रदान के लिए मानक ट्रांसमिशन एवं एनक्रिप्शन फॉर्मेट बनाए हैं;

(च) परिसरों, सुविधाओं, ऑटोमेटिक (स्वचालित) डाटा प्रोसेसिंग सिस्टम, डाटा स्टोरेज साइट तथा सुविधाओं (जिनमें बैक-अप साइट और सुविधाएँ शामिल हैं) और निक्षेपागार, सहभागियों, निर्गमकर्ताओं (इश्युअर्स) तथा निर्गमकर्ताओं के एजेंटों

को जोड़ने वाला इलेक्ट्रॉनिक डाटा कम्यूनिकेशन नेटवर्क तक व्यक्तियों की या इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से पहुंच पर नियंत्रण रखा जाता है, नज़र रखी जाती है तथा उसका रिकॉर्ड रखा जाता है;

- (छ) निक्षेपागार का विस्तृत ऑपरेशन मैनुअल है, जिसमें उसकी कार्यप्रणाली के सभी पहलुओं को स्पष्ट किया गया हो, जिनमें शामिल है इंटरफ़ेस तथा निक्षेपागार, निर्गमकर्ताओं (इश्युअर्स), निर्गमकर्ताओं के एजेंटों, सहभागियों तथा हिताधिकारी स्वामियों (बेनिफिशियल ओनर) के बीच जानकारी का आदान-प्रदान (ट्रांसमिशन) करने का तरीका;
- (ज) निक्षेपागार के यहाँ यह सुनिश्चित करने के लिए ऐसी पर्याप्त प्रक्रियाएँ तथा सुविधाएँ हैं जिससे कि उसके रिकॉर्ड को किसी नुकसान से या नष्ट होने से बचाया जा सके और निक्षेपागार के स्थान को छोड़कर किसी अन्य स्थान पर बैक-अप सुविधाएँ रखने के इंतजाम कर लिए गए हैं;
- (झ) निक्षेपागार ने पर्याप्त इंतजाम कर लिए हैं, जिनमें शामिल है — हिताधिकारी स्वामियों को किसी ऐसे नुकसान की भरपाई करने के लिए बीमा, जो निक्षेपागार या उसके सहभागियों अथवा निक्षेपागार या सहभागी के किसी कर्मचारी के किसी गलत कार्य, लापरवाही या चूक की वजह से ऐसे हिताधिकारी स्वामियों को हो सकता हो; और
- (ञ) कारबार शुरू करने का प्रमाणपत्र प्रदान करना प्रतिभूति बाजार में निवेश करने वाले निवेशकों के हित में है।

(2) बोर्ड, इस अध्याय के तहत कारबार शुरू करने का प्रमाणपत्र प्रदान किए जाने से पहले, निक्षेपागार की बुनियादी सुविधाओं (इन्फ्रास्ट्रक्चर) तथा उसके द्वारा स्थापित किए गए सिस्टमों का व्यक्तिगत सत्यापन करेगा।

### शुद्ध-मालियत (नेटवर्थ) का प्रमाणपत्र

**15.** (1) प्रत्येक निक्षेपागार हर समय विनियम 14(1)(क) के तहत यथा निर्धारित शुद्ध-मालियत बनाए रखेगा और वार्षिक आधार पर, पिछले वित्तीय वर्ष के लिए कानूनी लेखापरीक्षक (स्टैट्यूटरी ऑडिटर) की ओर से शुद्ध-मालियत का लेखापरीक्षित प्रमाणपत्र प्रत्येक वर्ष सितम्बर के तीसवें दिन तक, प्रस्तुत करेगा।

स्पष्टीकरण.- इस विनियम के प्रयोजनार्थ, 'निक्षेपागार की शुद्ध-मालियत' से समादत्त (पेड-अप) इक्विटी शेयर पूँजी तथा खुली आरक्षितियों (फ्री रिज़र्व्स) [कानूनी तौर पर रखी जाने वाली निधियों (स्टैट्यूटरी फंड), लाभ निधियों (बेनिफिट फंड) और पुनर्मूल्यांकन (रीवैल्युएशन) से बनाई गई आरक्षितियों को छोड़कर] के कुल मूल्य में से कारबार में किए गए निवेश, चाहे संबंधित हों या न हों, संचित हानियों तथा बट्टे खाते न डाले गए आस्थगित व्यय (जिसमें बट्टे खाते न डाले गए विविध व्यय शामिल हैं) के कुल मूल्य को घटाकर निकाला गया मूल्य अभिप्रेत है।

(2) प्रत्येक निक्षेपागार, अपनी वार्षिक साधारण बैठक होने की तारीख से एक महीने के भीतर, बोर्ड के पास पिछले वित्तीय वर्ष के लिए अपने लेखापरीक्षित तुलन-पत्र (बैलेंस शीट) तथा लाभ और हानि लेखे की प्रति प्रस्तुत करेगा।

### कारबार शुरू करने का प्रमाणपत्र प्रदान करना

**16.** विनियम 14 के उप-विनियम (1) में दी गई बातों के संदर्भ में, विनियम 14 के तहत आवेदन पर विचार करने और उस विनियम के उप-विनियम (2) के तहत व्यक्तिगत सत्यापन करने के पश्चात्, यदि बोर्ड इस बात से संतुष्ट हो कि आवेदक निक्षेपागार के रूप में कारबार शुरू करने के लिए पात्र है, तो वह पहली अनुसूची के फॉर्म-घ में कारबार शुरू करने का प्रमाणपत्र प्रदान करेगा।

### निक्षेपागार द्वारा आचार संहिता का पालन

**17.** जिस निक्षेपागार के पास कारबार शुरू करने का प्रमाणपत्र हो, वह हमेशा तीसरी अनुसूची के भाग-घ में यथा निर्धारित आचार संहिता का पालन करेगा।

### कारबार शुरू करने का प्रमाणपत्र प्रदान न किए जाने के मामले में प्रक्रिया

**18.** (1) यदि विनियम 14 के उप-विनियम (1) में उल्लिखित बातों पर विचार करने और उस विनियम के उप-विनियम (2) के तहत व्यक्तिगत सत्यापन करने के बाद, बोर्ड की यह राय हो कि निक्षेपागार को कारबार शुरू करने का प्रमाणपत्र प्रदान न किया जाए, तो बोर्ड या तो—

(क) निक्षेपागार को यह निदेश दे सकेगा कि वह विनियम 14 में उल्लिखित बातों का पालन करे; या

(ख) आवेदक को सुनवाई का अवसर प्रदान करने के पश्चात् आवेदन को नामंजूर करेगा।

(2) आवेदन को नामंजूर किए जाने संबंधी बोर्ड का निर्णय निक्षेपागार को ऐसा निर्णय लिए जाने के तीस दिनों के भीतर लिखित रूप में सूचित किया जाएगा, जिसमें उन आधारों का उल्लेख किया जाएगा जिनके आधार पर आवेदन को नामंजूर किया गया हो।

## अध्याय-IV

### निक्षेपागार का स्वामित्व

#### परिभाषाएँ

**19.** इस अध्याय के प्रयोजनार्थ:

- (1) “बैंककारी कंपनी” का वही अर्थ होगा जो बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 5 के खंड (ग) में इसके लिए नियत है;
- (2) “बीमा कंपनी” का वही अर्थ होगा जो बीमा अधिनियम, 1938 (1938 का 4) की धारा 2 की उप-धारा (8) में इसके लिए नियत है;
- (3) “भारत में निवास करने वाले व्यक्ति” का वही अर्थ होगा जो विदेशी मुद्रा प्रबंध अधिनियम, 1999 (1999 का 42) की धारा 2 के खंड (फ) में इसके लिए नियत है;
- (4) “भारत के बाहर निवास करने वाले व्यक्ति” का वही अर्थ होगा जो विदेशी मुद्रा प्रबंध अधिनियम, 1999 (1999 का 42) की धारा 2 के खंड (ब) में इसके लिए नियत है;
- (5) “लोक वित्तीय संस्था” का वही अर्थ होगा जो कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 2 की उप-धारा (72) में इसके लिए नियत है;

#### सामान्य शर्तें

**20.** (1) इन विनियमों में जैसा प्रावधान किया गया है उसके सिवाय, निक्षेपागार में किसी व्यक्ति की शेयरधारिता या मताधिकार इन विनियमों में निर्धारित सीमाओं से, किसी भी समय, अधिक नहीं होंगे।

(2) निक्षेपागार में किसी व्यक्ति की शेयरधारिता का निर्धारण करने के लिए (जिसका उल्लेख इन विनियमों में किया गया है), किसी व्यक्ति द्वारा, प्रत्यक्ष रूप से या अप्रत्यक्ष रूप से, धारित, के स्वामित्वाधीन या के नियंत्रणाधीन ऐसी किसी लिखत (इंस्ट्रुमेंट) को भी शामिल किया जाएगा, जिससे वह मताधिकारों का हकदार हो जाता हो अथवा जिसके जरिए किसी भावी तारीख को वह मताधिकारों या इक्विटी शेयरों या इक्विटी शेयरों पर किन्हीं अन्य अधिकारों का हकदार हो जाता हो:

परंतु यह कि किसी इक्विटी या इक्विटी पर किन्हीं अधिकारों, जो ऐसी लिखतों से जुड़े हों और जो इन विनियमों के प्रारंभ की तारीख को इस अध्याय में निर्धारित शेयरधारिता की सीमा से अधिक हों, को ऐसे प्रारंभ की तारीख से पाँच वर्षों की अवधि या ऐसी अन्य अवधि, जो बोर्ड द्वारा समय-समय पर निर्धारित की जाए, के भीतर निर्धारित सीमा तक घटा लिया जाएगा।

#### निक्षेपागार में शेयरधारिता

**21.** (1) भारत में निवासी कोई भी व्यक्ति, किसी भी समय, प्रत्यक्ष रूप से या अप्रत्यक्ष रूप से, चाहे अकेले या सामान्य मति से कार्य करने वाले व्यक्तियों के साथ मिलकर, निक्षेपागार की समादत्त (पेड-अप) इक्विटी शेयर पूँजी के पाँच प्रतिशत से अधिक अर्जित या धारण नहीं करेगा।

परंतु यह कि, —

- (i) स्टॉक एक्सचेंज;
- (ii) निक्षेपागार;
- (iii) बैंककारी (बैंकिंग) कंपनी;
- (iv) बीमा कंपनी; और
- (v) लोक वित्तीय संस्था,

प्रत्यक्ष रूप से या अप्रत्यक्ष रूप से, चाहे अकेले या सामान्य मति से कार्य करने वाले व्यक्तियों के साथ मिलकर, निक्षेपागार की समादत्त (पेड-अप) इक्विटी शेयर पूँजी के पंद्रह प्रतिशत तक अर्जित या धारण कर सकेगी।

(2) भारत के बाहर निवासी कोई भी व्यक्ति, किसी भी समय, प्रत्यक्ष रूप से या अप्रत्यक्ष रूप से, चाहे अकेले या सामान्य मति से कार्य करने वाले व्यक्तियों के साथ मिलकर, निक्षेपागार की समादत्त (पेड-अप) इक्विटी शेयर पूँजी का पाँच प्रतिशत से अधिक अर्जित या धारण नहीं करेगा।

परंतु यह कि, —

- (i) विदेशी स्टॉक एक्सचेंज;

- (iii) विदेशी निक्षेपागार;
- (iii) विदेशी बैंककारी (बैंकिंग) कंपनी;
- (iv) विदेशी बीमा कंपनी;
- (v) विदेशी कमोडिटी व्युत्पन्नी (डेरिवेटिव) एक्सचेंज; और
- (vi) केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित द्विपक्षीय या बहुपक्षीय वित्तीय संस्था,

प्रत्यक्ष रूप से या अप्रत्यक्ष रूप से, चाहे अकेले या सामान्य मति से कार्य करने वाले व्यक्तियों के साथ मिलकर, निक्षेपागार की समादत्त (पेड-अप) इक्विटी शेयर पूँजी के पंद्रह प्रतिशत तक अर्जित या धारण कर सकेगी।

**स्पष्टीकरण** – उप-विनियम (2) के परंतुक के प्रयोजनार्थ, खंड (i) से (vi) में उल्लिखित व्यक्तियों से भारत के बाहर मान्यताप्राप्त/ निगमित व्यक्ति अभिप्रेत होंगे।

(3) केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर अन्यथा निर्धारित की जाने वाली सीमाओं के अध्यधीन, निक्षेपागार की समादत्त (पेड-अप) इक्विटी शेयर पूँजी में भारत के बाहर निवासी सभी व्यक्तियों की कुल धारिता, किसी भी समय, उसकी कुल समादत्त (पेड-अप) इक्विटी शेयर पूँजी के उनचास प्रतिशत से अधिक नहीं होगी।

### निक्षेपागार के शेयर अर्जित करने या धारण करने के लिए पात्रता

**22.** (1) कोई भी व्यक्ति, प्रत्यक्ष रूप से या अप्रत्यक्ष रूप से, निक्षेपागार के इक्विटी शेयर या मताधिकार, तब तक अर्जित या धारण नहीं करेगा, जब तक कि वह उपयुक्त तथा उचित व्यक्ति न हो। निक्षेपागार यह सुनिश्चित करेगा कि उसके सभी शेयरधारक उपयुक्त तथा उचित व्यक्ति हों:

परंतु यह कि यह सुनिश्चित करने की ऐसी अपेक्षा, कि उसके सभी शेयरधारक उपयुक्त तथा उचित व्यक्ति हों, सूचीबद्ध निक्षेपागार के मामले में उस व्यक्ति की शेयरधारिता के संबंध में लागू नहीं होगी, जो, प्रत्यक्ष रूप से या अप्रत्यक्ष रूप से, ऐसे सूचीबद्ध निक्षेपागार के दो प्रतिशत से कम इक्विटी शेयर या मताधिकार अर्जित या धारण करता हो।

(2) कोई व्यक्ति जो किसी व्यक्ति (किन्हीं व्यक्तियों) से निक्षेपागार के इक्विटी शेयरों या मताधिकारों का अर्जन, प्रत्यक्ष रूप से या अप्रत्यक्ष रूप से, चाहे अकेले या सामान्य मति से कार्य करने वाले व्यक्तियों के साथ मिलकर, करता हो और अर्जन करने वाले ऐसे व्यक्ति (व्यक्तियों) को दो प्रतिशत से लेकर पाँच प्रतिशत तक मताधिकारों का प्रयोग करने का हक मिल जाता हो, तो वह व्यक्ति ऐसे अर्जन से पंद्रह दिनों के भीतर बोर्ड की मंजूरी लेगा।

(3) कोई व्यक्ति जो विनियम 21 के उप-विनियम (1) तथा उप-विनियम (2) के तहत समादत्त (पेड-अप) इक्विटी शेयर पूँजी के पाँच प्रतिशत से अधिक अर्जित करने या धारण करने का पात्र हो, वह व्यक्ति निक्षेपागार की समादत्त (पेड-अप) इक्विटी शेयर पूँजी का पाँच प्रतिशत से अधिक अर्जित या धारण केवल तभी कर सकेगा, जब वह बोर्ड की पूर्व मंजूरी ले ले।

(4) इस विनियम के उप-विनियम (2) या उप-विनियम (3) के अनुसार मंजूरी लेने के लिए आवेदन बोर्ड के पास संबंधित निक्षेपागार के माध्यम से पहली अनुसूची के फॉर्म-ड में प्रस्तुत किया जाएगा।

(5) निक्षेपागार शेयरधारकों द्वारा उप-विनियम (4) के तहत प्रस्तुत की गई घोषणाओं / वचनों का सत्यापन करेगा और अपनी सिफारिश के साथ आवेदन बोर्ड की मंजूरी के लिए भिजवाएगा।

(6) यदि बोर्ड द्वारा किसी व्यक्ति को उप-विनियम (2) के तहत मंजूरी प्रदान नहीं की जाती, तो ऐसा व्यक्ति निक्षेपागार में अपनी पूरी शेयरधारिता तुरंत बेच देगा।

(7) निक्षेपागार की समादत्त (पेड-अप) इक्विटी शेयर पूँजी का दो प्रतिशत या उससे अधिक धारण करने वाला कोई व्यक्ति निक्षेपागार के पास, प्रत्येक वित्तीय वर्ष के समाप्त होने से पंद्रह दिनों के भीतर, निक्षेपागार को यह घोषणा प्रस्तुत करेगा कि वह उपयुक्त तथा उचित व्यक्ति संबंधी मानदंडों पर खरा उतरता है।

### शेयरधारिता संबंधी सीमा की निगरानी

**22क.** निक्षेपागार निगरानी की व्यवस्था निर्धारित करेगा, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि दूसरी अनुसूची के भाग-ड में निर्धारित शेयरधारिता संबंधी पाबंदियों का सदैव पालन हो।

### उपयुक्त तथा उचित व्यक्ति संबंधी अपेक्षा

**23.** (1) निक्षेपागार यह सुनिश्चित करेगा कि उसके सभी निदेशक और प्रबंध-मंडल के मुख्य व्यक्ति हमेशा उपयुक्त तथा उचित व्यक्ति रहें।

(2) यह तय करने के प्रयोजनार्थ कि क्या आवेदक, निक्षेपागार, उसका शेयरधारक, निदेशक, प्रबंध-मंडल के मुख्य व्यक्ति या सहभागी इन विनियमों के तहत 'उपयुक्त तथा उचित व्यक्ति' हैं, प्रतिभूति संविदा (विनियमन) (स्टॉक एक्सचेंज और समाशोधन निगम) विनियम, 2018 [सिक्यूरिटीज़ कॉन्ट्रैक्ट्स (रेग्यूलेशन) (स्टॉक एक्सचेंज एंड क्लीयरिंग कारपोरेशन्स) रेग्यूलेशन्स, 2018] के विनियम 20 के तहत निर्धारित मानदंड लागू होंगे।

(3) यदि निक्षेपागार द्वारा लिए गए निर्णय कि क्या कोई व्यक्ति 'उपयुक्त तथा उचित व्यक्ति' है के संबंध में कोई प्रश्न उठता है, तो ऐसे प्रश्न के संबंध में बोर्ड का निर्णय अंतिम होगा।

### अध्याय-V

#### निक्षेपागार का संचालन (गवर्नेंस)

##### शासी मंडल की संरचना

24. (1) प्रत्येक निक्षेपागार के शासी मंडल में शामिल होंगे –

- (क) शेयरधारक निदेशक;
- (ख) लोक हित निदेशक; और
- (ग) प्रबंध निदेशक।

(2) बोर्ड की पूर्व मंजूरी के अध्यक्षीन, शासी मंडल द्वारा लोक हित निदेशकों में से अध्यक्ष का चयन किया जाएगा।

(3) लोक हित निदेशकों की संख्या निक्षेपागार के शासी मंडल में शेयरधारक निदेशकों की संख्या से कम नहीं होगी।

(4) शासी मंडल की बैठक के लिए कोरम में लोक हित निदेशकों की संख्या शेयरधारक निदेशकों की संख्या से कम नहीं होगी।

(5) शासी मंडल की बैठक में संकल्प के लिए किया गया मतदान तभी मान्य होगा, जब ऐसे लोक हित निदेशकों की संख्या जिन्होंने ऐसे संकल्प के संबंध में मतदान किया हो, ऐसे शेयरधारक निदेशकों की संख्या के बराबर हो या उससे अधिक हो जिन्होंने ऐसे संकल्प के संबंध में मतदान किया हो।

(6) निक्षेपागार के शासी मंडल की बैठकों में निर्णायक मत शासी मंडल के अध्यक्ष का होगा।

(7) प्रबंध निदेशक को शेयरधारक निदेशकों के वर्ग में शामिल किया जाएगा।

(8) प्रबंध निदेशक के अलावा निक्षेपागार के किसी कर्मचारी को शासी मंडल में नियुक्त किया जा सकेगा, और ऐसे निदेशक को शेयरधारक निदेशक समझा जाएगा।

(9) कोई भी निक्षेपागार सहभागी (डिपॉज़िटरी पार्टिसिपेंट) या उसके सहयोगी (असोसिएट) और एजेंट, फिर चाहे वे किसी भी निक्षेपागार के सदस्य हों, निक्षेपागार के शासी मंडल में नहीं होंगे।

(10) कोई व्यक्ति जो ऐसी एंटीटी में निदेशक हो, जो स्वयं निक्षेपागार सहभागी हो या उसका (उसके) सहयोगी निक्षेपागार सहभागी हो (हों), उस व्यक्ति को निक्षेपागार सहभागी समझा जाएगा:

परंतु यह कि उप-विनियम 10 के प्रयोजनार्थ किसी व्यक्ति को निक्षेपागार सहभागी या उसका सहयोगी नहीं समझा जाएगा, यदि वह ऐसी लोक वित्तीय संस्था या उस बैंक के बोर्ड में हो जो सार्वजनिक क्षेत्र में हो, या जिसका कोई ऐसा अंतिम संप्रवर्तक (प्रमोटर) न हो जिसकी पहचान की जा सके, या जिसका अंतिम संप्रवर्तक सार्वजनिक क्षेत्र में हो या जिसकी शेयरधारिता फैली हुई हो, और ऐसी लोक वित्तीय संस्था या बैंक या उसका सहयोगी निक्षेपागार सहभागी हो।

परंतु यह और कि लोक वित्तीय संस्था या सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक के सहयोगियों (जो निक्षेपागार सहभागी हो) के स्वतंत्र निदेशक, और जिस सहयोगी में ऐसी लोक वित्तीय संस्था या सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक की अधिकांश शेयरधारिता हो, को विनियम 10 के प्रयोजनार्थ निक्षेपागार सहभागी नहीं समझा जाएगा।

(11) निदेशक की नियुक्ति अन्य अपेक्षाओं को पूरा किए जाने और बोर्ड के संतुष्ट हो जाने के अध्यक्षीन की जाएगी।

(12) निक्षेपागार सतत आधार पर उप-विनियम 9 के पालन पर नज़र रखेगा और उसे सुनिश्चित करेगा, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि उनके शासी मंडल में नियुक्त निदेशक, मंजूरी दिए जाने और नियुक्त किए जाने के बाद निक्षेपागार सहभागी से न जुड़ें।

(13) निक्षेपागार के शासी मंडल में किसी भी विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक का कोई प्रतिनिधित्व नहीं होगा।

### निदेशकों की नियुक्ति की शर्तें

**25.** (1) प्रत्येक निक्षेपागार के शासी मंडल में सभी शेयरधारक निदेशकों की नियुक्ति और पुनःनियुक्ति बोर्ड की पूर्व मंजूरी से ही की जाएगी।

(2) निक्षेपागार के शासी मंडल में लोक हित निदेशक बोर्ड द्वारा नामित किए जाएंगे।

(3) लोक हित निदेशक तीन वर्ष के कार्यकाल के लिए नामित किए जाएंगे, तथा उसके कार्य-निष्पादन की उसी प्रकार समीक्षा किए जाने के अध्यक्षीन, यह कार्यकाल और तीन वर्षों के लिए बढ़ाया जा सकेगा, जैसा बोर्ड द्वारा निर्धारित किया जाए:

परंतु यह कि किसी एक निक्षेपागार में कार्यकाल (कार्यकालों) के समाप्त हो जाने के बाद, लोक हित निदेशक को तीन वर्ष के कार्यकाल के लिए अन्य निक्षेपागार या मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम (क्लीयरिंग कारपोरेशन) में नामित किया जा सकेगा, और ऐसा एक वर्ष की विराम-अवधि (कूलिंग ऑफ पीरियड) के बाद ही किया जा सकेगा:

परंतु यह और कि किसी व्यक्ति को, पचहत्तर वर्ष की अधिकतम आयु सीमा के अध्यक्षीन, किसी निक्षेपागार/मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज/मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम में कुल मिलाकर अधिकतम तीन बार ही लोक हित निदेशक के रूप में नामित किया जा सकेगा।

(4) निक्षेपागार के बोर्ड में लोक हित निदेशक एक ही समय पर उसकी समनुषंगी (सब्सिड्यरी) के बोर्ड में अथवा किसी अन्य निक्षेपागार या मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम के बोर्ड में अथवा ऐसे अन्य निक्षेपागार या मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम की समनुषंगी (सब्सिड्यरी) के बोर्ड में निदेशक के रूप में कार्य नहीं करेगा।

(5) निक्षेपागार के बोर्ड में लोक हित निदेशक एक ही समय पर उस निक्षेपागार की पाँच से अधिक समितियों में सदस्य के रूप में कार्य नहीं करेगा।

(6) निक्षेपागार के बोर्ड में लोक हित निदेशक अपने शासी मंडल को ऐसे किसी हित-विरोध से अवगत कराता रहेगा, जो लोक हित निदेशक द्वारा, प्रत्यक्ष रूप से या अप्रत्यक्ष रूप से, निक्षेपागार सहभागियों या उनके सहयोगियों (असोसिएट) और एजेंटों को सेवाएँ प्रदान करने की वजह से हो सकता हो।

(7) कोई भी लोक हित निदेशक तब तक शेयरधारक निदेशक नहीं बनेगा, जब तक कि उसके लोक हित निदेशक के पद से हटने के बाद से तीन वर्षों की विराम-अवधि न बीत जाए।

(8) निक्षेपागार के शासी मंडल में कोई भी लोक हित निदेशक उस निक्षेपागार की समनुषंगी (सब्सिड्यरी) के बोर्ड में तब तक निदेशक नहीं बनेगा, जब तक कि उसके लोक हित निदेशक के पद से हटने के बाद से तीन वर्षों की विराम-अवधि न बीत जाए।

(9) लोक हित निदेशकों को पारिश्रमिक केवल बैठक शुल्क (सिटिंग फीस) के भुगतान के रूप में दिया जाएगा, जो कंपनी अधिनियम, 2013 में स्वतंत्र निदेशकों के लिए अनुमत हो।

(10) यदि कोई ऐसा प्रश्न उठता है कि क्या लोक हित निदेशक को सौंपा गया जिम्मा या उसका पद उसकी भूमिका के विरोध में है, तो ऐसे में बोर्ड का निर्णय अंतिम होगा।

(11) इस विनियम के प्रयोजनार्थ, निदेशकों की नियुक्ति की प्रक्रिया दूसरी अनुसूची के भाग-ग के तहत निर्धारित की गई है।

### प्रबंध निदेशक की नियुक्ति

**26.** (1) निक्षेपागार के प्रबंध निदेशक की नियुक्ति, नियुक्ति का नवीकरण और सेवा की समाप्ति बोर्ड की मंजूरी लेकर की जाएगी।

(2) प्रत्येक निक्षेपागार, बोर्ड द्वारा समय-समय पर जारी किए जाने वाले दिशानिर्देशों (गाइडलाइन्स) के अध्यक्षीन, प्रबंध निदेशक के चयन / नियुक्ति के संबंध में अर्हता (योग्यता), नियुक्ति का तरीका, नियुक्ति की शर्तें आदि और प्रक्रिया-संबंधी अन्य औपचारिकताओं का निर्धारण करेगा।

(3) प्रबंध निदेशक की नियुक्ति अधिक से अधिक पाँच वर्षों के कार्यकाल के लिए की जाएगी:

परंतु यह कि प्रबंध निदेशक के रूप में पहला कार्यकाल पूरा होने के बाद, निक्षेपागार नए सिरे से नियुक्ति की प्रक्रिया अपनाएगा:

परंतु यह और कि निक्षेपागार द्वारा किसी व्यक्ति को, साठ वर्ष की अधिकतम आयु सीमा के अध्यक्षीन, किसी निक्षेपागार में कुल मिलाकर अधिकतम दो कार्यकालों (प्रत्येक पाँच वर्ष का) के लिए ही प्रबंध निदेशक के रूप में नियुक्त किया जा सकेगा।

## (4) निक्षेपागार का प्रबंध निदेशक -

(क) निक्षेपागार का शेयरधारक या निक्षेपागार के शेयरधारक का सहयोगी या निक्षेपागार के सहयोगी का शेयरधारक नहीं होगा;

(ख) निक्षेपागार सहभागी, या उसका सहयोगी और एजेंट, या निक्षेपागार सहभागी का शेयरधारक या निक्षेपागार सहभागी के सहयोगी और एजेंट का शेयरधारक नहीं होगा; या

(ग) निक्षेपागार की समनुषंगी (सब्डियरी) में या निक्षेपागार की किसी अन्य सहयोगी एंटीटी में एक ही समय में किसी पद पर नहीं होगा:

परंतु यह कि निक्षेपागार के प्रबंध निदेशक की नियुक्ति शासी मंडल में की जा सकेगी, किंतु निक्षेपागार की समनुषंगी (सब्डियरी) या सहयोगी के प्रबंध निदेशक के रूप में नहीं की जा सकेगी।

(5) यदि प्रबंध निदेशक बोर्ड द्वारा जारी किए गए निदेशों, दिशानिर्देशों तथा अन्य आदेशों, या निक्षेपागार के नियमों, अनुदेशों, संगम-अनुच्छेद (आर्टिकल्स ऑफ असोसिएशन) तथा उप-विधियों (बाय-लॉज़) का पालन करने में असफल रहता हो, तो बोर्ड की पूर्व मंजूरी लेकर निक्षेपागार के शासी मंडल द्वारा उसे सेवाओं से हटाया जा सकेगा या उसकी सेवाएँ समाप्त की जा सकेंगी।

(6) बोर्ड स्वप्रेरणा से प्रबंध निदेशक को हटा सकेगा या उसकी नियुक्ति को समाप्त कर सकेगा, यदि ऐसा करना प्रतिभूति बाजार के हित में ठीक समझा जाए:

परंतु यह कि किसी भी प्रबंध निदेशक को तब तक नहीं हटाया जाएगा, जब तक कि उसे सुनवाई का उचित अवसर न दे दिया जाए।

(7) प्रबंध निदेशक की नियुक्ति के संबंध में इस विनियम में निर्धारित शर्तें उस व्यक्ति पर भी लागू होंगी, जो इन विनियमों के प्रारंभ की तारीख को निक्षेपागार में प्रबंध निदेशक के पद पर हो।

*स्पष्टीकरण* : उप-विनियम (7) के प्रयोजनार्थ, मौजूदा कार्यकाल पूरा होने के बाद ही यह विनियम लागू होगा और निक्षेपागार के शासी मंडल में प्रबंध निदेशक द्वारा पहले पूरे किए गए कार्यकाल (कार्यकालों) पर भी, पात्रता का निर्धारण करते समय, विचार किया जाएगा।

**निदेशकों और प्रबंध-मंडल के मुख्य व्यक्तियों के लिए आचार संहिता**

**27.** (1) निक्षेपागार का प्रत्येक निदेशक इन विनियमों की तीसरी अनुसूची के भाग-ख के तहत निर्धारित आचार संहिता का पालन करेगा।

(2) निक्षेपागार का प्रत्येक निदेशक और प्रबंध-मंडल का मुख्य व्यक्ति इन विनियमों की तीसरी अनुसूची के भाग-ग के तहत निर्धारित सदाचार संहिता का पालन करेगा।

(3) निक्षेपागार का प्रत्येक निदेशक और प्रबंध-मंडल का प्रत्येक मुख्य व्यक्ति विनियम 23 के उप-विनियम (2) के अनुसार उपयुक्त तथा उचित व्यक्ति संबंधी मानदंड सदैव पूरा करेगा।

(4) बोर्ड, निदेशकों द्वारा इन विनियमों या आचार संहिता या सदाचार संहिता का पालन करने में किसी भी तरह से असफल रहने पर या किसी हित-विरोध के मामले में, निक्षेपागार की ओर से जानकारी मिलने पर या स्वप्रेरणा से, उपयुक्त कार्रवाई कर सकेगा, जिसमें किसी निदेशक को हटाया जाना या उसकी नियुक्ति को समाप्त करना शामिल है, और ऐसा उसे सुनवाई का उचित अवसर देने के बाद ही किया जाएगा।

**प्रबंध-मंडल के मुख्य व्यक्तियों को प्रतिकर (कॉम्पेनसेशन) और उनका कार्यकाल**

**28.** (1) निक्षेपागार एक नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति का गठन करेगा, जिसमें अधिकांश लोक हित निदेशक होंगे और जिसका अध्यक्ष एक लोक हित निदेशक होगा।

(2) नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति प्रबंध-मंडल के मुख्य व्यक्तियों का प्रतिकर, प्रतिकर संबंधी नीति के अनुसार निर्धारित करेगी।

(3) नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति द्वारा प्रतिकर संबंधी नीति दूसरी अनुसूची के भाग-घ के तहत बोर्ड द्वारा निर्धारित किए गए मानदंडों के अनुसार निर्धारित की जाएगी।

(4) प्रबंध निदेशक को अदा किए जाने वाला प्रतिकर उतना ही होगा जितना बोर्ड द्वारा मंजूर किया जाए, और प्रबंध निदेशक के प्रतिकर की शर्तों आदि में बदलाव, बोर्ड की पूर्व मंजूरी के बिना, नहीं किया जाएगा।

(5) प्रबंध-मंडल के मुख्य व्यक्तियों को दिया जाने वाला प्रतिकर कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 134 के तहत निक्षेपागार की रिपोर्ट में प्रकट किया जाएगा।

(6) उप-विनियम (5) के तहत रिपोर्ट में यह उल्लेख किया जाएगा कि प्रबंध-मंडल के प्रत्येक मुख्य व्यक्ति को अदा किए गए प्रतिकर से निक्षेपागार के अन्य कर्मचारियों को अदा किए गए प्रतिकर के मध्य मूल्य (मीडियन) का अनुपात कितना है।

(7) किसी विभाग में, प्रबंध-मंडल के मुख्य व्यक्ति (निदेशक को छोड़कर) का कार्यकाल ऐसी निश्चित अवधि के लिए होगा, जो नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति द्वारा तय की जाए।

स्पष्टीकरण: उप-विनियम (7) के प्रयोजनार्थ, कार्यकाल से किसी विनियामक विभाग (रेग्युलेटरी डिपार्टमेंट) में प्रबंध-मंडल के मुख्य व्यक्ति के रूप में तैनाती की अवधि अभिप्रेत है, जो एक निश्चित अवधि के लिए होगी।

### **विनियामक विभागों का अलग किया जाना**

29. निक्षेपागार अपने विनियामक विभागों को अन्य विभागों से उसी प्रकार अलग रखेगा, जैसा इन विनियमों की चौथी अनुसूची में उल्लेख किया गया है।

### **कानूनी समितियाँ**

30. (1) निक्षेपागार उप-विनियम (2) और उप-विनियम (3) के अनुसार समितियों का गठन करेगा।

(2) कार्य-संबंधी समिति, जिनमें शामिल हैं:

(क) सदस्य चयन समिति;

(ख) निवेशक शिकायत निवारण समिति; और

(ग) नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति।

(3) निगरानी समितियाँ, जिनमें शामिल हैं:

(क) तकनीक संबंधी स्थायी समिति;

(ख) सलाहकार समिति;

(ग) विनियामक निगरानी समिति; और

(घ) जोखिम प्रबंधन समिति।

(4) उप-विनियम (2) तथा उप-विनियम (3) के तहत समितियों की संरचना, उनका कोरम तथा कार्य उसी प्रकार होंगे, जैसा बोर्ड द्वारा समय-समय पर निर्धारित किया जाए।

### **प्रकटीकरण (डिस्क्लोज़र) और कंपनी संचालन संबंधी मानदंड**

31. (1) सूचीबद्ध (लिस्टेड) कंपनियों के लिए यथा निर्धारित प्रकटीकरण अपेक्षाएँ और कंपनी संचालन संबंधी मानदंड, यथावश्यक परिवर्तन सहित, निक्षेपागार पर लागू होंगे।

(2) निक्षेपागार का शासी बोर्ड उप-विनियम (1) के पालन की पुष्टि, बोर्ड को छमाही आधार पर, लिखित में करेगा।

(3) निक्षेपागार, विनियामक कार्यों को मजबूती प्रदान करने के लिए और निक्षेपागार पर लागू विनियामक अपेक्षाओं का पालन सुनिश्चित करने के लिए लगाए गए संसाधनों का प्रकटीकरण एक्टिविटी बेस्ड अकाउंटिंग के आधार पर तैयार करेगा, जिसे कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 134 के तहत रिपोर्ट में प्रकट किया जाएगा।

(4) निक्षेपागार द्वारा ली जाने वाली फीस और लिए जाने वाले शुल्क को ऐसे निक्षेपागार की निगरानी समिति के समक्ष समीक्षा के लिए रखा जाएगा।

## **अध्याय-VI**

### **सहभागी का रजिस्ट्रीकरण**

#### **रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान किए जाने हेतु आवेदन**

32. (1) सहभागी के रूप में रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान किए जाने हेतु आवेदन पहली अनुसूची के फॉर्म-च में बोर्ड को, उस निक्षेपागार के माध्यम से किया जाएगा, जिसमें आवेदक सहभागी के रूप में कार्य करने का प्रस्ताव करता हो, और जिसके साथ दूसरी अनुसूची के भाग-क में निर्धारित फीस लगाई जाएगी तथा जो उसी प्रकार अदा की जाएगी जैसा उसके भाग-ख में निर्धारित किया गया हो।

(2) निक्षेपागार बोर्ड के पास पहली अनुसूची के फॉर्म-च में आवेदन, जल्द से जल्द, किंतु तीस दिनों के भीतर, अपनी सिफारिशों के साथ और यह प्रमाणित करते हुए भिजवाएगा कि सहभागी पात्रता संबंधी मानदंडों [जिसमें पर्याप्त बुनियादी सुविधाओं (इन्फ्रास्ट्रक्चर) संबंधी मानदंड शामिल हैं, जैसा इन विनियमों और निक्षेपागार की उप-विधियों (बाय-लॉज़) में उल्लेख किया गया है] को पूरा करता है।

### अपेक्षाओं के अनुरूप आवेदन

**33.** पहली अनुसूची के फॉर्म-च में किया गया जो आवेदन सभी प्रकार से पूर्ण न हो और जो उसमें दिए गए अनुदेशों के अनुरूप न हो, उसे नामंजूर कर दिया जाएगा:

**परंतु यह कि** ऐसे किसी आवेदन को नामंजूर करने से पहले, आवेदक को लिखित रूप में यह अवसर प्रदान किया जाएगा कि वह बोर्ड द्वारा सूचित की गई आपत्तियों को, इस संबंध में दी जाने वाली सूचना की तारीख से तीस दिनों के भीतर, दूर कर ले:

**परंतु यह और कि** बोर्ड इस बात से संतुष्ट हो जाने पर कि पहले परंतुक में उल्लिखित अवधि को बढ़ाना आवश्यक है, ऐसी अवधि को ऐसे और समय तक बढ़ा सकेगा जैसा वह आवश्यक समझे, ताकि आवेदक बोर्ड द्वारा सूचित की गई आपत्तियों को दूर कर सके।

### जानकारी, स्पष्टीकरण प्रस्तुत करना और व्यक्तिगत प्रतिनिधित्व

**34. (1)** बोर्ड आवेदक, या आवेदक को जिस निक्षेपागार का सहभागी बनना हो उस निक्षेपागार से, ऐसी और जानकारी या स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने की अपेक्षा कर सकेगा, जो आवेदक को रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान करने के लिए आवश्यक समझा जाए।

(2) आवेदक या उसका प्राधिकृत प्रतिनिधि, यदि ऐसी अपेक्षा की जाए, रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान किए जाने के संबंध में व्यक्तिगत प्रतिनिधित्व के लिए बोर्ड के समक्ष हाजिर होगा।

### रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान किए जाने के लिए आवेदन पर विचार

**35.** रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान करने के प्रयोजनार्थ, बोर्ड ऐसी सभी बातों पर विचार करेगा जो सहभागी के कुशलतापूर्वक और सुव्यवस्थित रूप से कार्य करने से संबंधित हों और खासकर इस बात पर कि क्या आवेदक निम्नलिखित अपेक्षाओं को पूरा करता है, अर्थात्:—

(क) आवेदक निम्नलिखित वर्गों में से किसी एक वर्ग से हो,—

- (i) कंपनी अधिनियम, 2013 (कंपनीज़ एक्ट, 2013) की धारा 2(72) में यथा परिभाषित लोक वित्तीय संस्था;
- (ii) भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, 1934 (1934 का 2) की दूसरी अनुसूची में तत्समय शामिल बैंक;
- (iii) भारतीय रिज़र्व बैंक की मंजूरी से भारत में क्रियाशील विदेशी बैंक;
- (iv) राज्य वित्तीय निगम अधिनियम, 1951 (स्टेट फाइनेंस कारपोरेशन्स एक्ट, 1951) [1951 का 63] की धारा 3 के प्रावधानों के तहत स्थापित राज्य वित्तीय निगम;
- (v) वित्तीय सेवाएँ प्रदान करने वाली वह संस्था, जो उप-खंड (i), (ii), (iii) एवं (iv) में उल्लिखित संस्थाओं में से किसी संस्था द्वारा, संयुक्त रूप से या पृथक् रूप से, संप्रवर्तित हो;
- (vi) प्रतिभूति अभिरक्षक (कस्टोडियन ऑफ़ सिक्यूरिटीज़), जिसे अधिनियम की धारा 12 की उप-धारा (1क) के तहत बोर्ड द्वारा रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान किया गया हो;
- (vii) स्टॉक एक्सचेंज का समाशोधन निगम (क्लीयरिंग कारपोरेशन) या समाशोधन गृह (क्लीयरिंग हाउस);
- (viii) स्टॉक दलाल, जिसे अधिनियम की धारा 12 की उप-धारा (1) के तहत बोर्ड द्वारा रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान किया गया हो;

**परंतु यह कि** स्टॉक दलाल की न्यूनतम शुद्ध-मालियत (नेटवर्थ) 50 लाख रुपये की हो और उसके माध्यम से एक निक्षेपागार (डिपॉज़िटरी) में गैर-कागज़ी (डीमैट) रूप में धारित हिताधिकारी स्वामियों (बेनिफिशियल ओनर) की प्रतिभूतियों के पोर्टफोलियो का कुल मूल्य स्टॉक दलाल की शुद्ध-मालियत के 100 गुने से अधिक न हो:

**परंतु यह और कि** यदि स्टॉक दलाल एक से अधिक निक्षेपागार में सहभागी के रूप में कार्य करना चाहता हो, तो उसे पहले परंतुक में निर्धारित किए गए मानदंड का, ऐसे प्रत्येक निक्षेपागार हेतु अलग-अलग, पालन करना होगा:

**परंतु यह और कि** जहाँ स्टॉक दलाल की न्यूनतम शुद्ध-मालियत दस करोड़ रुपये की हो, वहाँ उसके माध्यम से एक निक्षेपागार (डिपॉजिटरी) में गैर-कागज़ी (डीमैट) रूप में धारित हिताधिकारी स्वामियों (बेनिफिशियल ओनर) की प्रतिभूतियों के पोर्टफोलियो के कुल मूल्य से संबंधित सीमाएँ लागू नहीं होंगी;

(ix) गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी, जिसकी शुद्ध-मालियत पचास लाख रुपये से कम की न हो:

**परंतु यह कि** ऐसी कंपनी केवल अपनी ओर से ही सहभागी के रूप में कार्य करेगी, न कि किसी दूसरे व्यक्ति की ओर से;

**परंतु यह और कि** गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी किसी दूसरे व्यक्ति की ओर से सहभागी के रूप में कार्य कर सकेगी, यदि उसकी शुद्ध-मालियत किसी दूसरे प्राधिकरण द्वारा निर्धारित की गई शुद्ध-मालियत से 50 करोड़ रुपये अधिक हो;

(x) निर्गम रजिस्ट्रार (रजिस्ट्रार टू एन इश्यू) या शेयर अंतरण अभिकर्ता (शेयर ट्रांसफर एजेंट), जिसकी न्यूनतम शुद्ध-मालियत दस करोड़ रुपये की हो और जिसे बोर्ड द्वारा अधिनियम की धारा 12 की उप-धारा (1) के तहत रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान किया गया हो;

(ख) आवेदक उस निक्षेपागार के सहभागी के रूप में शामिल किए जाने हेतु पात्र हो, जिसके माध्यम से बोर्ड को आवेदन को आवेदन किया गया हो;

(ग) सहभागी के रूप में कार्य करने के लिए आवेदक के पास पर्याप्त बुनियादी सुविधाएँ (बुनियादी सुविधाओं (इन्फ्रास्ट्रक्चर) / इन्फ्रास्ट्रक्चर), प्रणालियों (सिस्टम), रक्षोपाय और प्रशिक्षित स्टाफ हों;

(घ) आवेदक उपयुक्त तथा उचित व्यक्ति हो; और

(ङ) रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान करना प्रतिभूति बाजार में निवेश करने वाले निवेशकों के हित में हो।

### रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान करना

**36. (1)** विनियम 35 में दी गई बातों के संदर्भ में, विनियम 32 के तहत आवेदन पर विचार करने के पश्चात्, यदि बोर्ड इस बात से संतुष्ट हो कि आवेदक रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान किए जाने के लिए पात्र है, तो वह पहली अनुसूची के फॉर्म-छ में प्रमाणपत्र प्रदान कर सकेगा।

(2) पहली अनुसूची के फॉर्म-छ में रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा, बशर्ते कि:—

- (क) सहभागी दूसरी अनुसूची के भाग-क में निर्धारित रजिस्ट्रीकरण फीस, बोर्ड की ओर से सूचना मिलने से पंद्रह दिनों के भीतर, उसी प्रकार अदा कर दे, जैसा उस अनुसूची के भाग-ख में उल्लेख किया गया है;
- (ख) सहभागी अधिनियम, निक्षेपागार अधिनियम, उप-विधियों, करारों (एग्रीमेंट्स) और इन विनियमों के प्रावधानों का पालन करे;
- (ग) जिस निक्षेपागार के माध्यम से रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र हेतु आवेदन अग्रेषित किया गया हो, उसके पास विनियम 16 के तहत कारबार शुरू करने का प्रमाणपत्र हो;
- (घ) जहाँ सहभागी नियंत्रण में परिवर्तन का प्रस्ताव करता हो, वहाँ वह परिवर्तन के पश्चात् उसी हैसियत से कार्य करना जारी रखने के संबंध में बोर्ड की पूर्व मंजूरी ले;
- (ङ) यदि बोर्ड के पास सहभागी द्वारा पहले प्रस्तुत की गई कोई जानकारी किसी मामले विशेष में झूठी या भ्रामक पाई जाती है, या यदि ऐसी जानकारी में कोई बदलाव होता है, तो सहभागी बोर्ड को तुरंत लिखित रूप में सूचित करे;
- (च) सहभागी हिताधिकारी स्वामियों की शिकायतों का निवारण शिकायत प्राप्त होने की तारीख से तीस दिनों के भीतर करे और निक्षेपागार को सूचित करता रहे कि कितनी शिकायतों का निवारण किया गया है और किस प्रकार से निवारण किया गया है; और
- (छ) सहभागी दूसरी अनुसूची के भाग-क में निर्धारित वार्षिक फीस उसी प्रकार अदा कर दे, जैसा उस अनुसूची के भाग-ख में उल्लेख किया गया है।

(3) उप-विनियम (1) के तहत प्रदान किया गया रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र तब तक मान्य रहेगा, जब तक कि उसे बोर्ड द्वारा निलंबित या रद्द न कर दिया जाए।

- (4) जिस सहभागी को बोर्ड द्वारा रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड [कुछ मध्यवर्तियों (इंटरमीडियरीज़) के रजिस्ट्रीकरण की शर्तों में परिवर्तन] (संशोधन) विनियम, 2016 के प्रारंभ होने से पहले ही प्रदान किया जा चुका हो, उसके बारे में यह समझा जाएगा कि उसे उप-विनियम (1) के अनुसार रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान किया गया है।
- (5) सहभागी, रजिस्ट्रीकरण को मान्य रखने के लिए, यथास्थिति, रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान किए जाने की तारीख या भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड [कुछ मध्यवर्तियों (इंटरमीडियरीज़) के रजिस्ट्रीकरण की शर्तों में परिवर्तन] (संशोधन) विनियम, 2016 के प्रारंभ होने से पहले प्रदान किए गए आरंभिक रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान किए जाने की तारीख से छठे वर्ष से प्रत्येक पाँच वर्षों हेतु दूसरी अनुसूची के भाग-क में यथा निर्धारित रजिस्ट्रीकरण फीस अदा करेगा।
- (6) उप-विनियम में उल्लिखित फीस उस ब्लॉक के समाप्त होने से तीन महीने पहले ही अदा की जाएगी, जिस ब्लॉक के लिए फीस अदा की जा चुकी हो।
- (7) यदि रजिस्ट्रीकरण की मांग करते समय प्रस्तुत की गई जानकारी में कोई भी बदलाव होते हैं, तो सहभागी बोर्ड को उन बदलावों के व्यौरें तुरंत सूचित करेगा।

### सहभागियों द्वारा आचार संहिता का पालन किया जाना

**37.** रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र धारण करने वाला सहभागी, हमेशा, तीसरी अनुसूची के भाग-क में यथा निर्धारित आचार संहिता (कोड ऑफ कंडक्ट) का पालन करेगा।

### एक से अधिक निक्षेपागार में सहभागी के रूप में कार्य करना

- 38.** (1) जिस सहभागी को रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान किया गया हो, वह अलग से रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्राप्त किए बिना, दूसरे निक्षेपागार के सहभागी के रूप में कार्य कर सकेगा, बशर्ते कि ऐसे दूसरे निक्षेपागार द्वारा मंजूरी दे दी जाए।
- (2) ऐसा कोई सहभागी जो दूसरे निक्षेपागार के सहभागी के रूप में कार्य करना चाहता हो, वह ऐसे दूसरे निक्षेपागार के पास मंजूरी हेतु उसी प्रकार आवेदन करेगा, जैसा बोर्ड द्वारा निर्धारित किया जाए।
- (3) उप-विनियम (2) के तहत आवेदन प्राप्त होने पर, निक्षेपागार, इन विनियमों के प्रावधानों और बोर्ड द्वारा निर्धारित की गई अन्य संबंधित पात्रता संबंधी अपेक्षाओं के पालन से संतुष्ट हो जाने पर, अपने सहभागी के रूप में कार्य करने की मंजूरी प्रदान करेगा, बशर्ते कि सहभागी दूसरी अनुसूची के भाग-क में निर्धारित रजिस्ट्रीकरण फीस, निक्षेपागार से सूचना प्राप्त होने से 15 दिनों के भीतर, उसी प्रकार अदा कर दे, जैसा उस अनुसूची के भाग-ख में उल्लेख किया गया है।
- (4) निक्षेपागार बोर्ड को उप-विनियम (3) के तहत प्रदान की गई मंजूरी के बारे में सूचित करेगा।
- (5) जिस सहभागी को उप-विनियम (3) के तहत मंजूरी प्रदान की गई हो, वह दूसरी अनुसूची के भाग-क में निर्धारित वार्षिक फीस (प्रत्येक निक्षेपागार के लिए अलग-अलग) उसी प्रकार अदा करेगा, जैसा उस अनुसूची के भाग-ख में उल्लेख किया गया है।
- (6) जिस सहभागी को उप-विनियम (3) के तहत मंजूरी प्रदान की गई हो, वह रजिस्ट्रीकरण को मान्य रखने के लिए, निक्षेपागार द्वारा मंजूरी प्रदान किए जाने की तारीख से छठे वर्ष से प्रत्येक पाँच वर्षों हेतु, दूसरी अनुसूची के भाग-क में यथा निर्धारित रजिस्ट्रीकरण फीस उसी प्रकार अदा करेगा, जैसा उस अनुसूची के भाग-ख में उल्लेख किया गया है।

### जहाँ रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान न किया गया हो, वहाँ अपनाई जाने वाली प्रक्रिया

- 39.** (1) जहाँ विनियम 32 के तहत रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान किए जाने हेतु किया गया आवेदन विनियम 35 में निर्धारित अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतरता, वहाँ बोर्ड आवेदक को सुनवाई का अवसर प्रदान करने के पश्चात् आवेदन को नामंजूर करेगा।
- (2) आवेदन को नामंजूर किए जाने संबंधी बोर्ड का निर्णय आवेदक को ऐसा निर्णय लिए जाने के तीस दिनों के भीतर लिखित रूप में सूचित किया जाएगा, जिसमें उन आधारों का उल्लेख किया जाएगा जिनके आधार पर आवेदन को नामंजूर किया गया हो।

### अध्याय-VII

**निक्षेपागारों, सहभागियों, निर्गमकर्ताओं के अधिकार और उनकी बाध्यताएँ, प्रतिभूति प्रमाणपत्र को अभ्यर्पित (सरंडर) करने तथा गिरवी या बंधक पर रखने का तरीका**

**निक्षेपागारों के अधिकार और बाध्यताएँ, आदि**

40. निक्षेपागारों, सहभागियों, निर्गमकर्ताओं, और निर्गमकर्ताओं के एजेंटों के, निक्षेपागार अधिनियम और उप-विधियों (बाय-लॉज) में निर्धारित किए गए अधिकारों और बाध्यताओं के अलावा, वे अधिकार भी होंगे और वे बाध्यताएँ भी होंगी, जो उनके द्वारा किए गए करारों से संबंधित हों।

#### निक्षेपागार द्वारा पात्र विशिष्ट प्रतिभूतियों की घोषणा

41. प्रत्येक निक्षेपागार, अपनी उप-विधियों में, उन विशिष्ट प्रतिभूतियों का उल्लेख करेगा जो निक्षेपागार में गैर-कागज़ी रूप में रखे जाने हेतु पात्र हों।

#### गैर-कागज़ी रूपी प्रक्रिया (डीमैट) हेतु पात्र प्रतिभूति

42. निक्षेपागार में गैर-कागज़ी रूप (डीमैट) में रखे जाने हेतु निम्नलिखित प्रतिभूतियाँ पात्र होंगी:—

- (क) शेयर, स्क्रिप, स्टॉक, बॉण्ड, डिबेंचर, डिबेंचर स्टॉक, भारतीय निक्षेपागार रसीदें (डिपॉज़िटरी रिसीट्स) अथवा किसी निगमित कंपनी या अन्य निगमित निकाय (बॉडी कारपोरेट) में या की ऐसी ही अन्य विपणन-योग्य प्रतिभूतियाँ;
- (ख) पारस्परिक निधियों (म्यूचुअल फंड्स) की यूनितें, सामूहिक निवेश स्कीमों और जोखिम पूँजी निधियों (वेंचर कैपिटल फंड) के तहत अधिकार, वाणिज्यिक पत्र (कमर्शियल पेपर), जमा प्रमाणपत्र (सर्टिफिकेट्स ऑफ डिपॉज़िट), जमानती ऋण (सिक्पोरिटाइज़्ड डेट), मुद्रा बाजार लिखतें (मनी मार्केट इन्स्ट्रुमेंट्स), सरकारी प्रतिभूतियाँ और असूचीगत प्रतिभूतियाँ (अनलिस्टिड सिक्यूरिटीज़) भी उसी प्रकार निक्षेपागार में गैर-कागज़ी रूप (डीमैट) में रखे जाने हेतु पात्र होंगी;
- (ग) कोई अन्य प्रतिभूति, जैसा बोर्ड द्वारा समय-समय पर राजपत्र में अधिसूचना जारी करके निर्धारित किया जाए और जिसके संबंध में ऐसी शर्तें लगाई जा सकेंगी, जो उचित समझी जाएं।

#### निक्षेपागार और निर्गमकर्ता के बीच करार

43. (1) यदि निर्गमकर्ता या निवेशक अपनी प्रतिभूतियाँ निक्षेपागार के पास गैर-कागज़ी रूप में रखने का विकल्प चुनता हो, तो वह निर्गमकर्ता निक्षेपागार के साथ एक करार करेगा, ताकि निवेशक प्रतिभूतियाँ गैर-कागज़ी रूप (डीमैट) में रख सकें:

**परंतु यह कि** जहाँ निक्षेपागार स्वयं प्रतिभूतियों का निर्गमकर्ता हो, वहाँ कोई भी करार किए जाने की जरूरत नहीं होगी:

**परंतु यह और कि** जहाँ सरकारी प्रतिभूतियों का निर्गमकर्ता राज्य या केन्द्रीय सरकार हो, वहाँ ऐसा कोई भी करार किए जाने की जरूरत नहीं होगी।

(2) जहाँ निर्गमकर्ता ने ऐसे निर्गम रजिस्ट्रार या शेयर अंतरण अभिकर्ता को नियुक्त किया हो, जिसे बोर्ड द्वारा अधिनियम की धारा 12 की उप-धारा (1) के तहत रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान किया गया हो, वहाँ निक्षेपागार उन प्रतिभूतियों के संबंध में निर्गमकर्ता और, यथास्थिति, निर्गम रजिस्ट्रार या शेयर अंतरण अभिकर्ता के साथ एक त्रिपक्षीय करार करेगा, जिन्हें निक्षेपागार द्वारा गैर-कागज़ी रूप (डीमैट) में रखे जाने हेतु पात्र घोषित किया जाना हो।

#### प्रणालियाँ एवं प्रक्रियाएँ

44. प्रत्येक निक्षेपागार के पास ऐसी प्रणालियाँ एवं प्रक्रियाएँ होंगी, जो उसे निर्गमकर्ता या उसके एजेंट, और सहभागियों के साथ समन्वय स्थापित करने में समर्थ बनाएंगी, ताकि, यथास्थिति, निर्गमकर्ता या उसके एजेंट और सहभागियों के साथ, दैनिक आधार पर, प्रतिभूतियों के स्वामित्व के रिकॉर्ड का मिलान किया जा सके।

#### संयोजकता

45. प्रत्येक निक्षेपागार अपने सभी सहभागियों, यथास्थिति, निर्गमकर्ताओं या निर्गमकर्ताओं के एजेंटों, स्टॉक एक्सचेंजों के समाशोधन गृहों तथा समाशोधन निगमों के साथ और दूसरे निक्षेपागारों के साथ सतत संपर्क के लिए इलेक्ट्रॉनिक साधन बनाए रखेगा।

#### निवेशक संरक्षण हेतु व्यवस्था

46. निक्षेपागार बोर्ड को इस बात से संतुष्ट करेगा कि उसके पास यह सुनिश्चित करने की व्यवस्था है कि निक्षेपागार में रखी प्रतिभूतियों को खरीदने और बेचने वाले व्यक्तियों के हित पर्याप्त रूप से संरक्षित रहें।

#### सहभागियों द्वारा खाता बंद करना

47. प्रत्येक निक्षेपागार किसी सहभागी को अपना खाता बंद करने, या उसे अंतरित (ट्रांसफर) करने की अनुमति देगा, यदि इसके लिए निवेदन निक्षेपागार की उप-विधियों में निर्धारित शर्तों के अनुसार किया गया हो।

#### प्रणालियों एवं नियंत्रणों की आंतरिक निगरानी (मॉनिटरिंग), समीक्षा और मूल्यांकन

48. प्रत्येक निक्षेपागार में उसकी नियंत्रण प्रणालियों, प्रक्रियाओं एवं रक्षोपायों की समीक्षा करने, निगरानी करने और उनका मूल्यांकन करने के प्रयोजनार्थ पर्याप्त व्यवस्थाएँ हों।

#### **प्रणालियों एवं नियंत्रणों की बाहरी निगरानी, समीक्षा और मूल्यांकन**

49. प्रत्येक निक्षेपागार अपने नियंत्रणों, प्रणालियों, प्रक्रियाओं एवं रक्षोपायों का वार्षिक रूप से निरीक्षण करवाएगा और रिपोर्ट की प्रति बोर्ड को भिजवाएगा।

#### **सतत कारबार योजना**

50. निक्षेपागारों के यहाँ आँकड़ों और इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड हेतु पर्याप्त सतत कारबार योजना होगी, ताकि किसी भी आपदा से बचा जा सके, उसके लिए तैयार रखा जा सके और उससे उबरा जा सके।

#### **वाइंड-डाउन प्लान**

51. प्रत्येक निक्षेपागार, बोर्ड द्वारा निर्धारित दिशानिर्देशों (गाइडलाइन्स) के अनुसार, वाइंड-डाउन प्लान तैयार करेगा और उसे बनाए रखेगा।

स्पष्टीकरण:- इस विनियम के प्रयोजनार्थ, 'वाइंड-डाउन प्लान' से उस आनुकूलिक संस्था को हिताधिकारी स्वामियों के खातों (बेनिफिशियल ओनर अकाउंट्स) और निक्षेपागार (डिपॉजिटरी) की प्रचालन-संबंधी 2 अन्य शक्तियों (आपरेशननल पावर्स) के अंतरण (ट्रांसफर) हेतु अपनाई जाने वाली प्रक्रिया या कार्य-योजना अभिप्रेत है, जो निक्षेपागार की शुद्ध-मालियत (नेटवर्थ) में गिरावट आ जाने अथवा उसके दिवालिया हो जाने अथवा निक्षेपागार संबंधी महत्वपूर्ण कार्य करने में या सेवाएँ प्रदान करने में उसके असमर्थ हो जाने जैसी स्थितियों में निक्षेपागार के कामकाज को अपने हाथ में ले लेगी।

#### **जोखिमों का बीमा**

52. प्रत्येक निक्षेपागार, निक्षेपागार के रूप में अपने क्रियाकलापों की वजह से, संभावित जोखिमों से हिताधिकारी स्वामियों के हितों का संरक्षण करने के लिए पर्याप्त कदम (जिसमें बीमा करवाना शामिल है) उठाएगा।

#### **रिकॉर्ड रखने का तरीका**

53. जहाँ रिकॉर्ड निक्षेपागार द्वारा इलेक्ट्रॉनिक रूप में रखे जाते हों, वहाँ वह यह सुनिश्चित करेगा कि स्वचालित (ऑटोमैटिक) डाटा प्रोसेसिंग सिस्टम्स हमेशा सुरक्षित रहें और साथ ही सभी जरूरी सावधानियाँ बरतेगा, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि रिकॉर्ड खो न जाएँ, नष्ट न हो जाएँ या उनसे कोई छेड़छाड़ न हो और यदि रिकॉर्ड खो जाएँ या नष्ट हो जाएँ, तो यह सुनिश्चित करेगा कि किसी अलग स्थान पर हमेशा रिकॉर्ड का पर्याप्त बैक-अप रहे।

#### **रखे जाने वाले रिकॉर्ड**

54. (1) प्रत्येक निक्षेपागार निम्नलिखित रिकॉर्ड और दस्तावेज रखेगा, अर्थात्:—

- (क) गैर-कागज़ी (डीमैट) और कागज़ी (रीमैट) प्रतिभूतियों के रिकॉर्ड;
- (ख) अंतरक [ट्रांसफर / वह जो अंतरण (ट्रांसफर) कर रहा हो], अंतरिती [ट्रांसफरी / वह जिसे अंतरण (ट्रांसफर) किया जा रहा हो] के नाम और प्रतिभूतियों के अंतरण की तारीखें;
- (ग) हिताधिकारी स्वामियों का रजिस्टर और उनकी सूची (इंडेक्स);
- (घ) प्रत्येक दिन समाप्त होने पर हिताधिकारी स्वामियों की प्रतिभूतियों की धारिता (होलिडिंग) के ब्यौरे;
- (ङ) सहभागियों, निर्गमकर्ताओं, निर्गमकर्ताओं के एजेंटों और हिताधिकारी स्वामियों की ओर से प्राप्त और को भेजे गए अनुदेशों के रिकॉर्ड;
- (च) गिरवी या बंधक के संबंध में मंजूरी, सूचना (नोटिस), प्रविष्टि तथा गिरवी या बंधक को रद्द किए जाने संबंधी रिकॉर्ड;
- (छ) सहभागियों के ब्यौरे;
- (ज) उन प्रतिभूतियों के ब्यौरे, जिनकी घोषणा निक्षेपागार में गैर-कागज़ी रूप दिए जाने (डीमैट) हेतु पात्र प्रतिभूतियों के रूप में की गई हो; और
- (झ) ऐसे अन्य रिकॉर्ड जो निक्षेपागार के रूप में कार्य करते रहने हेतु बोर्ड द्वारा निर्धारित किए जाएँ।

(2) प्रत्येक निक्षेपागार बोर्ड को उस स्थान की सूचना देगा जहाँ रिकॉर्ड और दस्तावेज रखे जाएँ।

(3) किन्हीं अन्य कानूनी प्रावधानों के अधीन, निक्षेपागार रिकॉर्ड और दस्तावेज कम से कम आठ वर्षों की अवधि तक सुरक्षित रखेगा।

### अन्य एंट्रियों के साथ सहयोग

55. प्रत्येक निक्षेपागार हिताधिकारी स्वामियों, निर्गमकर्ताओं, निर्गमकर्ताओं के एजेंटों, प्रतिभूति अभिरक्षकों, दूसरे निक्षेपागारों और समाशोधन (क्लीयरिंग) करने वाले संगठनों को ऐसा पूरा सहयोग प्रदान करेगा, जो प्रतिभूतियों में होने वाले लेनदेनों (ट्रांजेक्शन्स) के प्रभावी, त्वरित और सटीक समाशोधन (क्लीयरेंस) और निपटान (सेटलमेंट) के लिए जरूरी हो।

### समेकित खाता विवरण

56. हिताधिकारी स्वामी द्वारा डीमैट रूप में धारित समस्त आस्तियों (असेट्स) के संबंध में हिताधिकारी स्वामी के इस्तेमाल हेतु समेकित खाता विवरण तैयार करने में समर्थ बनाने के उद्देश्य से, निक्षेपागार ऐसी जानकारी साझा करने के लिए जरूरी करार (एग्रीमेंट्स) करेगा।

### कार्य के संबंध में प्रतिषेध

57. कोई भी निक्षेपागार, बोर्ड की पूर्व मंजूरी के बिना, किसी दूसरे व्यक्ति को निक्षेपागार के रूप में अपने कार्य न तो देगा न ही सौंपेगा।

### सहभागी द्वारा करार

58. प्रत्येक सहभागी हिताधिकारी स्वामी की ओर से सहभागी के रूप में कार्य करने से पहले उसके साथ उसी प्रकार करार करेगा, जैसा निक्षेपागार द्वारा अपनी उप-विधियों में निर्धारित किया गया है।

### अलग खाते

59. (1) प्रत्येक सहभागी द्वारा प्रत्येक हिताधिकारी स्वामी के नाम से अलग खाते खोले जाएंगे तथा प्रत्येक हिताधिकारी स्वामी की प्रतिभूतियों को अलग-अलग रखा जाएगा, और उन्हें दूसरे हिताधिकारी स्वामियों की प्रतिभूतियों के साथ या सहभागी की अपनी प्रतिभूतियों के साथ नहीं मिलाया जाएगा।
- (2) सहभागी हिताधिकारी स्वामी के खाते में या खाते से प्रतिभूतियों का अंतरण (ट्रांसफर) केवल हिताधिकारी स्वामी की ओर से निदेश मिलने के बाद ही दर्ज करेगा और उसके बाद हिताधिकारी स्वामी को उसकी पुष्टि उसी प्रकार करेगा, जैसा निक्षेपागार द्वारा अपनी उप-विधियों में निर्धारित किया गया हो।
- (3) हिताधिकारी स्वामी के खाते में प्रत्येक प्रविष्टि हिताधिकारी स्वामी के साथ किए गए करार के अनुसार हिताधिकारी स्वामी की ओर से प्राप्त इलेक्ट्रॉनिक अनुदेश या किसी भी दूसरे माध्यम से मिले अनुदेश से समर्थित होगी।

### खातों का विवरण

60. प्रत्येक सहभागी हिताधिकारी स्वामी को खाता विवरण ऐसे रूप में या उसी प्रकार और ऐसे समय पर प्रदान करेगा, जैसा हिताधिकारी स्वामी के साथ किए गए करार में उल्लेख हो।

### हिताधिकारी स्वामी द्वारा अंतरण या वापस निकालना

61. प्रत्येक सहभागी हिताधिकारी स्वामी को अपने खाते से वापस निकालने या अंतरण (ट्रांसफर) करने की अनुमति उसी प्रकार देगा, जैसा हिताधिकारी स्वामी के साथ किए गए करार में निर्धारित किया गया हो।

### संयोजकता

62. प्रत्येक सहभागी ऐसे प्रत्येक निक्षेपागार के साथ संपर्क के सतत इलेक्ट्रॉनिक साधनों को बनाए रखेगा, जिसका वह सहभागी हो।

### आंतरिक प्रणालियों और नियंत्रणों की निगरानी, समीक्षा और मूल्यांकन

63. प्रत्येक सहभागी के पास उसके आंतरिक लेखा संबंधी नियंत्रणों और प्रणालियों की समीक्षा करने, निगरानी करने और उनका मूल्यांकन करने के प्रयोजनार्थ पर्याप्त व्यवस्था हो।

### मिलान (रीकंसिलिएशन)

64. प्रत्येक सहभागी ऐसे प्रत्येक निक्षेपागार के साथ दैनिक आधार पर अपने रिकॉर्ड का मिलान करेगा, जिसका वह सहभागी हो।

#### विवरणियाँ

65. प्रत्येक सहभागी बोर्ड को और प्रत्येक निक्षेपागार (जिसका वह सहभागी हो) को, यथास्थिति, बोर्ड या निक्षेपागार की उप-विधियों द्वारा निर्धारित किए गए फॉर्मेट में आवधिक विवरणियाँ (रिटर्न्स) प्रस्तुत करेगा।

#### सेवाओं का रिकॉर्ड

66. (1) प्रत्येक सहभागी निम्नलिखित रिकॉर्ड और दस्तावेज रखेगा, अर्थात् :—

- (क) निक्षेपागार के साथ और हिताधिकारी स्वामी के साथ किए गए समस्त लेनदेनों (ट्रांजेक्शन्स) के रिकॉर्ड;
- (ख) जिन हिताधिकारी स्वामियों के साथ उसने करार किया हो, उनकी ओर से जिन प्रतिभूतियों को गैर-कागज़ी रूप दिया (डीमैट किया) गया और जिन प्रतिभूतियों को कागज़ी रूप दिया (रीमैट किया) गया उनके ब्यौरे;
- (ग) हिताधिकारी स्वामियों की ओर से प्राप्त अनुदेशों के रिकॉर्ड और हिताधिकारी स्वामियों को प्रदान किए गए खाता विवरणों के रिकॉर्ड; और
- (घ) गिरवी या बंधक के संबंध में मंजूरी, सूचना (नोटिस), प्रविष्टि तथा गिरवी या बंधक को रद्द किए जाने संबंधी रिकॉर्ड।

(2) प्रत्येक सहभागी निक्षेपागार (जिसका वह सहभागी हो) के निरीक्षण हेतु उप-विनियम (1) में उल्लिखित सभी रिकॉर्ड उपलब्ध कराएगा।

(3) प्रत्येक सहभागी निक्षेपागार (जिसका वह सहभागी हो) द्वारा प्राधिकृत किए जाने वाले व्यक्तियों को सामान्य कार्यालय समय के दौरान अपने परिसरों में प्रवेश करने तथा अपने रिकॉर्डों का निरीक्षण करने की अनुमति देगा।

(4) प्रत्येक सहभागी बोर्ड को उस स्थान की सूचना देगा, जहाँ रिकॉर्ड और दस्तावेज रखे जा रहे हों।

(5) किन्हीं अन्य कानूनी प्रावधानों के अध्वधीन, सहभागी रिकॉर्ड और दस्तावेज कम से कम आठ वर्षों की अवधि तक सुरक्षित रखेगा।

#### रिकॉर्ड रखने का तरीका

67. जहाँ रिकॉर्ड सहभागी द्वारा इलेक्ट्रॉनिक रूप में रखे जाते हों, वहाँ वह यह सुनिश्चित करेगा कि डाटा प्रोसेसिंग सिस्टम्स हमेशा सुरक्षित रहें और साथ ही वह सभी जरूरी सावधानियाँ बरतेगा, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि रिकॉर्ड खो न जाएँ, नष्ट न हो जाएँ या उनसे कोई छेड़छाड़ न हो और यदि रिकॉर्ड खो जाएँ या नष्ट हो जाएँ, तो यह सुनिश्चित करेगा कि किसी अलग स्थान पर हमेशा रिकॉर्ड का पर्याप्त बैक-अप रहे।

#### प्रत्येक निक्षेपागार के अनुसार रखे जाने वाले रिकॉर्ड

68. यदि सहभागी एक से अधिक निक्षेपागारों के साथ करार करता हो, तो वह विनियम 66 में उल्लिखित रिकॉर्ड प्रत्येक निक्षेपागार के संबंध में अलग-अलग रखेगा।

#### कार्य का प्रतिषेध

69. कोई भी सहभागी, निक्षेपागार की पूर्व मंजूरी के बिना, किसी दूसरे व्यक्ति को सहभागी के रूप में अपने कार्य न तो देगा न ही सौंपेगा।

#### निर्गमकर्ता द्वारा करार

70. जिस निर्गमकर्ता (इश्युअर) की प्रतिभूतियों को निक्षेपागार में गैर-कागज़ी (डीमैट) रूप में धारण किए जाने हेतु पात्र घोषित किया गया हो, ऐसा प्रत्येक निर्गमकर्ता विनियम 43 के प्रावधानों के अनुसार निक्षेपागार के साथ करार करेगा :

**परंतु यह कि** उस मामले में कोई भी करार करना जरूरी नहीं होगा, जहाँ,—

- (i) निक्षेपागार प्रतिभूतियों का निर्गमकर्ता हो; या
- (ii) राज्य या केन्द्रीय सरकार सरकारी प्रतिभूतियों की निर्गमकर्ता हो।

#### शेयर रजिस्ट्री कार्य के प्रबंधन का तरीका

**71.** प्रतिभूतियों के अंतरण (ट्रांसफर), प्रतिभूतियों के धारकों के रिकॉर्ड रखने, कागज़ी प्रतिभूतियों संबंधी कार्य देखने और निक्षेपागार के साथ संयोजकता (कनेक्टिविटी) स्थापित करने से संबंधित समस्त मामलों संबंधी कार्य का प्रबंधन आदि एक ही स्थान पर, अर्थात् या तो आंतरिक रूप से निर्गमकर्ता द्वारा या बोर्ड से रजिस्ट्रीकृत शेयर अंतरण अभिकर्ता (शेयर ट्रांसफर एजेंट) द्वारा किया जाएगा।

### निवेशकों की शिकायतों का निवारण

**72.** प्रत्येक निर्गमकर्ता या उसका एजेंट या इस विनियम के तहत किसी मध्यवर्ती के रूप में रजिस्ट्रीकृत कोई व्यक्ति हिताधिकारी स्वामियों की शिकायतों का निवारण, शिकायत प्राप्त होने की तारीख से तीस दिनों के भीतर, करेगा और निक्षेपागार को यह सूचित करेगा कि उसने कितनी शिकायतों का निवारण किया गया है और उन शिकायतों का स्वरूप क्या है और उसके समक्ष कितनी शिकायतें लंबित हैं।

### निवेशक संरक्षण निधि

**73. (1)** प्रत्येक निक्षेपागार हिताधिकारी स्वामियों के हित-संरक्षण के लिए निवेशक संरक्षण निधि गठित करेगा और उसे बनाए रखेगा:

परंतु यह कि इस निधि का इस्तेमाल निक्षेपागार द्वारा निक्षेपागार अधिनियम, 1996 की धारा 16 के तहत हिताधिकारी स्वामी के नुकसान की भरपाई करने के उद्देश्य से नहीं किया जाएगा।

(2) प्रत्येक निक्षेपागार प्रत्येक वर्ष निक्षेपागार संबंधी क्रियाकलापों से हुए अपने मुनाफों का पाँच प्रतिशत या उतना प्रतिशत निवेशक संरक्षण निधि में जमा करेगा, जितना बोर्ड द्वारा निर्धारित किया जाए।

(3) निवेशक संरक्षण निधि में अंशदान और उसका इस्तेमाल बोर्ड द्वारा निर्धारित किए गए मानदंडों के अनुसार किया जाएगा।

### प्रतिभूति प्रमाणपत्र का अभ्यर्पण (सरंडर) करने का तरीका

**74. (1)** कोई हिताधिकारी स्वामी जिसने सहभागी के साथ करार किया हुआ हो, सहभागी को उस प्रतिभूति प्रमाणपत्र के ब्यौरे सूचित करेगा जिसे गैर-कागज़ी रूप दिया (डीमैट किया) जाना हो, और ऐसा प्रमाणपत्र सहभागी को सौंप देगा (अभ्यर्पित/सरंडर कर देगा):

**परंतु यह कि** जहाँ हिताधिकारी स्वामी ने प्रतिभूति अभिरक्षक को नियुक्त किया हुआ हो, वहाँ वह सहभागी को प्रतिभूति प्रमाणपत्र अपने प्रतिभूति अभिरक्षक के माध्यम से सौंप सकेगा।

(2) सहभागी, उप-विनियम (1) के तहत जानकारी मिलने पर, प्रतिभूति प्रमाणपत्र के ऐसे ब्यौरे निक्षेपागार को भिजवाएगा और निक्षेपागार को इस बात की पुष्टि करेगा कि सहभागी तथा हिताधिकारी स्वामी के बीच करार कर लिया गया है।

(3) सहभागी रिकॉर्ड रखेगा, जिसमें सौंपी गई (अभ्यर्पित / सरंडर की गई) प्रतिभूतियों के हिताधिकारी स्वामियों के नामों का, प्रतिभूतियों की संख्या का और प्राप्त प्रतिभूति प्रमाणपत्र के अन्य ब्यौरों का उल्लेख हो।

(4) सहभागी, उप-विनियम (1) में उल्लिखित प्रतिभूति प्रमाणपत्र प्राप्त होने से सात दिनों के भीतर, निर्गमकर्ता के पास उप-विनियम (2) में उल्लिखित ब्यौरे प्रतिभूति प्रमाणपत्र के साथ प्रस्तुत करेगा।

(5) सहभागी से प्रतिभूति प्रमाणपत्र प्राप्त होने से 15 दिनों के भीतर, निर्गमकर्ता निक्षेपागार को इस बात की पुष्टि करेगा कि उक्त प्रमाणपत्रों में जिन प्रतिभूतियों का जिक्र हो उन्हें उस स्टॉक एक्सचेंज या उन स्टॉक एक्सचेंजों में सूचीबद्ध करा दिया गया है, जहाँ पहले जारी की गई प्रतिभूतियाँ सूचीबद्ध हैं और वह उसके बाद पूरा सत्यापन करने के बाद प्रतिभूति प्रमाणपत्र को नष्ट और रद्द भी कर देगा तथा अपने रिकॉर्ड में रजिस्ट्रीकृत स्वामी के रूप में निक्षेपागार का नाम डाल देगा और इस आशय का एक प्रमाणपत्र निक्षेपागार को तथा ऐसे प्रत्येक स्टॉक एक्सचेंज को भिजवा देगा जहाँ प्रतिभूति सूचीबद्ध हो:

**परंतु यह कि** असूचीगत (अनलिस्टिड) कंपनियों के मामले में उन सभी स्टॉक एक्सचेंजों में सूचीबद्ध कराए जाने संबंधी शर्त लागू नहीं होगी जहाँ पहले जारी किए गए शेयर सूचीबद्ध हों।

(6) उप-विनियम (5) के तहत निर्गमकर्ता से जानकारी मिलने के ठीक बाद, निक्षेपागार अपने रिकॉर्ड में उस व्यक्ति का नाम दर्ज कर लेगा, जिसने हिताधिकारी स्वामी के रूप में प्रतिभूति प्रमाणपत्र सौंपा (अभ्यर्पित / सरंडर किया) हो, साथ ही वह उस सहभागी का भी नाम दर्ज कर लेगा जिससे उसे उप-विनियम (2) के तहत सूचना मिली हो, और वह इसकी एक सूचना सहभागी को भेज देगा।

(7) निर्गमकर्ता उन प्रतिभूति प्रमाणपत्रों का रिकॉर्ड रखेगा, जिन्हें गैर-कागज़ी रूप दिया (डीमैट किया) गया हो।

### मिलान (रीकंसिलिएशन)

75. निर्गमकर्ता या उसका एजेंट डीमैट की गई प्रतिभूतियों के रिकॉर्ड का मिलान निर्गमकर्ता द्वारा जारी की गई प्रतिभूतियों के साथ, दैनिक आधार पर, करेगा:

**परंतु यह कि** जहाँ राज्य या केन्द्रीय सरकार सरकारी प्रतिभूतियों की निर्गमकर्ता हो, वहाँ निक्षेपागार डीमैट की गई प्रतिभूतियों के रिकॉर्ड का मिलान, दैनिक आधार पर, करेगा।

### लेखापरीक्षा

76. (1) प्रत्येक निर्गमकर्ता तिमाही आधार पर, 30 सितम्बर, 2003 से शुरू होने वाली तिमाही से, संबंधित स्टॉक एक्सचेंजों को लेखापरीक्षा (ऑडिट) रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा, जो कुल निर्गमित पूँजी, सूचीबद्ध पूँजी और निक्षेपागारों द्वारा गैर-कागज़ी (डीमैट) रूप में धारित पूँजी के मिलान के प्रयोजनार्थ अर्हित चार्टर्ड अकाउंटेंट या पेशेवर कंपनी सचिव द्वारा लेखापरीक्षित होगी, तिमाही के दौरान शेयर पूँजी में हुए परिवर्तनों और ऐसी अतिरिक्त निर्गमित पूँजी के संबंध में निर्गमकर्ता द्वारा उन सभी स्टॉक एक्सचेंजों से ली गई सैद्धांतिक मंजूरी के ब्यौरे प्रस्तुत किए जाएँगे, जहाँ वह सूचीबद्ध हो।

(2) उप-विनियम (1) के तहत लेखापरीक्षा रिपोर्ट में निर्गमकर्ता के सदस्यों के रजिस्टर की अद्यतन स्थिति भी दी जाएगी और यह पुष्टि की जाएगी कि निवेदनों के प्राप्त होने की तारीख से 21 दिनों के भीतर निवेदनों के अनुसार प्रतिभूतियों (सिक्यूरिटीज़) को गैर-कागज़ी रूप दे (डीमैट कर) दिया गया है, और जहाँ उक्त निर्धारित अवधि के भीतर गैर-कागज़ी रूप न दिया (डीमैट न किया) गया हो, वहाँ रिपोर्ट में इस प्रकार हुई देरी के कारण प्रकट किए जाएँगे।

(3) निर्गमकर्ता उसकी निर्गमित, सूचीबद्ध, और निक्षेपागारों द्वारा गैर-कागज़ी (डीमैट) रूप में धारित पूँजी में कोई अंतर होने पर तुरंत निक्षेपागारों और स्टॉक एक्सचेंजों के ध्यान में यह बात लाएगा।

### संयोजकता

77. प्रत्येक निर्गमकर्ता या उसका एजेंट उस निक्षेपागार के साथ संपर्क के इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से सतत संपर्क स्थापित करेगा, जिसके साथ निर्गमकर्ता ने करार किया हुआ हो।

### जानकारी

78. प्रत्येक निर्गमकर्ता, जिसकी प्रतिभूतियों को निक्षेपागार में गैर-कागज़ी रूप देने (डीमैट करने) के लिए पात्र घोषित किया गया हो, निक्षेपागार को बही-बंदियों, रिकॉर्ड तिथियों, ब्याज या लाभांश अदा किए जाने की तारीखों, वार्षिक साधारण बैठकों तथा अन्य बैठकों की तारीखों, डिविडेंडों के मोचन की तारीखों, डिविडेंडों तथा वारंटों के संपरिवर्तन (कन्वर्जन) की तारीखों, माँग-मुद्रा संबंधी तारीखों की जानकारी और ऐसी अन्य जानकारी उस समय तथा उसी प्रकार देगा, जैसा निक्षेपागार द्वारा उसकी उप-विधियों या करार में निर्धारित किया जाए:

**परंतु यह कि** जहाँ राज्य या केन्द्रीय सरकार सरकारी प्रतिभूतियों की निर्गमकर्ता हो, वहाँ निक्षेपागार को ऐसी कोई भी जानकारी देनी अपेक्षित नहीं होगी।

### गिरवी या बंधक रखने का तरीका

79. (1) यदि हिताधिकारी स्वामी अपनी प्रतिभूति को गिरवी रखना चाहता हो, तो वह उस सहभागी के माध्यम से निक्षेपागार के पास आवेदन करेगा जिसके पास ऐसी प्रतिभूतियों के संबंध में उसका खाता हो।

(2) सहभागी यह समाधान हो जाने के पश्चात् कि गिरवी रखे जाने के लिए प्रतिभूतियाँ उपलब्ध हैं, अपने गिरवी की सूचना (नोटिस) संबंधी रिकॉर्ड में यह नोट करेगा और निक्षेपागार के पास आवेदन भिजवा देगा।

(3) आवेदन प्राप्त होने के पंद्रह दिनों के भीतर, निक्षेपागार अपने सहभागी के माध्यम से गिरवीदार (प्लेजी) की सहमति के बाद, गिरवी रखेगा तथा उसे रिकॉर्ड करेगा और उसकी सूचना गिरवीकर्ता (प्लेजर) तथा गिरवीदार (प्लेजी) के सहभागियों को भेजेगा।

(4) उप-विनियम (3) के तहत सूचना प्राप्त होने पर, गिरवीकर्ता (प्लेजर) तथा गिरवीदार (प्लेजी) दोनों के सहभागी क्रमशः गिरवीकर्ता (प्लेजर) तथा गिरवीदार (प्लेजी) को यह सूचना देंगे कि गिरवी के संबंध में प्रविष्टि कर ली गई है।

(5) यदि निक्षेपागार गिरवी नहीं रखता है, तो वह गिरवीकर्ता (प्लेजर) तथा गिरवीदार (प्लेजी) के सहभागियों को सूचना कारणों के साथ भेजेगा।

(6) उप-विनियम (3) के तहत गिरवी रखे जाने संबंधी प्रविष्टि निक्षेपागार द्वारा रद्द की जा सकेगी, यदि गिरवीकर्ता (प्लेजर) या गिरवीदार (प्लेजी) अपने सहभागी के माध्यम से निक्षेपागार को आवेदन करे:

**परंतु यह कि** गिरवी रखे जाने संबंधी कोई भी प्रविष्टि गिरवीदार (प्लेजी) की पूर्व सहमति के बिना निक्षेपागार द्वारा रद्द नहीं की जाएगी।

(7) निक्षेपागार गिरवी रखे जाने की प्रविष्टि को रद्द करके इसकी सूचना गिरवीकर्ता (प्लेजर) के सहभागी को देगा।

(8) गिरवी संबंधी दस्तावेज के प्रावधानों के अध्यक्षीन, गिरवीदार (प्लेजी) गिरवी को लागू करवा सकेगा और इस प्रकार गिरवी को लागू करवाए जाने पर, निक्षेपागार ऐसी प्रतिभूतियों के हिताधिकारी स्वामी के रूप में गिरवीदार (प्लेजी) को दर्ज कर लेगा और तदनुसार अपने रिकॉर्ड में बदलाव कर लेगा।

(9) उप-विनियम (8) के तहत अपने रिकॉर्ड में बदलाव करने के बाद, निक्षेपागार गिरवीकर्ता (प्लेजर) तथा गिरवीदार (प्लेजी) के सहभागियों को बदलाव की सूचना तुरंत देगा, जो फिर अपने रिकॉर्ड में आवश्यक बदलाव करेंगे और क्रमशः गिरवीकर्ता (प्लेजर) तथा गिरवीदार (प्लेजी) को सूचित करेंगे।

(10) यदि हिताधिकारी स्वामी अपने स्वामित्व वाली प्रतिभूति को बंधक रखना चाहता हो, तो वह उप-विनियम (1) से (9) के प्रावधानों के अनुसार ऐसा कर सकेगा।

(11) उप-विनियम (1) से (9) के प्रावधान, *यथावश्यक परिवर्तन सहित*, बंधक रखे जाने के ऐसे मामलों में लागू होंगे:

**परंतु यह कि** निक्षेपागार बंधक रखने वाले (हाइपोथिकेटी) को हिताधिकारी स्वामी के रूप में दर्ज करने से पूर्व, बंधक रखवाने वाले (हाइपोथिकेटर) की पूर्व सहमति प्राप्त करेगा।

(12) जिस प्रतिभूति के संबंध में गिरवी रखे जाने या बंधक रखे जाने की सूचना (नोटिस) या प्रविष्टि लागू हो, उस प्रतिभूति का अंतरण, यथास्थिति, गिरवी रखने वाले (प्लेजी) या बंधक रखने वाले (हाइपोथिकेटी) की सहमति के बिना नहीं किया जाएगा।

### निवेश संबंधी सलाह

80. (1) निक्षेपागार या सहभागी अथवा उनका कोई कर्मचारी किसी प्रतिभूति के बारे में सावर्जनिक रूप से पहुँचयोग्य मीडिया (फिर चाहे वह वास्तविक समय वाला हो या न हो) में, प्रत्यक्ष रूप से या अप्रत्यक्ष रूप से, कोई निवेश संबंधी सलाह तब तक नहीं देगा, जब तक कि ऐसी सलाह देते समय उसके हित [जिसके अंतर्गत उक्त प्रतिभूति में बिक्री से अधिक खरीद (लांग पोजीशन) या खरीद से अधिक बिक्री (शॉर्ट पोजीशन) शामिल है] का प्रकटीकरण (डिस्क्लोज़र्स) न कर दिया जाए।

(2) यदि निक्षेपागार या सहभागी का कोई कर्मचारी ऐसी सलाह दे रहा हो, तो वह भी ऐसी सलाह देते समय अपने आश्रित पारिवारिक सदस्यों और नियोक्ता (एम्प्लॉयर) के हित [जिसके अंतर्गत उनकी उक्त प्रतिभूति में बिक्री से अधिक खरीद (लांग पोजीशन) या खरीद से अधिक बिक्री (शॉर्ट पोजीशन) शामिल है] का प्रकटीकरण करेगा।

### अनुपालन अधिकारी की नियुक्ति

81. निक्षेपागार और सहभागी अनुपालन अधिकारी की नियुक्ति करेगा, जिस पर अधिनियम, नियमों तथा विनियमों, उनके तहत जारी की गई अधिसूचनाओं, जारी किए गए दिशानिर्देशों (गाइडलाइन्स), जारी किए गए अनुदेशों आदि के पालन पर नज़र रखने की और निवेशकों की शिकायतों का निवारण करने की जिम्मेदारी होगी।

(2) यदि अनुपालन अधिकारी की नज़र में पालन न किए जाने संबंधी कोई मामला आए, तो वह बोर्ड को तुरंत और स्वतंत्र रूप से उसकी रिपोर्ट करेगा।

### समान, निष्पक्ष और पारदर्शी पहुँच

82. निक्षेपागार, अपने सहयोगियों (असोसिएट) तथा संबंधित एंटीटियों के प्रति कोई पक्षपात किए बिना, सभी व्यक्तियों के लिए समान, निर्बाध, पारदर्शी और निष्पक्ष पहुँच सुनिश्चित करेगा।

## अध्याय-VIII

### प्रतिभूतियों की सूचीबद्धता

#### सूचीबद्धता

83. (1) लागू कानूनों के प्रावधानों के अध्यक्षीन, निक्षेपागार मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में अपनी प्रतिभूतियों (सिक्यूरिटीज़) की सूचीबद्धता (लिस्टिंग) के लिए आवेदन कर सकेगा, यदि-

- (क) वह इन विनियमों के प्रावधानों [खासतौर पर स्वामित्व और संचालन (गवर्नेंस) से संबंधित] का पालन करता हो;
- (ख) उसने सूचीबद्धता के आवेदन की तारीख से ठीक पहले के लगातार तीन वर्षों के दौरान निक्षेपागार (डिपॉज़िटरी) संबंधी कार्य किया हो; और
- (ग) उसने बोर्ड की मंजूरी प्राप्त कर ली हो।
- (2) बोर्ड ऐसी शर्तें (जिनमें किसी व्यक्ति द्वारा धारित शेयरों के अंतरण से संबंधित शर्तें भी शामिल हैं) निर्धारित कर सकेगा जो वह प्रतिभूति बाजार (सिक्यूरिटीज़ मार्केट) के हित में ठीक समझे।
- (3) निक्षेपागार या उसके सहयोगी (सहयुक्त / असोसिएट) अपनी प्रतिभूतियों को उस मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध नहीं कराएंगे जो निक्षेपागार का सहयोगी हो।

## अध्याय-IX

### निरीक्षण

#### बोर्ड का निरीक्षण करने का अधिकार

- 84.** बोर्ड निम्नलिखित प्रयोजनों में से किसी भी प्रयोजन के लिए, लेखा बहियों, रिकॉर्ड, दस्तावेजों और बुनियादी सुविधाओं (इन्फ्रास्ट्रक्चर), प्रणालियों एवं प्रक्रियाओं का निरीक्षण करने अथवा निक्षेपागार (डिपॉज़िटरी), सहभागी (पार्टिसिपेंट्स), हिताधिकारी स्वामी (बेनिफिशियल ओनर), निर्गमकर्ता (इश्युअर) या उसके एजेंट के कामकाज का अन्वेषण करने के लिए एक या एक से अधिक व्यक्तियों को निरीक्षण अधिकारी के रूप में नियुक्त कर सकेगा, अर्थात् :-
- (क) यह सुनिश्चित करने के लिए कि निक्षेपागार, सहभागी, निर्गमकर्ता या उसके एजेंट द्वारा लेखा बहियाँ उसी प्रकार रखी जा रही हैं जैसा इन विनियमों के तहत निर्धारित किया गया है;
- (ख) निक्षेपागारों, सहभागियों, निर्गमकर्ताओं, निर्गमकर्ता के एजेंटों, हिताधिकारी स्वामियों या किसी अन्य व्यक्ति से प्राप्त शिकायतों की पड़ताल करने के लिए;
- (ग) यह सुनिश्चित करने के लिए कि क्या निक्षेपागार, सहभागी, हिताधिकारी स्वामी, निर्गमकर्ता या उसके एजेंट द्वारा अधिनियम, निक्षेपागार अधिनियम, उप-विधियों, करारों और इन विनियमों के प्रावधानों का पालन किया जा रहा है;
- (घ) यह सुनिश्चित करने के लिए कि क्या निक्षेपागार, सहभागी, हिताधिकारी स्वामी, निर्गमकर्ता या उसके एजेंट द्वारा अपनाई जा रही प्रणालियाँ, प्रक्रियाएँ और रक्षोपाय पर्याप्त हैं;
- (ङ) स्वप्रेरणा से यह सुनिश्चित करने के लिए कि निक्षेपागार, सहभागी, हिताधिकारी स्वामी, निर्गमकर्ता या उसके एजेंट का कामकाज उसी प्रकार से हो रहा है, जो निवेशकों या प्रतिभूति बाजार के हित में है।

#### निरीक्षण और अन्वेषण से पूर्व सूचना.

- 85.** (1) विनियम 84 के तहत निरीक्षण या अन्वेषण का आदेश देने से पहले, बोर्ड, यथास्थिति, निक्षेपागार, सहभागी, हिताधिकारी स्वामी, निर्गमकर्ता या उसके एजेंट को कम से कम 10 दिन पहले सूचना (नोटिस) देगा।
- (2) उप-विनियम (1) में दी हुई किसी बात के होते हुए भी, जहाँ बोर्ड इस बात से संतुष्ट हो जाए कि निवेशकों के हित में ऐसी कोई सूचना (नोटिस) नहीं दी जानी चाहिए, वहाँ वह, लिखित में आदेश द्वारा यह निदेश दे सकेगा कि ऐसा निरीक्षण बिना कोई सूचना (नोटिस) दिए ही किया जाए।
- (3) निरीक्षण या अन्वेषण के दौरान, निक्षेपागार, सहभागी, हिताधिकारी स्वामी, निर्गमकर्ता या उसका एजेंट, जिसके खिलाफ निरीक्षण या अन्वेषण किया जा रहा है, अपनी उन बाध्यताओं का निर्वहन करने के लिए आबद्ध होगा जिनका उल्लेख विनियम 86 में किया गया है।

#### बोर्ड द्वारा किए जाने वाले निरीक्षण के संबंध में बाध्यताएँ

- 86.** (1) निक्षेपागार, सहभागी, हिताधिकारी स्वामी, निर्गमकर्ता या उसके एजेंट (जिसके कामकाज का निरीक्षण या अन्वेषण किया जा रहा है) और उसके प्रत्येक निदेशक, अधिकारी और कर्मचारी का यह कर्तव्य होगा कि वे ऐसी बहियाँ, प्रतिभूतियाँ (सिक्यूरिटीज़), लेखे (अकाउंट्स), रिकार्ड और अन्य दस्तावेज [जो उसकी (कस्टडी) या नियंत्रण में हों] तथा निक्षेपागार, सहभागी, हिताधिकारी स्वामी, निर्गमकर्ता या उसके एजेंट के रूप में अपने क्रियाकलापों से संबंधित ऐसे विवरण और जानकारी निरीक्षण अधिकारी द्वारा मांगे जाने पर निरीक्षण अधिकारी के समक्ष, ऐसे उपयुक्त समय के भीतर पेश करेंगे, जैसा निरीक्षण अधिकारी निर्धारित करे।

(2) निक्षेपागार, सहभागी, हिताधिकारी स्वामी, निर्गमकर्ता या उसका एजेंट निरीक्षण अधिकारी को उन परिसरों तक उचित पहुँच रखने की अनुमति भी देगा, जिस पर उसका या उसकी ओर से किसी अन्य व्यक्ति का कब्जा हो, और किन्हीं बहियों, रिकॉर्ड, दस्तावेजों और कंप्यूटर डाटा, जो निक्षेपागार, सहभागी, हिताधिकारी स्वामी, निर्गमकर्ता या उसका एजेंट या ऐसे अन्य व्यक्ति के कब्जे में हों, की जाँच-पड़ताल करने के लिए उचित सुविधा भी देगा तथा उन दस्तावेजों या अन्य सामग्री की प्रतियाँ भी प्रदान करेगा जो निरीक्षण अधिकारी की राय में निरीक्षण के प्रयोजनार्थ जरूरी हों।

(3) निरीक्षण या अन्वेषण के दौरान, निरीक्षण अधिकारी को यह अधिकार होगा कि वह निक्षेपागार, सहभागी, हिताधिकारी स्वामी, निर्गमकर्ता या उसके एजेंट के किसी निदेशक, अधिकारी या कर्मचारी के कथनों (बयानों) की जाँच-पड़ताल करे या उसे रिकॉर्ड में ले ले।

(4) निक्षेपागार, सहभागी, हिताधिकारी स्वामी, निर्गमकर्ता या उसके एजेंट के प्रत्येक निदेशक, अधिकारी या कर्मचारी का यह कर्तव्य होगा कि वह निरीक्षण अधिकारी को निरीक्षण के संबंध में हर प्रकार का सहयोग (जिसकी निरीक्षण अधिकारी को जरूरत लगे) प्रदान करे।

### बोर्ड को रिपोर्ट प्रस्तुत किया जाना

87. निरीक्षण अधिकारी, यथास्थिति, निरीक्षण या अन्वेषण (इन्वेस्टिगेशन) पूरा हो जाने के बाद, जितना जल्द हो सके, बोर्ड को रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा:

**परंतु यह कि** वह अंतरिम (इंटरिम) रिपोर्टें प्रस्तुत कर सकेगा, यदि बोर्ड द्वारा ऐसा करने का निदेश दिया जाए।

### निरीक्षण या अन्वेषण रिपोर्ट के संबंध में कार्रवाई

88. बोर्ड या अध्यक्ष, निरीक्षण या अन्वेषण रिपोर्ट पर विचार करने के बाद ऐसी कार्रवाई कर सकेगा जो वह उपयुक्त तथा उचित समझे, जिसमें भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (मध्यवर्ती) विनियम, 2008 [सेबी (इंटरमीडियरीज़) रेग्यूलेशन, 2008] के अध्याय-V के तहत कार्रवाई शामिल है।

### लेखापरीक्षक (ऑडिटर) की नियुक्ति

89. बोर्ड के पास निक्षेपागार, सहभागी, हिताधिकारी स्वामी (बेनिफिशियल ओनर), निर्गमकर्ता (इश्युअर) या उसके एजेंट की लेखा-बहियों, रिकॉर्ड, दस्तावेज, बुनियादी सुविधाओं (इन्फ्रास्ट्रक्चर), प्रणालियों एवं प्रक्रियाओं का निरीक्षण या अन्वेषण करने के लिए लेखापरीक्षक (ऑडिटर) को नियुक्त करने की शक्ति होगी:

**परंतु यह कि** इस प्रकार नियुक्त किए गए लेखापरीक्षक के पास वही शक्तियाँ होंगी जो निरीक्षण या अन्वेषण अधिकारी के पास हैं, जिनका उल्लेख विनियम 84 एवं 85 में किया गया है, और यथास्थिति, निक्षेपागार, सहभागी, हिताधिकारी स्वामी (बेनिफिशियल ओनर), निर्गमकर्ता (इश्युअर) या उसके एजेंट तथा उनके संबंधित निदेशकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों की बाध्यता, जिसका उल्लेख विनियम 86 में किया गया है, इस विनियम के तहत निरीक्षण या अन्वेषण पर लागू होगी।

### बोर्ड द्वारा खर्चों की वसूली

90. बोर्ड, यथास्थिति, निक्षेपागार, सहभागी, हिताधिकारी स्वामी (बेनिफिशियल ओनर), निर्गमकर्ता (इश्युअर) या उसके एजेंट से ऐसे खर्च (जिनमें लेखापरीक्षकों को अदा की गई फीस शामिल है) वसूल करने का हकदार होगा जो उसके द्वारा, यथास्थिति, निक्षेपागार, सहभागी, हिताधिकारी स्वामी (बेनिफिशियल ओनर), निर्गमकर्ता (इश्युअर) या उसके एजेंट की लेखा-बहियों, रिकॉर्ड, दस्तावेजों, बुनियादी सुविधाओं, प्रणालियों एवं प्रक्रियाओं का निरीक्षण या अन्वेषण करने के प्रयोजनार्थ किए गए हों।

### अध्याय का लागू होना

91. इस अध्याय में दी हुई कोई भी बात राज्य या केन्द्रीय सरकार पर लागू नहीं होगी, जहाँ वह सरकारी प्रतिभूतियों (सिक्यूरिटीज़) की निर्गमकर्ता (इश्युअर) हो।

### अध्याय-X

#### चूक के मामले में कार्रवाई के लिए प्रक्रिया

#### चूक (डिफॉल्ट) के मामले में कार्रवाई के लिए दायित्व

92. अधिनियम और निक्षेपागार अधिनियम के प्रावधानों के तहत, कार्रवाई करने की बोर्ड की शक्ति पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, यदि कोई निक्षेपागार या सहभागी:-

- (क) अधिनियम, निक्षेपागार अधिनियम, उप-विधियों (बाय-लॉज़), करारों (एग्रीमेंट) और इन विनियमों के किसी भी प्रावधान का उल्लंघन करता है;
- (ख) निक्षेपागार या सहभागी के रूप में उसके क्रियाकलाप से संबंधित कोई जानकारी, जैसा इन विनियमों के तहत अपेक्षित है, प्रस्तुत करने में असफल रहता है;
- (ग) निक्षेपागार अधिनियम की धारा 18 की उप-धारा (1) के खंड (क) के तहत बोर्ड द्वारा मांगी गई जानकारी प्रस्तुत नहीं करता है या ऐसी जानकारी प्रस्तुत करता है, जो किसी मामले विशेष में मिथ्या या भ्रामक हो;
- (घ) बोर्ड द्वारा किए जाने वाले किसी निरीक्षण या अन्वेषण या जाँच में सहयोग नहीं करता है;
- (ङ) निक्षेपागार अधिनियम की धारा 18 के तहत जारी किए गए बोर्ड के किसी निदेश का पालन करने में असफल रहता है;
- (च) विनियम 8 में उल्लिखित वार्षिक फीस अदा करने में असफल रहता है,

तो उस पर कार्यवाही उसी प्रकार की जाएगी, जैसा भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (मध्यवर्ती) विनियम, 2008 [सेबी (इंटरमीडियरीज़) रेग्यूलेशन्स, 2008] के तहत उल्लेख किया गया है।

### **निर्गमकर्ता या उसके एजेंट द्वारा चूक के मामले में कार्रवाई के लिए दायित्व**

#### **93. (1) यदि निर्गमकर्ता या इसका एजेंट -**

- (क) निक्षेपागार अधिनियम, उप-विधियों, करारों, इन विनियमों के किन्हीं प्रावधानों और उनके अधीन जारी निदेशों का उल्लंघन करता है;
- (ख) निर्गमकर्ता के रूप में उसके क्रियाकलाप से संबंधित कोई जानकारी, जैसा इन विनियमों के तहत अपेक्षित है, प्रस्तुत करने में असफल रहता है ;
- (ग) निक्षेपागार अधिनियम की धारा 18 की उप-धारा (1) के खंड (क) के तहत बोर्ड द्वारा मांगी गई जानकारी प्रस्तुत नहीं करता है या ऐसी जानकारी प्रस्तुत करता है, जिसमें कोई महत्वपूर्ण तथ्य मिथ्या या भ्रामक हो ;
- (घ) बोर्ड द्वारा किए जाने वाले किसी निरीक्षण या अन्वेषण या जाँच में सहयोग नहीं करता है;
- (ङ) निक्षेपागार अधिनियम की धारा 18 के तहत जारी किए गए बोर्ड के किसी निदेश का पालन करने में असफल रहता है,

तो बोर्ड, ऐसी किसी अन्य कार्रवाई पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना जो वह अधिनियम के तहत कर सकता है, निक्षेपागार अधिनियम के तहत ऐसे निर्गमकर्ता या उसके एजेंट के खिलाफ कोई कार्रवाई कर सकेगा।

(2) निक्षेपागार, यथास्थिति, निर्गमकर्ताओं या एजेंटों, के रिकॉर्ड का निरीक्षण यह सुनिश्चित करने के लिए करेगा कि जिन प्रतिभूतियों को गैर-कागज़ी रूप दिया (डीमैट किया) गया हो उनके रिकॉर्ड का मिलान निर्गमकर्ता द्वारा जारी की गई (निर्गमित) समस्त प्रतिभूतियों से कर लिया जाए, और यदि इस प्रकार रिकॉर्ड के मिलान में निर्गमकर्ता या एजेंट असफल रहे हों, तो निक्षेपागार बोर्ड को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा।

## **अध्याय-XI**

### **विविध**

#### **जानकारी मंगाने की शक्ति**

**94.** बोर्ड समय-समय पर निक्षेपागार या उसके शासी मंडल या उसके किसी शेयरधारक या आवेदक से और निक्षेपागार सहभागी से कोई जानकारी, दस्तावेज या रिकॉर्ड मंगा सकेगा।

#### **बोर्ड के निदेश**

**95.** अधिनियम, निक्षेपागार अधिनियम, 1996 और उनके अधीन बनाए गए नियमों तथा विनियमों के प्रावधानों के तहत अपनी शक्तियों के प्रयोग पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, बोर्ड, या तो स्वप्रेरणा से, या किसी सूचना के मिलने पर अथवा किसी निरीक्षण, जाँच या अन्वेषण (इन्वेस्टिगेशन) के दौरान या उसके पूरा होने पर, जनता या व्यापार (ट्रेड) या निवेशकों या प्रतिभूति बाजार (सिक्यूरिटीज़ मार्केट) के हित में, ऐसे निदेश जारी कर सकेगा, जो भी वह ठीक समझे, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं किन्तु जो निम्नलिखित निदेशों में से किसी निदेश या सभी निदेशों तक ही सीमित नहीं हैं:-

(क) इन विनियमों का उल्लंघन करके निक्षेपागार में इक्विटी शेयरों या इक्विटी शेयरों पर अधिकार धारण करने वाले व्यक्ति को उसकी धारिता (होलिंग) उस प्रकार से बेचे जाने (डाइवैस्ट करने) का निदेश, जैसा निदेश में निर्धारित किया गया हो;

(ख) निक्षेपागार की निवेशक संरक्षण निधि में कोई पैसा (आगम / प्रोसीड्स) या प्रतिभूतियाँ (सिक्यूरिटीज़) अंतरित करने का निदेश;

(ग) किसी निक्षेपागार, ऐसे निक्षेपागार के किसी शेयरधारक, या ऐसे शेयरधारक के किसी सहयोगी तथा एजेंट, या ऐसे शेयरधारक से शेयरों के किसी अंतरिती [ट्रांसफरी / वह जिसे अंतरण (ट्रांसफर) किया जा रहा हो], या निक्षेपागार के आवेदक (आवेदकों), निदेशक (निदेशकों) और प्रबंध-मंडल के मुख्य व्यक्ति (व्यक्तियों) को प्रतिभूति बाजार में पहुँच रखने और / या प्रतिभूतियों में लेनदेन (डीलिंग) करने से ऐसी अवधि के लिए विवर्जित करना जो बोर्ड द्वारा निर्धारित की जाए।

### कठिनाइयों को दूर करने की शक्ति

96. इन विनियमों के प्रावधानों की व्याख्या या इनके लागू होने के संबंध में किन्हीं कठिनाइयों को दूर करने के लिए, बोर्ड के पास मार्गदर्शन टिप्पणों (गाइडेंस नोट) या परिपत्रों (सर्कुलर्स) के जरिए निदेश जारी करने की शक्ति होगी।

### प्रक्रियाएँ, आदि निर्धारित करने और स्पष्टीकरण जारी करने की शक्ति

97. इन विनियमों को लागू किए जाने और इनसे संबंधित आनुषंगिक मामलों के प्रयोजनार्थ, बोर्ड परिपत्रों (सर्कुलर्स) के माध्यम से मानदंड, प्रक्रियाएँ आदि, तरीके या दिशानिर्देश (गाइडलाइन्स) निर्धारित कर सकेगा, जैसा इन विनियमों में निर्धारित किया गया है।

### निरसन और व्यावृत्तियाँ

98.(1) इन विनियमों के प्रारंभ से ही, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (निक्षेपागार और सहभागी) विनियम, 1996 निरसित हो जाएंगे।

(2) ऐसा निरसन हो जाने पर भी, इन विनियमों के प्रारंभ से पूर्व निरसित विनियमों के तहत की गई किसी बात अथवा की गई किसी कार्रवाई या किए जाने के लिए तात्पर्यित या आशयित किसी कार्रवाई के बारे में यह समझा जाएगा कि वह इन विनियमों के तत्स्थानी प्रावधानों के तहत की गई है या शुरू की गई है या आशयित है।

(3) उप-विनियम (1) में उल्लिखित विनियमों के निरसन के पश्चात्, बोर्ड द्वारा जारी किए गए किसी विनियम, दिशानिर्देश (मार्गदर्शक सिद्धांत / गाइडलाइन), परिपत्र (सर्कुलर) या निदेश में उनके किसी संदर्भ के बारे में यह समझा जाएगा कि वह इन विनियमों के संबंधित प्रावधानों के प्रति एक संदर्भ है।

### पहली अनुसूची

फॉर्म

फॉर्म-क

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (निक्षेपागार और सहभागी) विनियम, 2018

[विनियम 3 देखें]

निक्षेपागार के रूप में रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान करने के लिए आवेदन

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड, सी4-ए, "जी" ब्लॉक, बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स, बांद्रा (पूर्व),

मुंबई-400051 - भारत

अनुदेश

- i. इस फॉर्म का इस्तेमाल निक्षेपागार के आवेदक के रूप में आवेदन करने वाले प्रत्येक व्यक्ति द्वारा किया जाए।
- ii. आवेदक इस फॉर्म को पूरा करके, और सभी समर्थक दस्तावेजों के साथ बोर्ड के समक्ष मुंबई में स्थित उसके प्रधान कार्यालय में प्रस्तुत करे।
- iii. आवेदन फॉर्म विनियमों के अनुसार भरा जाए।

- iv. निक्षेपागार के रूप में रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान करने के लिए आवेदन पर तभी विचार किया जाएगा, जब यह हर तरह से पूरा हो।
- v. सभी जवाब टंकित हों।
- vi. जिस जानकारी को विस्तारपूर्वक दिए जाने की आवश्यकता हो, वह जानकारी अलग पत्रों पर दी जा सकेगी और जो आवेदन फॉर्म के साथ लगाई जाए।
- vii. आवेदन पर हस्ताक्षर अवश्य किए जाएँ और सभी हस्ताक्षर मूल रूप में हों।
- viii. आवेदन के साथ इन विनियमों की दूसरी अनुसूची में निर्धारित की गई आवेदन फीस और प्रारूप उप-विधियाँ (ड्राफ्ट बाँय लाज़) अवश्य लगाई जाएँ।
- ix. फॉर्म के प्रत्येक पृष्ठ और प्रत्येक अतिरिक्त पन्ने पर आवेदक के प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता के आद्यक्षर (इनिशियल्स) अवश्य हों।
- x. दस्तावेजों की सभी प्रतियों को प्राधिकृत नोटरी द्वारा सही प्रति के रूप में अनुप्रमाणित किया जाए।

### मद 1-6 आवेदक से संबंधित हैं

1. आवेदक का नाम, रजिस्ट्रीकृत (पंजीकृत) कार्यालय का पता, पत्र-व्यवहार का पता, दूरभाष संख्या (संख्याएँ), फैक्स संख्या (संख्याएँ), टेलेक्स संख्या (संख्याएँ) और संपर्क व्यक्ति का नाम।
2. कृपया उस निक्षेपागार का नाम बताएँ, जिसे आवेदक द्वारा स्थापित किए जाने का प्रस्ताव है।
3. कृपया अन्य निक्षेपागारों (यदि कोई हों) के नाम बताएँ, जिन्हें आवेदक द्वारा प्रायोजित किया गया हो, या जिनके सहभागी के रूप में आवेदक कार्य कर रहा हो।
4. कृपया यह बताएँ कि विनियम 21 के उप-विनियम (1) तथा (2) के साथ पठित विनियम 6 के अनुसार आवेदक किस वर्ग का है।
5. कृपया प्रत्येक आवेदक के निम्नलिखित व्यौरे प्रदान करें:
  - (क) निगमन या स्थापना की तारीख, और कानून, यदि कोई हो, जिसके तहत उसे स्थापित किया गया [निगमन का प्रमाणपत्र, संगम ज्ञापन और संगम अनुच्छेद (मेमोरेण्डम एंड आर्टिकल्स ऑफ असोसिएशन) या कानूनी प्रावधान, यदि कोई हों, संलग्न करें]।
  - (ख) आवेदक के उद्देश्य।
  - (ग) आवेदक द्वारा किए जाने वाले क्रियाकलापों का स्वरूप।
  - (घ) संबद्ध एंटिटियों आदि और समनुषंगियों, और उनके द्वारा किए जाने वाले क्रियाकलापों के व्यौरे।
  - (ङ) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड, भारतीय रिज़र्व बैंक या किसी विदेशी विनियामक प्राधिकरण से आवेदक, उसकी संबद्ध एंटिटियों आदि और उसके समनुषंगियों के रजिस्ट्रीकरण के व्यौरे (ऐसे रजिस्ट्रीकरण के समर्थन में दस्तावेज संलग्न करें)।
  - (च) आवेदक की शुद्ध-मालियत (नेटवर्थ) (अंतिम लेखापरीक्षित वित्तीय विवरणों की प्रति संलग्न करें)।
  - (छ) प्रस्तावित निक्षेपागार की समादत्त पूँजी (पेड-अप कैपिटल) में आवेदक द्वारा धारण किया जानेवाला हिस्सा (प्रतिशत में और रकम में)
6. प्रत्येक आवेदक द्वारा घोषणा कथन (निम्नानुसार किया जाए) :

हम एतद्वारा सहमत हैं और यह घोषणा करते हैं कि आवेदन (जिसमें संलग्न पत्रे भी शामिल हैं) में दी गई जानकारी पूरी है और सही है।

और हम इस बात के लिए भी सहमत हैं कि हम आवेदन में दी गई जानकारी में होने वाले किसी भी बदलाव की सूचना भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड को तुरंत देंगे।

हम इस बात के लिए भी सहमत हैं कि हम भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992, और भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (निक्षेपागार और सहभागी) विनियम, 2018 तथा ऐसे अन्य दिशानिर्देशों (गाइडलाइन्स)/अनुदेशों का पालन करेंगे और उनके प्रति आबद्ध होंगे, जो भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड द्वारा समय-समय पर घोषित किए जाएँ।

हम इस बात के लिए भी सहमत हैं कि रजिस्ट्रीकरण की शर्त के रूप में, हम ऐसे कामकाज संबंधी अनुदेशों / निदेशों का पालन करेंगे, जो भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड द्वारा समय-समय पर जारी किए जाएँ।

..... के लिए और की ओर से

(आवेदक का नाम)

प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता .....

.....

(नाम)

(हस्ताक्षर)

तारीख:

स्थान:

**मद 7-14 निक्षेपागार से संबंधित हैं, और तदनुसार भरी जाएँ**

7. आवेदक का नाम, रजिस्ट्रीकृत (पंजीकृत) कार्यालय का पता, पत्र-व्यवहार का पता, दूरभाष संख्या (संख्याएँ), फैक्स संख्या (संख्याएँ), टेलेक्स संख्या (संख्याएँ) और संपर्क व्यक्ति का नाम।

8. निक्षेपागार के निगमन की तारीख [निगमन का प्रमाणपत्र तथा संगम ज्ञापन और संगम अनुच्छेद (मेमोरेण्डम एंड आर्टिकल्स ऑफ असोसिएशन) संलग्न करें]

(क) निक्षेपागार के उद्देश्य (मुख्य और गौण)।

(ख) निक्षेपागार की प्राधिकृत, निर्गमित, अभिदत्त और समादत्त पूँजी।

(ग) निक्षेपागार की प्रस्तावित शुद्ध-मालियत (नेटवर्थ)।

(घ) प्रत्येक आवेदक की प्रस्तावित शेयरधारिता के ब्यौरे।

9. निक्षेपागार के प्रत्येक निदेशक के, और उसके मुख्य अधिकारी (प्रिंसिपल ऑफिसर) के निम्नलिखित ब्यौरे दिए जाएँ :

(क) नाम, आयु, राष्ट्रीयता।

(ख) शैक्षणिक और अन्य अर्हताओं के ब्यौरे।

(ग) अनुभव के ब्यौरे।

(घ) धारित अन्य निदेशक-पदों के ब्यौरे।

(ङ) प्रतिभूति बाजार से संबंधित किसी मुकदमे के ब्यौरे, जिसका निक्षेपागार के कारबार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा हो, जिसमें निदेशक या मुख्य अधिकारी (प्रिंसिपल ऑफिसर) शामिल हो, और किसी अपराध (जिसमें नैतिक अधमता शामिल हो) के लिए निदेशक या मुख्य अधिकारी को दोषी ठहराया गया हो तो उसके ब्यौरे, अथवा ऐसे किसी आर्थिक अपराध के ब्यौरे जिसके लिए निदेशक या मुख्य अधिकारी को दोषी पाया गया हो।

10. कृपया स्टाफ और संगठनात्मक ढाँचे के ब्यौरे दें जो कारबार शुरू करने से पहले बनाए जाने का प्रस्ताव है।

11. बुनियादी सुविधाओं (इन्फ्रास्ट्रक्चर) के ब्यौरे जैसे परिसर और ऑटोमेटिक डाटा प्रोसेसिंग, भंडारण (स्टोरेज) और बैक-अप सिस्टम और प्रक्रियाएँ, संचार प्रणालियाँ जो कारबार शुरू करने से पहले स्थापित किए जाने का प्रस्ताव है।

12. आंतरिक मूल्यांकन और निगरानी (मॉनीटरिंग) प्रणालियाँ जो कारबार शुरू करने से पहले बनाई जाने का प्रस्ताव है।

13. हिताधिकारी स्वामियों (बेनिफिशियल ओनर) को नुकसान की भरपाई करने के लिए किए जाने वाले इंतजाम, जिसमें कारबार शुरू करने से पहले लिए जाने वाले बीमा कवर के ब्यौरे शामिल हैं।

14. घोषणा कथन (निम्नानुसार किया जाए) :

हम एतद्वारा सहमत हैं और यह घोषणा करते हैं कि आवेदन (जिसमें संलग्न पत्रे भी शामिल हैं) में दी गई जानकारी पूरी है और सही है।

और हम इस बात के लिए भी सहमत हैं कि हम आवेदन में दी गई जानकारी में होने वाले किसी भी बदलाव की सूचना भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड को तुरंत देंगे।

हम इस बात के लिए भी सहमत हैं कि हम भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992, और भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (निक्षेपागार और सहभागी) विनियम, 2018 तथा ऐसे अन्य दिशानिर्देशों (गाइडलाइन्स)/अनुदेशों का पालन करेंगे और उनके प्रति आबद्ध होंगे, जो भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड द्वारा समय-समय पर घोषित किए जाएँ।

हम इस बात के लिए भी सहमत हैं कि रजिस्ट्रीकरण की शर्त के रूप में, हम ऐसे परिचालन अनुदेशों / निदेशों का पालन करेंगे, जो भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड द्वारा समय-समय पर जारी किए जाएँ।

..... के लिए और की ओर से

(आवेदक का नाम)

प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता .....

.....

(नाम)

(हस्ताक्षर)

तारीख:

स्थान:

### फॉर्म-ख

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड  
(निक्षेपागार और सहभागी) विनियम, 2018  
[ विनियम 7 देखें ]

### निक्षेपागार के रूप में रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र

- I. बोर्ड, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) के अधीन बनाए गए विनियमों के साथ और निक्षेपागार अधिनियम, 1996 (1996 का 22) के साथ पठित भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 की धारा 12 की उप-धारा (1क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा \_\_\_\_\_ को अधिनियम, निक्षेपागार अधिनियम और उनके अधीन बनाए गए विनियमों में निर्धारित शर्तों के अध्वधीन, निक्षेपागार (डिपॉजिटरी) के रूप में रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान करता है।
- II. निक्षेपागार की रजिस्ट्रीकरण संख्या आईएन/एसडी/...../...../..... है।

तारीख :

स्थान : मुंबई

ह/-

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड  
के लिए और की ओर से

### फॉर्म-ग

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड  
(निक्षेपागार और सहभागी) विनियम, 2018  
[ विनियम 11 देखें ]

निक्षेपागार के रूप में कारबार शुरू करने का प्रमाणपत्र प्रदान करने के लिए आवेदन  
भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड, सी4-ए, "जी" ब्लॉक, बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स, बांद्रा (पूर्व),  
मुंबई-400051 - भारत

अनुदेश

- i. इस फॉर्म का इस्तेमाल उस निक्षेपागार द्वारा किया जाए, जिसे भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड द्वारा रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान किया गया हो।

- ii. आवेदक इस फॉर्म को पूरा करके, और सभी समर्थक दस्तावेजों के साथ बोर्ड के समक्ष, मुंबई में स्थित उसके प्रधान कार्यालय में प्रस्तुत करे।
- iii. आवेदन फॉर्म विनियमों के अनुसार भरा जाए।
- iv. निक्षेपागार के रूप में रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान करने के लिए आवेदन पर तब विचार किया जाएगा, जब यह सभी प्रकार से पूरा हो।
- v. सभी जवाब टाइप ही किए जाएँ।
- vi. जिस जानकारी को विस्तारपूर्वक दिए जाने की आवश्यकता हो, वह जानकारी अलग पत्रों पर दी जा सकेगी और जो आवेदन फॉर्म के साथ लगाई जाए।
- vii. आवेदन पर हस्ताक्षर अवश्य किए जाएँ और सभी हस्ताक्षर मूल रूप में हों।
- viii. फॉर्म के प्रत्येक पृष्ठ और प्रत्येक अतिरिक्त पत्रों पर आवेदक के प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता के अक्षर अवश्य हों।
- ix. दस्तावेजों की सभी प्रतियों को प्राधिकृत नोटरी द्वारा सही प्रति के रूप में अनुप्रमाणित किया जाए।

1. आवेदक का नाम और रजिस्ट्रीकरण संख्या।

2. आवेदक को रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान किए जाने की तारीख।

3. कृपया यह बताएँ कि क्या बोर्ड ने उप-विधियों (बॉय लाज़) को मंजूरी दे दी है।

4. कृपया स्टाफ और बनाए गए संगठनात्मक ढाँचे के व्यौरे दें।

5. कृपया मुख्य कार्मिकों की पृष्ठभूमि और अनुभव बताएँ।

6. बनाई गई आंतरिक मूल्यांकन और निगरानी प्रणालियाँ, जिसमें संबद्ध कार्मिकों की पृष्ठभूमि और अनुभव के व्यौरे शामिल हैं [जोखिम प्रबंधन और ऑपरेशनल मैनुअल की प्रतियाँ संलग्न करें]।

7. कृपया ऑटोमेटिक डाटा प्रोसेसिंग और संचार प्रणालियों के निम्नलिखित व्यौरे प्रदान करें:

(क) हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर और संचार प्रणालियों के व्यौरे, उनकी क्षमता, कार्य और स्थान;

(ख) डाटा स्टोरेज और बैक-अप प्रक्रियाओं और साइटों के व्यौरे, उनकी क्षमता, कार्य और स्थान;

(ग) संकट निवारण प्रणालियों और प्रक्रियाओं के व्यौरे।

8. कृपया बताएँ कि क्या परिसर और ऑटोमेटिक डाटा प्रोसेसिंग और संचार प्रणालियाँ स्वयं की हैं, पट्टे पर ली गई हैं या किराये पर ली गई हैं [हक (टाइटल), पट्टा (लीज़) या किराये संबंधी करारों की प्रतियाँ संलग्न करें]।

9. कृपया हिताधिकारी स्वामियों की क्षतिपूर्ति करने के लिए किए गए इंतजामों के बारे में बताएँ।

10. कृपया लिए गए बीमा कवर की प्रति संलग्न करें।

11. कृपया विभिन्न श्रेणियों के सहभागियों के साथ किए जाने वाले सहभागिता करार (पार्टिसिपेंट एग्रीमेंट) की प्रति संलग्न करें।

12. कृपया निर्गमकर्ता या निर्गमकर्ता और उसके रजिस्ट्रार के साथ किए जाने वाले करार की प्रति संलग्न करें।

13. कृपया सहभागी (निक्षेपागार के एजेंट के रूप में) और हिताधिकारी स्वामियों के बीच किए जाने वाले करार की प्रति संलग्न करें।

14. घोषणा कथन (निम्नानुसार किया जाए) :

हम एतद्वारा सहमत हैं और यह घोषणा करते हैं कि आवेदन (जिसमें संलग्न पत्रे भी शामिल हैं) में दी गई जानकारी पूरी है और सही है।

और हम इस बात के लिए भी सहमत हैं कि हम आवेदन में दी गई जानकारी में होने वाले किसी भी बदलाव की सूचना भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड को तुरंत देंगे।

हम इस बात के लिए भी सहमत हैं कि हम भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992, और भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (निक्षेपागार और सहभागी) विनियम, 2018 तथा ऐसे अन्य दिशानिर्देशों (गाइडलाइन्स)/अनुदेशों का पालन करेंगे और उनके प्रति आबद्ध होंगे, जो भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड द्वारा समय-समय पर घोषित किए जाएँ।

हम इस बात के लिए भी सहमत हैं कि रजिस्ट्रीकरण की शर्त के रूप में, हम ऐसे परिचालन अनुदेशों / निदेशों का पालन करेंगे, जो भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड द्वारा समय-समय पर जारी किए जाएँ।

..... के लिए और की ओर से

(आवेदक का नाम)

प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता .....

.....

(नाम)

(हस्ताक्षर)

तारीख:

स्थान:

### फॉर्म-घ

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड  
(निक्षेपागार और सहभागी) विनियम, 2018

[ विनियम 16 देखें ]

### निक्षेपागार के रूप में कारबार शुरू करने का प्रमाणपत्र

बोर्ड, इन विनियमों के साथ पठित निक्षेपागार अधिनियम, 1996 (1996 का 22) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा \_\_\_\_\_ को, अधिनियम, निक्षेपागार अधिनियम और उनके अधीन बनाए गए विनियमों में निर्धारित शर्तों के अधीन, निक्षेपागार (डिपॉज़िटरी) के रूप में कारबार शुरू करने का प्रमाणपत्र प्रदान करता है।

तारीख :

स्थान : मुंबई

आदेश द्वारा

ह/-

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड  
के लिए और की ओर से

### फॉर्म-ड

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड  
(निक्षेपागार और सहभागी) विनियम, 2018

[विनियम 22(2) एवं 22(3) देखें]

निक्षेपागार के शेयरों के अर्जन हेतु मंजूरी प्रदान करने के लिए आवेदन

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड, सी4-ए, "जी" ब्लॉक, बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स, बांद्रा (पूर्व),  
मुंबई-400051 - भारत

अनुदेश

- i. इस फॉर्म का इस्तेमाल उस व्यक्ति द्वारा किया जाए, जो विनियम (22) के उप-विनियम (2) या उप-विनियम (3) के अनुसार निक्षेपागार के शेयरों का अर्जन करता है।

- ii. आवेदक इस फॉर्म को पूरा करके, और सभी समर्थक दस्तावेजों, यदि कोई हों, के साथ संबंध निक्षेपागार के माध्यम से बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत करे।
- iii. आवेदन फॉर्म विनियमों के अनुसार भरा जाए।
- iv. मंजूरी प्रदान करने संबंधी आवेदन पर तब विचार किया जाएगा, जब यह सभी प्रकार से पूरा हो।
- v. सभी जवाब टाइप ही किए जाएँ।
- vi. जिस जानकारी को विस्तारपूर्वक दिए जाने की आवश्यकता हो, वह जानकारी अलग पन्नों पर दी जा सकेगी और जो आवेदन फॉर्म के साथ लगाई जाए।
- vii. आवेदन पर हस्ताक्षर अवश्य किए जाएँ और सभी हस्ताक्षर मूल रूप में हों।
- viii. फॉर्म के प्रत्येक पृष्ठ और प्रत्येक अतिरिक्त पन्नों पर आवेदक / आवेदक के प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता के आद्यक्षर अवश्य हों।

1. नाम
2. पता
3. रोजगार / कारबार, यदि कोई हो, के ब्यौरे
4. भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड से प्राप्त रजिस्ट्रीकरण संख्या, यदि कोई हो
5. अन्य कानूनी प्राधिकरणों से प्राप्त रजिस्ट्रीकरण के ब्यौरे,
6. इन विनियमों के विनियम 23 की अपेक्षाओं को पूरा किए जाने संबंधी घोषणा।
7. भारत में या विदेश में किसी सांविधिक प्राधिकरण द्वारा उसके खिलाफ की गई कार्रवाई / उस पर लगाई गई शास्ति के ब्यौरे।
8. उन क्रियाकलापों के ब्यौरे, जिनकी वजह से शेयरधारकों की राय में वह अपात्र हो सकता हो।
9. निक्षेपागार सहभागियों के साथ संबंध
10. भारत में या विदेश में किसी न्यायालय, अधिकरण (ट्रायब्युनल) या किसी अन्य सांविधिक प्राधिकरण के समक्ष चल रहे मुकदमे, यदि कोई हों।
11. उपयुक्त तथा उचित व्यक्ति के संबंध में बोर्ड द्वारा पहले दी गई मंजूरियों, यदि कोई हों।
12. प्रत्येक आवेदक द्वारा घोषणा कथन (निम्नानुसार किया जाए) :

मैं/हम एतद्वारा सहमत हूँ/हैं और यह घोषणा करता हूँ/करते हैं कि आवेदन (जिसमें संलग्न पन्ने, यदि कोई हों, भी शामिल हैं) में दी गई जानकारी पूरी है और सही है।

और मैं/हम इस बात के लिए भी सहमत हूँ/हैं कि मैं/हम आवेदन में दी गई जानकारी में होने वाले किसी भी बदलाव की सूचना भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड को तुरंत दूंगा/देंगे।

मैं/हम इस बात के लिए भी सहमत हूँ कि मैं/हम भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992, और भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (निक्षेपागार और सहभागी) विनियम, 2018 तथा भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड द्वारा समय-समय पर घोषित दिशानिर्देशों (गाइडलाइन्स)/अनुदेशों का पालन करूंगा/करेंगे, और उनके द्वारा आबद्ध रहूंगा /\_होंगे।

..... के लिए और की ओर से

(आवेदक का नाम)

प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता .....

(नाम)

(हस्ताक्षर)

तारीख:

स्थान:

**फॉर्म-च**

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (निक्षेपागार और सहभागी) विनियम, 2018

[ विनियम 32 ]

**सहभागी के रूप में रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान करने के लिए आवेदन**

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड, सी4-ए, "जी" ब्लॉक, बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स,

बांद्रा (पूर्व), मुंबई-400051 - भारत

अनुदेश

- i. इस फॉर्म का इस्तेमाल सहभागी के रूप में रजिस्ट्रीकरण प्रदान करने के लिए आवेदक द्वारा किया जाए।
- ii. आवेदक इस फॉर्म को पूरा करके, उस निक्षेपागार के पास प्रस्तुत करे जिसमें वह सहभागी के रूप में कार्य कर रहा हो और वह निक्षेपागार इस फॉर्म को सभी समर्थक दस्तावेजों के साथ बोर्ड के समक्ष, मुंबई में स्थित उसके प्रधान कार्यालय में प्रस्तुत करेगा।
- iii. आवेदन फॉर्म विनियमों के अनुसार भरा जाए।
- iv. यथास्थिति, रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान करने के लिए आवेदन पर तब विचार किया जाएगा, जब यह सभी प्रकार से पूरा हो।
- v. सभी जवाब टाइप ही किए जाएँ।
- vi. जिस जानकारी को विस्तारपूर्वक दिए जाने की आवश्यकता हो, वह जानकारी अलग पन्नों पर दी जा सकेगी और जो आवेदन फॉर्म के साथ लगाई जाए।
- vii. आवेदन पर हस्ताक्षर अवश्य किए जाएँ और सभी हस्ताक्षर मूल रूप में हों।
- viii. आवेदन के साथ इन विनियमों की दूसरी अनुसूची में निर्धारित की गई आवेदन फीस अवश्य लगाई जाए।
- ix. फॉर्म के प्रत्येक पृष्ठ और प्रत्येक अतिरिक्त पन्नों पर आवेदक के प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता के आद्यक्षर अवश्य हों।
- x. दस्तावेजों की सभी प्रतियों को प्राधिकृत नोटरी द्वारा सही प्रति के रूप में अनुप्रमाणित किया जाए।
  1. आवेदक का नाम, रजिस्ट्रीकृत (पंजीकृत) कार्यालय का पता, पत्र-व्यवहार का पता, दूरभाष संख्या (संख्याएँ), फैक्स संख्या (संख्याएँ), टेलेक्स संख्या (संख्याएँ) और संपर्क व्यक्ति का नाम।
  2. कृपया बताएँ कि आवेदक विनियम 35 के उप-विनियम (क) के तहत दी हुई श्रेणियों में से किस श्रेणी में आता है।
  3. (क) निगमन या स्थापना की तारीख और स्थान, तथा कारबार शुरू करने की तारीख [निगमन का प्रमाणपत्र, संगम ज्ञापन और संगम अनुच्छेद (मेमोरैंडम एंड आर्टिकल्स ऑफ असोसिएशन) या कानूनी प्रावधान, यदि कोई हों, संलग्न करें]।  
 (ख) भारत में या विदेश में आवेदक द्वारा किए जाने वाले क्रियाकलापों के व्यौरे।  
 (ग) भारत में क्रियाशील आवेदक के संबद्ध एंटिटियों आदि और समनुषंगियों के व्यौरे, और उनके द्वारा किए जाने वाले क्रियाकलाप।  
 (घ) आवेदक, तथा भारत में क्रियाशील उसके संबद्ध एंटिटियों आदि और समनुषंगियों के भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड, भारतीय रिज़र्व बैंक या किसी विदेशी विनियामक प्राधिकरण से रजिस्ट्रीकरण के व्यौरे।  
 (ङ) भारत और विदेश में कारबार शुरू करने की तारीख (कृपया भारतीय रिज़र्व बैंक की अनुमति और यदि लागू हो, तो ऊपर उल्लिखित क्रियाकलापों को करने के लिए केन्द्रीय सरकार की अनुमति की प्रतियाँ संलग्न करें)।  
 (च) हिताधिकारी स्वामियों (बेनिफिशियल ओनर) का प्रकार और संख्या, जिनकी ओर से आवेदक सहभागी के रूप में कार्य करने का प्रस्ताव करता है [वित्तीय संस्थाएँ, पारस्परिक निधियाँ (म्यूचुअल फंड), विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक, पोर्टफोलियो प्रबंधक, गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियाँ, स्टॉक दलाल, कारपोरेट, व्यक्ति, या अपनी ओर से]।
  4. कृपया उस निक्षेपागार का नाम और भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड से प्राप्त रजिस्ट्रीकरण संख्या बताएँ, जिसमें आवेदक को सहभागी के रूप में कार्य करना है।

5. कृपया यह बताएँ कि क्या आवेदक, उसका भागीदार, निदेशक या मुख्य अधिकारी (प्रिंसिपल ऑफिसर) प्रतिभूति बाजार से संबंधित किसी मुकदमे में शामिल हैं जिससे आवेदक के कारबार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा हो; या उन्हें किसी भी समय किसी नैतिक अधमता के लिए दोषी ठहराया गया है या किसी आर्थिक अपराध के लिए दोषी पाया गया है।
6. कृपया यह भी बताएँ कि क्या कभी प्रतिभूति विधियों, सदाचार संहिता / आचार संहिता, कारबार नियमों संबंधी संहिता का उल्लंघन हुआ है या उनका पालन नहीं किया गया है, जिसके लिए आवेदक या उसकी मूल अथवा नियंत्री कंपनी (होल्डिंग कंपनी / धारिता कंपनी) या उसके संबद्ध एंटिटियों आदि को आर्थिक, या आपराधिक दायित्व के लिए दायी ठहराया गया या उन्हें उनके कामकाज करने से निलंबित किया गया अथवा उनके रजिस्ट्रीकरण को अस्थायी तौर पर वापस ले लिया गया।
7. कृपया आवेदक के अंतिम लेखापरीक्षित वित्तीय विवरणों के अनुसार शुद्ध-मालियत (नेटवर्थ) और समादत्त पूँजी बताएँ (करोड़ रुपये में)।
8. कृपया उन सेवाओं के बारे में बताएँ जो आवेदक पहले से ही उन हिताधिकारी स्वामियों को प्रदान कर रहा है जिनकी ओर से आवेदक सहभागी के रूप में कार्य करने का प्रस्ताव कर रहा है, और हिताधिकारी स्वामियों को दी जाने वाली सेवाओं के बारे में भी बताएँ।
9. कृपया सहभागी के रूप में क्रियाकलाप करने के लिए स्टाफ के संबंध में निम्नलिखित ब्यौरे प्रदान करें:
  - (i) संगठनात्मक ढाँचा;
  - (ii) मुख्य व्यक्तियों का अनुभव और पृष्ठभूमि।
10. कृपया सुरक्षा आदि संबंधी प्रणालियों एवं प्रक्रियाओं के संबंध में निम्नलिखित ब्यौरे प्रदान करें:
  - (i) जोखिम नियंत्रण और ऑपरेशन मैनुअल;
  - (ii) लेखांकन की निगरानी, मूल्यांकन और समीक्षा के लिए स्वतंत्र आंतरिक नियंत्रण व्यवस्थाओं तथा रिपोर्टिंग सिस्टम और प्रक्रियाओं के ब्यौरे दें।
11. कृपया ऑटोमेटिक डाटा प्रोसेसिंग और रिकॉर्ड रखे जाने के संबंध में निम्नलिखित ब्यौरे प्रदान करें:
  - (i) हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर और संचार प्रणालियों के ब्यौरे, उनकी क्षमता, कार्य और स्थान;
  - (ii) डाटा स्टोरेज और बैक-अप प्रक्रियाओं और साइटों के ब्यौरे, उनकी क्षमता, कार्य और स्थान;
  - (iii) संकट निवारण प्रणालियों और प्रक्रियाओं के ब्यौरे।
12. लिए जाने वाली बीमा कवर के ब्यौरे।
13. कृपया प्रत्येक निक्षेपागार में आवेदक की शेयरधारिता बताएँ, जिसमें उसकी ऐसी शेयरधारिता हो और क्या उस निक्षेपागार में कोई शेयरधारिता अर्जित करने का प्रस्ताव है, जिसके माध्यम से यह आवेदन किया जा रहा है।
14. जिस निक्षेपागार में आवेदक को सहभागी के रूप में कार्य करना है, कृपया उस निक्षेपागार की ओर से इस वचन की प्रति संलग्न करें, कि:
  - (क) आवेदक उस निक्षेपागार में सहभागी के रूप में कार्य करने के लिए पात्र है, जिस निक्षेपागार के माध्यम से यह आवेदन बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है, और आवेदक सहभागियों के लिए इन विनियमों में तथा निक्षेपागार की उप-विधियों (बाँय लाज़) में निर्धारित पात्रता मानदंडों को पूरा करता है;
  - (ख) आवेदक के पास पर्याप्त डाटा प्रोसेसिंग सिस्टम, पर्याप्त और सक्षम स्टाफ, जोखिम प्रबंधन प्रणालियाँ, प्रक्रियाएँ और मैनुअल, संकट निवारण प्रक्रियाएँ, सुरक्षित डाटा भंडारण (स्टोरेज) और ऑफ-साइट बैक-अप सुविधाएँ, पर्याप्त संचार लिंक और बीमा है जिनके संबंध में निक्षेपागार भी संतुष्ट है, ताकि आवेदक सहभागी के रूप में अपनी बाध्यताओं को पूरा कर सके; और
  - (ग) सहभागी और हिताधिकारी स्वामियों के बीच किए जाने वाले करार को निक्षेपागार की उप-विधियों (बाँय लाज़) के अनुसार निक्षेपागार के पास प्रस्तुत कर दिया गया है।
15. घोषणा कथन (निम्नानुसार किया जाए) :

हम एतद्वारा सहमत हैं और यह घोषणा करते हैं कि आवेदन (जिसमें संलग्न पत्रे भी शामिल हैं) में दी गई जानकारी पूरी है और सही है।

और हम इस बात के लिए भी सहमत हैं कि हम आवेदन में दी गई जानकारी में होने वाले किसी भी बदलाव की सूचना भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड को तुरंत देंगे।

हम इस बात के लिए भी सहमत हैं कि हम भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992, और भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (निक्षेपागार और सहभागी) विनियम, 2018 तथा ऐसे अन्य दिशानिर्देशों (गाइडलाइन्स)/अनुदेशों का पालन करेंगे और उनके प्रति आबद्ध होंगे, जो भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड द्वारा समय-समय पर घोषित किए जाएँ।

हम इस बात के लिए भी सहमत हैं कि रजिस्ट्रीकरण की शर्त के रूप में, हम ऐसे परिचालन अनुदेशों / निदेशों का पालन करेंगे, जो भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड द्वारा समय-समय पर जारी किए जाएँ।

..... के लिए और की ओर से

(आवेदक का नाम)

प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता .....

.....

(नाम)

(हस्ताक्षर)

तारीख:

स्थान:

### फॉर्म-छ

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

(निक्षेपागार और सहभागी) विनियम, 2018

[विनियम 36]

### सहभागी के रूप में रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र

I. बोर्ड, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) के अधीन बनाए गए विनियमों के साथ और निक्षेपागार अधिनियम, 1996 (1996 का 22) के साथ पठित भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 की धारा 12 की उप-धारा (1क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा \_\_\_\_\_ को, अधिनियम, निक्षेपागार अधिनियम और उनके अधीन बनाए गए विनियमों में निर्धारित शर्तों के अधीन, सहभागी के रूप में रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान करता है।

II. सहभागी की रजिस्ट्रीकरण संख्या आईएन/डीपी/..../..../.... है।

III. यह रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र तब तक मान्य रहेगा जब तक इसे बोर्ड द्वारा निलंबित या रद्द न कर दिया जाए।

तारीख :

स्थान : मुंबई

आदेश द्वारा

ह/-

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड  
के लिए और की ओर से

**दूसरी अनुसूची**

[विनियम 3, 7, 8, 9, 32, 36 देखें]

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

(निक्षेपागार और सहभागी) विनियम, 2018

**भाग-क****आवेदन फीस, रजिस्ट्रीकरण फीस, वार्षिक शुल्क और वार्षिक फीस**

आवेदक द्वारा देय आवेदन फीस	(रु.) 5,00,000
सहभागी द्वारा देय आवेदन फीस	(रु.) 15,000
निक्षेपागार द्वारा देय रजिस्ट्रीकरण फीस	(रु.) 1,00,00,000
सहभागी द्वारा देय रजिस्ट्रीकरण फीस	(रु.) 2,00,000
निक्षेपागार द्वारा देय वार्षिक फीस	(रु.) 50,00,000
सहभागी द्वारा देय वार्षिक फीस	(रु.) 1,000
निक्षेपागार द्वारा देय वार्षिक शुल्क	निक्षेपागारों द्वारा निर्गमकर्ताओं (इश्युअर) से 2% वार्षिक अभिरक्षा प्रभार लिया जाएगा

**भाग-ख****आवेदन, रजिस्ट्रीकरण, वार्षिक शुल्क और वार्षिक फीस के भुगतान का तरीका**

फीस किसके द्वारा अदा की जानी है	भुगतान का तरीका
आवेदक या निक्षेपागार	बैंक खाते में एनईएफटी/आरटीजीएस/आईएमपीएस के जरिए सीधे जमा करके या भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा अनुमत किसी अन्य माध्यम से या "भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड" के पक्ष में लिखे गए मांग ड्राफ्ट (डिमांड ड्राफ्ट) या बैंकर चैक (जो मुंबई में देय हो) के माध्यम से।
सहभागी	फीस उस निक्षेपागार को अदा की जाएगी, जिसमें अदा करने वाला सहभागी हो। निक्षेपागार सहभागियों से ली गई फीस को बोर्ड के पास, बैंक खाते में एनईएफटी/आरटीजीएस/आईएमपीएस के जरिए सीधे जमा करके या भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा अनुमत किसी अन्य माध्यम से या "भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड" के पक्ष में लिखे गए मांग ड्राफ्ट (डिमांड ड्राफ्ट) या बैंकर चैक (जो मुंबई में देय हो) के माध्यम से अग्रेषित करेगा।

**भाग-ग**

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (निक्षेपागार और सहभागी) विनियम, 2018

[विनियम 25 देखें]

**निदेशकों की नियुक्ति की प्रक्रिया**

1. अनुमोदन (मंजूरी) मांगते समय सभी निदेशक निक्षेपागार (डिपॉज़िटरी) के समक्ष निम्नलिखित ब्यौरे प्रस्तुत करेंगे :
  - a. नाम
  - b. पता
  - c. शैक्षिक अर्हता (योग्यता)
  - d. पिछले और वर्तमान रोजगार / व्यवसाय से संबंधित ब्यौरे

- e. अन्य निदेशक-पद संबंधी व्यौरे
- f. डीआईएन सं.
- g. इन विनियमों के विनियम 23 के तहत निर्धारित अपेक्षाओं को पूरा किए जाने संबंधी घोषणा।
- h. व्यापारिक सदस्य (ट्रेडिंग मेम्बर) या समाशोधन सदस्य (क्लीयरिंग मेम्बर) का सहयोगी न होने के संबंध में, इन विनियमों के विनियम 2(1)(ग) के साथ पठित विनियम 24(10) का पालन किए जाने की पुष्टि संबंधी घोषणा।
- i. भारत के किसी कानूनी प्राधिकरण द्वारा की गई विनियामक कार्रवाई के व्यौरे।
- j. उन क्रियाकलापों के व्यौरे जिनकी वजह से निदेशक की राय में वह अपात्र हो सकता हो।
- k. व्यापारिक सदस्यों (ट्रेडिंग मेम्बर्स) / निक्षेपागार सहभागियों (डिपॉज़िटरी पार्टिसिपेंट्स) के साथ संबंध, यदि कोई हो।
- l. अपने उन आश्रितों के नामों का प्रकटीकरण (डिस्क्लोज़र), जो प्रतिभूति बाजार से सदस्य (मेम्बर), निक्षेपागार सहभागी (डिपॉज़िटरी पार्टिसिपेंट), उप-दलाल (सब-ब्रोकर), प्राधिकृत व्यक्ति के रूप में जुड़े हुए हों या जिनके पास बोर्ड द्वारा प्रदान किया गया रजिस्ट्रीकरण हो।
- m. यह वचन कि वह इन विनियमों की तीसरी अनुसूची के भाग-ख और भाग-ग में निर्धारित आचार संहिता और सदाचार संहिता का पालन करेगा।
- n. लोक हित निदेशकों (पब्लिक इंटररेस्ट डायरेक्टर) के मामले में, लोक हित निदेशक के रूप में कार्य करने के लिए सहमति-पत्र।
- o. भारत में या विदेश में किसी प्राधिकरण के समक्ष पूरे हो चुके / लंबित अपराधिक मामले (यदि कोई हों)।

(2) निक्षेपागार (डिपॉज़िटरी), निदेशक के नामों की सिफारिश करते समय, बोर्ड के पास उपरोक्त व्यौरे भेजेगा, और उनके साथ शासी मंडल (गवर्निंग बोर्ड) की बैठक (जिसमें नाम मंजूर किए गए) के कार्यवृत्त, शेयरधारकों के संकल्प (रेज़ोल्यूशन) [जहाँ कहीं लागू हो] की प्रति, निक्षेपागार की ओर से इस बात का पुष्टीकरण भेजेगा कि इन विनियमों में निर्धारित मानदंड के अनुसार निदेशक उपयुक्त तथा उचित व्यक्ति है और वह इन विनियमों के विनियम 2(1)(ग) के साथ पठित विनियम 24(10) के अनुसार किसी निक्षेपागार सहभागी (डिपॉज़िटरी पार्टिसिपेंट), व्यापारिक सदस्य (ट्रेडिंग मेम्बर) या समाशोधन सदस्य (क्लीयरिंग मेम्बर) का सहयोगी नहीं है।

#### **प्रबंध निदेशक / कार्यपालक निदेशक:-**

(1) निक्षेपागार (डिपॉज़िटरी) की नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति की यह जिम्मेदारी होगी कि वह, यथास्थिति, सीईओ / प्रबंध निदेशक (मैनेजिंग डायरेक्टर) / कार्यपालक निदेशक (एग्ज़िक्यूटिव डायरेक्टर) का चयन करे। प्रबंध निदेशक का चयन कम से कम एक राष्ट्रीय दैनिक समाचारपत्र के सभी संस्करणों में खुले विज्ञापन के माध्यम से उन व्यक्तियों में से किया जाएगा, जो पूँजी बाजार / वित्त / प्रबंधन क्षेत्रों में अर्हता (योग्यता) रखते हों और जिनके पास पर्याप्त अनुभव हो।

(2) अप्रत्याशित कारणों से प्रबंध निदेशक का पद रिक्त हो जाने के मामले में, निक्षेपागार (डिपॉज़िटरी) त्यागपत्र प्रस्तुत किए जाने या इस प्रकार पद के रिक्त होने की तारीख से 60 दिनों के भीतर बोर्ड को नए नाम भेज देगा।

#### **लोक हित निदेशक:-**

(1) निक्षेपागार (डिपॉज़िटरी) के बोर्ड की मंजूरी के बाद, लोक हित निदेशकों के नाम बोर्ड को भेजे जाएंगे। शेयरधारकों की मंजूरी जरूरी नहीं होगी। लोक हित निदेशकों के प्रत्येक रिक्त पद के लिए बोर्ड को कम से कम दो नाम भेजे जाएंगे।

(2) निक्षेपागार (डिपॉज़िटरी) यह सुनिश्चित करेगा कि लोक हित निदेशकों का चयन अलग-अलग कार्य-क्षेत्रों में कार्य करने वाले लोगों में से किया जाए। किसी व्यक्ति विशेष का लोक हित निदेशक के रूप में प्रस्ताव करने का निर्णय लेते समय, निक्षेपागार (डिपॉज़िटरी) नीचे दी गई बातों पर भी विचार करेगा:

(क) विधि, वित्त, लेखांकन (अकाउंटिंग), अर्थशास्त्र, प्रबंधन, प्रशासन के क्षेत्र में या वित्तीय बाजार से संबद्ध किसी अन्य क्षेत्र में अर्हता (योग्यता)।

(ख) कम से कम एक ऐसा व्यक्ति चयन किया जाए जिसके पास वित्त / लेखांकन के क्षेत्र में अनुभव हो और जिसकी पृष्ठभूमि ऐसे क्षेत्र की रही हो तथा जिसे लेखापरीक्षा समिति में भी प्राथमिकता के साथ शामिल किया जा सके।

(ग) वर्तमान में प्रतिष्ठित संगठनों में विश्वास और जिम्मेदारी वाले पदों को धारण करने वाले व्यक्ति या वे व्यक्ति जो ऐसे पदों से सेवानिवृत्त हुए हों।

(घ) ऐसे व्यक्तियों को छोड़ दिया जाए जिनके बारे में यह संभावना हो कि वे निक्षेपागार (डिपॉज़िटरी) की वाणिज्यिक संविदाओं (कमर्शियल कॉण्ट्रैक्ट्स) और उसके वित्तीय मामलों में हित संबंधी पद धारण कर सकते हैं। साथ ही, उन लोगों को भी छोड़ दिया जाए जो बाजार में नियमित रूप से सौदे डालते (ट्रेडर्स) हों / सट्टेबाजी करते (स्पेक्यूलेटर्स) हों या निक्षेपागार के आवेदक के बोर्ड में निदेशक हों।

(3) लोक हित निदेशक संबद्ध कानूनों, आचार संहिता, सदाचार संहिता, आदि को ध्यान से पढ़ेंगे और निक्षेपागार के समक्ष इस बात का वचन प्रस्तुत करेंगे कि उन्हें अपनी भूमिका, अपनी जिम्मेदारियों और बाध्यताओं के बारे में पता है। निक्षेपागार (डिपॉज़िटरी) नव-नियुक्त लोकहित निदेशकों के लिए परिचय-कार्यक्रम आयोजित कर सकेगा और प्रत्येक लोक हित निदेशक के लिए वार्षिक प्रशिक्षण भी आयोजित कर सकेगा।

(4) लोक हित निदेशक का कार्यकाल बढ़ाए जाने या नए लोक हित निदेशक की नियुक्ति के मामले में, निक्षेपागार (डिपॉज़िटरी) का कार्यकाल समाप्त होने से दो महीने पहले बोर्ड के पास आवेदन करेगा। यहाँ निर्धारित अन्य अपेक्षाओं के साथ-साथ, लोक हित निदेशक का कार्यकाल बढ़ाने के लिए दिए जाने वाले आवेदन के साथ विभिन्न समितियों की बैठकों में और स्टॉक एक्सचेंज / समाशोधन निगम (क्लीयरिंग कारपोरेशन) के शासी मंडल में उसकी उपस्थिति के ब्यौरे दिए जाएंगे, उसके कार्य-निष्पादन की समीक्षा प्रस्तुत की जाएगी तथा कार्यकाल बढ़ाए जाने के कारण भी बताए जाएंगे।

(5) मौजूदा लोक हित निदेशक तब तक अपने पद पर बना रहेगा, जब तक कि उसके स्थान पर नए लोक हित निदेशक की नियुक्ति नहीं हो जाती।

#### **शेयरधारक निदेशक:-**

(1) शेयरधारक निदेशक (निदेशकों) के रूप में नियुक्त किए जाने वाले व्यक्ति (व्यक्तियों) के नाम पहले निक्षेपागार के शासी मंडल द्वारा मंजूर किए जाएंगे, उसके बाद शेयरधारकों द्वारा मंजूरी दी जाएगी, तब जाकर उसे (उन्हें) बोर्ड के समक्ष मंजूरी हेतु प्रस्तुत किया जाएगा।

(2) शेयरधारक निदेशक की चयन प्रक्रिया, उसकी नियुक्ति, उसका कार्यकाल, उसका त्यागपत्र, उसका अवकाश, आदि का तरीका, इन विनियमों के तहत विशेष रूप से किए गए अन्य प्रावधानों को छोड़कर, कंपनी अधिनियम, 2013 के अनुसार होगा।

#### **निदेशकों की नियुक्ति की सामान्य शर्तें:-**

(1) बोर्ड द्वारा निदेशकों के लिए नामांकन किए जाने / मंजूरी दिए जाने से 30 दिनों के भीतर निक्षेपागार नियुक्ति की प्रक्रिया पूरी करेगा, और नियुक्ति की तारीख से एक सप्ताह के भीतर पालन किए जाने संबंधी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा।

(2) यदि शासी मंडल में प्रबंध निदेशक के अतिरिक्त निक्षेपागार के किसी दूसरे अधिकारी को नियुक्त किया जाता है, तो पहले शेयरधारकों की और फिर उसके बाद बोर्ड की मंजूरी लेनी होगी।

#### **भाग-घ**

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (निक्षेपागार और सहभागी) विनियम, 2018

[विनियम 28(3) देखें]

#### **प्रतिकर संबंधी नीति के लिए मानदंड**

(1) इन विनियमों के विनियम 28 में यह प्रावधान है कि निक्षेपागार के प्रबंध-मंडल के मुख्य व्यक्ति के लिए प्रतिकर संबंधी नीति बोर्ड द्वारा निर्धारित मानदंडों के अनुसार हो। इस संबंध में, प्रतिकर संबंधी मानदंड निम्नानुसार होंगे :-

- परिवर्ती (वेरिएबल) वेतन कुल वेतन के एक-तिहाई से अधिक नहीं होगा।
- परिवर्ती (वेरिएबल) वेतन के पचास प्रतिशत का भुगतान तीन वर्षों के बाद आस्थगित आधार पर किया जाएगा।
- प्रबंध-मंडल के मुख्य व्यक्तियों को प्रतिकर के तौर पर निक्षेपागार में ईएसओपी और इक्विटी से जुड़े अन्य लिखतों (इंस्ट्रुमेंट्स) की पेशकश नहीं की जाएगी या नहीं दिए जाएंगे।
- प्रतिकर संबंधी नीति में आस्थगित पारिश्रमिक के संबंध में मालुज़ एवं क्लॉबैक की व्यवस्थाएँ होंगी।

(2) उपरोक्त के अलावा, निक्षेपागार की प्रतिकर संबंधी नीति के तहत निम्नलिखित पर विचार किया जाएगा:

- निक्षेपागार की वित्तीय स्थिति,
- समान रैंकों में कर्मचारियों को दिए जाने वाले प्रतिकर के औसत स्तर,

- c) इस नीति में कम अवधि में ज्यादा जोखिम लेने के लिए प्रोत्साहन के संबंध में कोई प्रावधान नहीं होगा,
  - d) निक्षेपागार की आमदनी, उसके शुद्ध लाभ,
  - e) उसका उद्योग मानकों के अनुसार होना,
  - f) प्रबंध-मंडल के मुख्य व्यक्तियों की भूमिका और जिम्मेदारियाँ,
  - g) समय-समय पर की जाने वाली समीक्षा
- (3) इसके अलावा, प्रबंध निदेशक की नियुक्ति के लिए बोर्ड की मंजूरी मांगते समय, निक्षेपागार प्रबंध निदेशक के प्रतिकर के संबंध में भी बोर्ड से मंजूरी लेगा।

#### भाग-ड

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (निक्षेपागार और सहभागी) विनियम, 2018

[विनियम 22(10) देखें]

#### शेयरधारिता संबंधी सीमा की निगरानी

- (1) विनियम 22 के उप-विनियम (4) के अनुसार, निक्षेपागार निगरानी की व्यवस्था निर्धारित करेगा, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इन विनियमों में निर्धारित शेयरधारिता संबंधी पाबंदियों का सदैव पालन हो। निक्षेपागार:-
- a) समय-समय पर शेयरधारिता संबंधी आँकड़ों को जाँचेगा, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इन विनियमों के अध्याय-IV के तहत निर्धारित शेयरधारिता संबंधी पाबंदियों का सदैव पालन किया जाता है।
  - b) शेयरधारिता की सीमाओं का उल्लंघन होने पर, 7 दिनों के भीतर, उसकी सूचना बोर्ड को देगा।
  - c) सूचीबद्ध निक्षेपागार (लिस्टिड डिपॉज़िटरी) के मामले में, बोर्ड द्वारा तारीख 1 जनवरी, 2016 को जारी किए गए परिपत्र (सर्कुलर) के अनुसार चलेगा।

#### तीसरी अनुसूची

#### भाग-क

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (निक्षेपागार और सहभागी) विनियम, 2018

[विनियम 36 देखें]

#### सहभागियों के लिए आचार संहिता

1. सहभागी निवेशकों के हितों का संरक्षण करने के लिए सभी प्रयास करेगा।
2. सहभागी हमेशा -
  - (क) ग्राहकों की जरूरतों और परिवेश तथा व्यवसाय से संबंधित कौशल को ध्यान में रखते हुए, जहाँ तक संभव हो उन्हें सर्वोत्तम सलाह देने का प्रयास करेगा;
  - (ख) यह सुनिश्चित करने का प्रयास करेगा कि व्यवसाय संबंधित सभी व्यौहार तत्परता से, प्रभावपूर्ण ढंग से और कुशलता पूर्वक किए जाएं;
  - (ग) प्रयास करेगा कि निवेशकों द्वारा पूछे गए प्रश्नों आदि का उचित जवाब दिया जाए;
  - (घ) प्रयास करेगा कि निवेशकों की शिकायतों का अविलंब निवारण किया जाए।
3. सहभागी अपने कारबार संचालन के दौरान, अपने ग्राहकों और अन्य मध्यवर्तियों (इंटरमीडियरीज़) के साथ अपने सभी व्यौहारों में सत्यनिष्ठा के उच्च स्तर बनाए रखेगा।
4. हिताधिकारी स्वामी के खाते (बेनिफिशियल ओनर अकाउंट्स) को खोलने में, गैरकागज़ीकरण (डीमैट) हेतु निवेदन फॉर्म, पुनःकागज़ीकरण (रीमैट) हेतु निवेदन फॉर्म को भेजने में तथा डेबिट अनुदेश पत्रों के संबंध में कार्यवाही करने में और हिताधिकारी स्वामियों की ओर से उसके द्वारा किए जाने वाले अन्य सभी क्रियाकलापों में निक्षेपागार पूरी तत्परता बरतेगा।
5. सहभागी स्वयं के खिलाफ या स्वयं के द्वारा किए गए क्रियाकलापों के संबंध में की गई शिकायतों का यथासंभव शीघ्रता से निवारण करने का प्रयास करेगा और वह उन शिकायतों का निवारण उनके प्राप्त होने के एक महीने के भीतर करेगा।
6. सहभागी, हिताधिकारी स्वामियों को अग्रिम सूचना दिए बिना, प्रदान की जाने वाली सेवाओं के लिए शुल्क / फीस नहीं बढ़ाएगा।

7. सहभागी ऐसी किसी अनुचित प्रतिस्पर्धा में लिप्त नहीं होगा, जिससे दूसरे सहभागियों या निवेशकों के हितों को नुकसान पहुँचाने की आशंका हो या जिससे इस बात की आशंका हो कि किसी कार्य आदि के लिए प्रतिस्पर्धा करते समय या उस कार्य आदि को करते समय ऐसे दूसरे सहभागी को नुकसान हो जाए।
8. सहभागी कुछ सेवाएँ दिए जाने के संबंध में अपनी अर्हताओं (योग्यताओं) या अपनी क्षमता के बारे में अथवा दूसरे ग्राहकों को दी गई सेवाओं के संबंध में अपनी उपलब्धियों के बारे में न तो मौखिक रूप से और न ही लिखित में अपने ग्राहकों को बढ़ाचढ़ाकर बताएगा।
9. सहभागी दूसरे ग्राहकों, प्रेस या किसी अन्य व्यक्ति को अपने ग्राहकों के बारे में कोई जानकारी (जो उसे पता हो) तब तक नहीं देगा, जब तक कि उसने ग्राहकों से मंजूरी न ले ली हो / ग्राहकों द्वारा उसे अधिकृत न कर दिया गया हो अथवा किसी अधिनियम, नियमों या विनियमों की अपेक्षाओं के तहत उस जानकारी को प्रकट किया जाना अपेक्षित न हो।
10. जब कभी अपेक्षित हो, सहभागी बोर्ड के साथ सहयोग करेगा।
11. सहभागी ज्ञान और क्षमता का अपेक्षित स्तर बनाए रखेगा तथा वह अधिनियम, नियमों, विनियमों तथा परिपत्रों के प्रावधानों और बोर्ड द्वारा जारी किए गए निदेशों का पालन करेगा। सहभागी भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (अधिनिर्णायक) विनियम, 2003 [सेबी (ऑम्बड्समैन) रेग्यूलेशन, 2003] के तहत अधिनिर्णायक (ऑम्बड्समैन) द्वारा दिए गए निदेश या आदेश (पंचाट / अवार्ड) का भी पालन करेगा।
12. सहभागी बोर्ड को प्रस्तुत किए जाने वाले किन्हीं दस्तावेजों, रिपोर्टों, कागजातों या जानकारी में कोई असत्य कथन नहीं करेगा या कोई महत्वपूर्ण तथ्य नहीं छिपाएगा।
13. सहभागी ऐसी बहियों, दस्तावेजों, पत्रादि, और कागजातों या उनके किसी भाग को बोर्ड या अन्य एजेंसियों (जिनके यहाँ वह रजिस्ट्रीकृत हो) के समक्ष प्रस्तुत करने में लापरवाही नहीं बरतेगा या प्रस्तुत करने में असफल नहीं होगा या प्रस्तुत करने से इनकार नहीं करेगा, जिनकी मांग / जिनका निवेदन पर समय-समय पर किया जाए।
14. सहभागी यह सुनिश्चित करेगा कि उसके द्वारा बोर्ड के या किसी अन्य विनियामक निकाय (रेग्युलेटरी बॉडी) के किसी कानून, नियमों, विनियमों, निदेशों के कोई महत्वपूर्ण उल्लंघन या उनका पालन न किए जाने के संबंध में उसके खिलाफ शुरू की गई किसी कार्रवाई, किन्हीं कानूनी कार्यवाहियों आदि के बारे में बोर्ड को तुरंत सूचित किया जाए।
15. सहभागी किसी भी रूप में प्राप्त होने वाली सभी प्रकार की डाक के लिए उपयुक्त आवक-डाक प्रणाली (इनवार्ड सिस्टम) बनाए रखेगा।
16. सहभागी अपने सभी क्रियाकलापों के संबंध में मेकर-चेकर की अवधारणा को अपनाएगा, ताकि आँकड़ों (डाटा) की सटीकता सुनिश्चित की जा सके और अनधिकृत लेनदेनों (ट्रांजैक्शन) की जाँच-पड़ताल के लिए एक व्यवस्था भी हो सके।
17. सहभागी यह सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त और आवश्यक कदम उठाएगा कि आँकड़ों (डाटा) और रिकॉर्ड को नियमित रूप से अद्यतन किया जाए और वे खो या नष्ट न हो जाएं। वह यह भी सुनिश्चित करेगा कि इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड और आँकड़ों (डाटा) के लिए उसके पास हमेशा अद्यतन बैक-अप उपलब्ध रहे।
18. सहभागी अपने अनुपालन अधिकारी (कम्प्लायन्स ऑफिसर) को पर्याप्त स्वतंत्रता और शक्तियाँ प्रदान करेगा, ताकि वह अपने कर्तव्य कारगर ढंग से निभा सके।
19. सहभागी यह सुनिश्चित करेगा कि उसके पास ऐसी आंतरिक नियंत्रण की संतोषजनक प्रक्रियाएँ हों और साथ ही पर्याप्त वित्तीय और कामकाज संबंधी क्षमता हो, जो चोरी, धोखाधड़ी और बेईमानी से किए गए अन्य कार्यों, पेशे से संबंधित गलत आचरण या लोप के कारण होने वाले नुकसान से निपटने के लिए पूरी तरह से पर्याप्त हो।
20. सहभागी अपने कारबार संचालन के संबंध में उन सभी बातों के लिए जिम्मेदार होगा जो उसके कर्मचारियों और एजेंटों द्वारा कुछ करने या कुछ न करने से सामने आई हों।
21. सहभागी यह सुनिश्चित करेगा कि वरिष्ठ प्रबंध-मंडल खासतौर पर निर्णय लेने वालों को कारबार से जुड़ी समस्त जानकारी समय पर मिले।
22. सहभागी यह सुनिश्चित करेगा कि अच्छी कारपोरेट नीतियाँ और अच्छा कंपनी संचालन (कारपोरेट गवर्नेंस) हो।

**भाग-ख**

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (निक्षेपागार और सहभागी) विनियम, 2018

[विनियम 27 देखें]

**निदेशकों के लिए आचार संहिता****i. बैठकें और कार्यवृत्त**

निक्षेपागार का:

क) कोई भी निदेशक ऐसे किसी विषय के संबंध में होने वाली चर्चा में भाग नहीं लेगा, जिसमें कोई हित-विरोध हो या उत्पन्न हो (फिर चाहे वह धन संबंधी हो या कोई और), और ऐसे मामलों में हित-विरोध की जानकारी प्रकट की जाएगी तथा बैठक के कार्यवृत्त में दर्ज की जाएगी;

ख) कोई भी निदेशक बैठक के दौरान कार्यसूची (एजेंडा) के कागजातों के परिचालन को तब तक प्रोत्साहित नहीं करेगा, जब तक कि परिस्थितियों के तहत ऐसा करना अपेक्षित न हो;

ग) प्रत्येक निदेशक प्रारूप कार्यवृत्त (ड्राफ्ट मिनट्स) पर अपनी टिप्पणियाँ देगा और यह सुनिश्चित करेगा कि उन्हें अंतिम कार्यवृत्त में शामिल कर लिया गया है;

घ) प्रत्येक निदेशक पिछली बैठक के कार्यवृत्त को आगामी बैठक में मंजूरी हेतु रखे जाने पर जोर देगा;

ङ) प्रत्येक निदेशक यह प्रयास करेगा कि शासी मंडल की प्रत्येक बैठक में, शासी मंडल के अन्य सदस्यों के परामर्श से, अगली बैठक की तारीख तय हो जाए;

च) प्रत्येक निदेशक यह प्रयास करेगा कि यदि समय के अभाव के कारण बैठक की कार्यसूची (एजेंडा) की समस्त मदों को शामिल न किया गया हो, तो शेष मदों पर विचार करने के लिए अगली बैठक पंद्रह दिनों के भीतर आयोजित की जाए।

**ii. लोकहित निदेशकों के लिए आचार संहिता**

क) उपरोक्त पैरा (i) में उल्लिखित शर्तों के अतिरिक्त, निक्षेपागार के लोक हित निदेशक शासी मंडल की सभी बैठकों में उपस्थित रहने का प्रयास करेंगे और यदि वे शासी मंडल की लगातार तीन बैठकों में अनुपस्थित रहते हैं या वे एक कलेंडर वर्ष में शासी मंडल की कुल बैठकों में से पचहत्तर प्रतिशत बैठकों में उपस्थित नहीं रहते हैं, तो वे पद त्यागने के दायी होंगे।

ख) लोकहित निदेशक, छह महीनों में कम से कम एक बार, महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करने के लिए अलग से बैठक करेंगे।

**iii. नीतिगत योजना बनाना**

निक्षेपागार का प्रत्येक निदेशक :

क) निक्षेपागार के सर्वोत्तम हित में नीतियाँ (स्ट्रेटजी) बनाने और उनके निष्पादन में भाग लेगा तथा शासी बोर्ड के स्तर पर अग्र-सक्रिय रूप से निर्णय लिए जाने में योगदान देगा;

ख) निक्षेपागार को अपने अनुभव और अपनी विशेषज्ञता से फायदा पहुँचाएगा और नीतिगत योजना बनाने में और निर्णय लेने में मदद करेगा।

**iv. विनियामक अपेक्षाओं का पालन**

निक्षेपागार का प्रत्येक निदेशक :

क) यह सुनिश्चित करने का प्रयास करेगा कि निक्षेपागार भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (सेबी एक्ट, 1992), निक्षेपागार अधिनियम, 1996 (डिपॉजिटरीज़ एक्ट, 1996), उनके अधीन बनाए गए नियमों तथा विनियमों के सभी प्रावधानों का और बोर्ड द्वारा समय-समय पर जारी परिपत्रों (सर्कुलर्स), निदेशों का पालन करे;

ख) सभी स्तरों पर पालन करने का प्रयास करेगा, ताकि विनियामक प्रणाली का कोई उल्लंघन न हो;

ग) यह सुनिश्चित करने का प्रयास करेगा कि सुधारात्मक कार्रवाई के लिए बोर्ड द्वारा निर्धारित की गई समय-सीमा का पालन करने के लिए निक्षेपागार आवश्यक कदम उठाए;

घ) शासी मंडल की बैठक में ऐसे किसी निर्णय का समर्थन नहीं करेगा जो निवेशकों के हितों पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता हो, और ऐसे किसी निर्णय के बारे में तुरंत बोर्ड को सूचित करेगा।

**v. सामान्य जिम्मेदारी**

निक्षेपागार का प्रत्येक निदेशक :

क) निवेशकों की शिकायतें दूर करने को प्राथमिकता देगा;

ख) निक्षेपागार से जुड़े मुद्दों का पेशेवर, निष्पक्ष, कुशल और प्रभावी तरीके से विश्लेषण करने और उनका समाधान करने का प्रयास करेगा;

ग) प्रतिभूतियों (सिक्यूरिटीज़) में धारिताओं (होल्डिंग) / लेन-देनों (डीलिंग) के आवश्यक प्रकटीकरण (डिस्क्लोज़र) / विवरण प्रस्तुत करेगा, जैसी निक्षेपागार द्वारा उनकी उप-विधियों (बाय-लॉज़) या संगम-अनुच्छेद (आर्टिकल्स ऑफ असोसिएशन) के अनुसार समय-समय पर अपेक्षा की जाए;

घ) जब तक कि कानूनी प्रावधानों द्वारा अन्यथा अपेक्षित न हो, गोपनीयता बनाए रखेगा और अपने कर्तव्य के निर्वहन के दौरान प्राप्त किसी जानकारी को प्रकट नहीं करेगा और ऐसी किसी भी जानकारी का उपयोग निजी फायदों के लिए नहीं किया जाएगा;

ङ) जनता का विश्वास जीतने के लिए अपने कर्तव्यों के निर्वहन में वैयक्तिक सत्यनिष्ठा, सत्यता, ईमानदारी और दृढ़ता के उच्चतम स्तर बनाए रखेगा, और ऐसे कार्यों में नहीं लगेगा जिसे उनकी जिम्मेदारियों पर कोई सवाल खड़ा हो;

च) स्वतंत्र एवं निष्पक्ष तरीके से अपने कर्तव्यों का पालन करेगा और ऐसे क्रियाकलापों से बचेगा जो उसकी स्वतंत्रता या निष्पक्षता या पद से संबंधित कर्तव्यों को क्षति पहुँचा सकते हों, या जो क्षति पहुँचाने वाले प्रतीत होते हों;

छ) सकारात्मक रूख के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करेगा और खुल कर अपनी बात कहने, सृजनात्मकता, समर्पण और सहानुभूति का सकारात्मक रूप से समर्थन करेगा;

ज) ऐसे कोई कार्य में नहीं लगेगा जिसमें नैतिक अधमता, बेईमानी, धोखाधड़ी, छल, या गलतबयानी शामिल हो अथवा ऐसे कोई अन्य कार्य में नहीं लगेगा जो निक्षेपागार के कामकाज के प्रतिकूल हो।

**भाग-ग**

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (निक्षेपागार और सहभागी) विनियम, 2018

[विनियम 27 देखें]

**निदेशकों और प्रबंध-मंडल के मुख्य व्यक्तियों हेतु सदाचार संहिता**

निक्षेपागार के निदेशकों और प्रबंध-मंडल के मुख्य व्यक्तियों हेतु "सदाचार संहिता", का उद्देश्य निक्षेपागार की कार्यप्रणाली में पेशे से जुड़े स्तरों और नैतिकता के स्तरों में सुधार लाना है, जिससे प्रतिभूति बाजार की सत्यनिष्ठा में निवेशकों का विश्वास और बढ़ सके।

**i. उद्देश्य और बुनियादी (अंडरलाइंग) सिद्धांत**

निक्षेपागार के निदेशकों और प्रबंध-मंडल के मुख्य व्यक्तियों हेतु सदाचार संहिता कारबार / पेशे में सदाचार के न्यूनतम स्तर तय करने के लिए है, जिनका अनुसरण इन निदेशकों और प्रबंध-मंडल के मुख्य व्यक्तियों द्वारा किया जाना है, ताकि एक ऐसे बाजार की स्थापना की जा सके जो निष्पक्ष और पारदर्शी हो। सदाचार संहिता निम्नलिखित बुनियादी सिद्धांतों पर आधारित है:

- निक्षेपागार और निवेशकों से संबंधित विषयों की बाबत औचित्य और पारदर्शिता।
- विनियामक एजेंसियों / निक्षेपागारों द्वारा निर्धारित समस्त विधियों / नियमों / विनियमों का पालन करना।
- कर्तव्यों के पालन में पूरी तत्परता बरतना।
- निदेशकों / प्रबंध-मंडल के मुख्य व्यक्तियों के निजी हित और निक्षेपागार और निवेशकों के हितों के बीच हित-विरोध से बचना।

**ii. विनियामक निगरानी समिति (रेग्युलेटरी ओवरसाइट कमेटी)**

इस संहिता के कार्यान्वयन पर निगरानी करने के लिए, प्रत्येक निक्षेपागार द्वारा शासी मंडल के नियंत्रण में विनियामक निगरानी समिति गठित की जाएगी।

**iii. सामान्य मानक**

क) निदेशक और प्रबंध-मंडल के मुख्य व्यक्ति नैतिकता संबंधी जिम्मेदारियों की जानकारी और समझ को और अधिक बढ़ाने का प्रयास करेंगे।

ख) अपने कारबार संचालन के दौरान निदेशक और प्रबंध-मंडल के मुख्य व्यक्ति उच्च स्तर के वाणिज्यिक मानकों (कमर्शियल ओनर) को बनाए रखेगा और व्यापार के न्यायसंगत तथा निष्पक्ष सिद्धांतों का पालन करेंगे।

ग) कारबार में निदेशकों और प्रबंध-मंडल के मुख्य व्यक्तियों का आचरण अनुकरणीय होना चाहिए।

घ) निदेशक और प्रबंध-मंडल के मुख्य व्यक्ति निक्षेपागार के कार्यपालक या प्रशासनिक स्टाफ, निक्षेपागार के आपूर्तिकर्ताओं (सप्लायर्स), या निक्षेपागार के यहाँ प्रतिभूतियाँ रखने वाले किसी निर्गमकर्ता (इश्युअर) कंपनी को सहायता आदि देने / से सहायता आदि लेने के लिए अपने पद का इस्तेमाल नहीं करेंगे।

ङ) निदेशक और प्रबंध-मंडल के मुख्य व्यक्ति कोई ऐसा कार्य नहीं करेंगे जो निक्षेपागार की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुँचाए।

च) निक्षेपागार के निदेशक, समिति के सदस्य और प्रबंध-मंडल के मुख्य व्यक्ति प्रतिभूति बाजार पर लागू समस्त कानूनी प्रावधानों का पालन करेंगे।

**iv. निक्षेपागार के प्रबंध-मंडल के मुख्य व्यक्तियों द्वारा प्रतिभूतियों में होने वाले लेनदेनों (डीलिंग) का प्रकटीकरण**

क) निक्षेपागार के प्रबंध-मंडल के मुख्य व्यक्ति समय-समय पर, जैसा निक्षेपागार द्वारा निर्धारित किया जाए (जो मासिक भी हो सकता है), प्रतिभूतियों में होने वाले अपने समस्त लेनदेन (डीलिंग), प्रत्यक्ष रूप से या अप्रत्यक्ष रूप से, शासी मंडल / विनियामक निगरानी समिति / अनुपालन अधिकारी (कम्प्लायन्स ऑफिसर) को प्रकट करेंगे।

ख) प्रतिभूतियों में होने वाले लेनदेन (डीलिंग) प्रतिभूतियों के संबंध में लगाई गई व्यापारिक (ट्रेडिंग) पाबंदियों के अधीन भी होंगे जिनके बारे में निक्षेपागार के प्रबंध-मंडल के मुख्य व्यक्तियों के पास असर्वजनिक कीमत संवेदनशील जानकारी हो सकती है। इस संबंध में भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (अंतरंग व्यापार का प्रतिषेध) विनियम, 2015 [सेबी (प्रोहिबिशन ऑफ इनसाइडर ट्रेडिंग) रेग्यूलेशन, 2015] में निर्धारित अपेक्षा का संदर्भ लिया जा सकता है।

ग) समस्त लेनदेन निवेश स्वरूप के ही होने चाहिए, न कि सट्टेबाजी के स्वरूप के।

इसके लिए, खरीदी गयी समस्त प्रतिभूतियों को बेचने से पहले उन्हें कम से कम साठ दिनों तक अवश्य रखना होगा। हालाँकि, विशेष / असाधारण परिस्थितियों में, प्रतिभूतियों को किसी भी समय बेचा जा सकता है, जिसके लिए इस शर्त से छूट प्राप्त करने हेतु अनुपालन अधिकारी की पहले ही मंजूरी लेनी होगी और यह लिखित रूप में रिकॉर्ड करना होगा कि इस संबंध में अनुपालन अधिकारी भी संतुष्ट है।

**स्पष्टीकरण -** इस संहिता के प्रयोजनार्थ "प्रतिभूतियों" (सिक्यूरिटीज़) के अंतर्गत पारस्परिक निधि (म्यूचुअल फंड) की यूनिटें शामिल नहीं होंगी।

**v. निक्षेपागार के निदेशकों द्वारा प्रतिभूतियों में होने वाले लेनदेन (डीलिंग) का प्रकटीकरण**

क) निदेशकों और उनके नातेदारों द्वारा प्रतिभूतियों में होने वाले समस्त लेनदेन निक्षेपागार के शासी मंडल को प्रकट किए जाएंगे।

ख) सभी निदेशक उन फर्मों / कारपोरेट एंटिटियों द्वारा किए गए व्यापार (ट्रेडिंग) को भी विनियामक निगरानी समिति के समक्ष प्रकट करेंगे, जिनमें वे बीस प्रतिशत या उससे अधिक फायदाप्रद हित (बेनिफिशियल इंटरैस्ट) धारण करते हैं या नियंत्रक हित (कंट्रोलिंग इंटरैस्ट) धारण करते हैं।

ग) उन निदेशकों को इस अपेक्षा से छूट होगी, जो भारत सरकार के नामित अथवा भारत सरकार के कानूनी निकायों (स्टैट्यूटरी बॉडी) या वित्तीय संस्थाओं के नामित हों और जो अपनी स्वयं की संहिताओं द्वारा विनियमित हों।

**vi. हित-विरोध से बचना**

क) निक्षेपागार के शासी मंडल का कोई भी निदेशक या उसकी किसी समिति का कोई भी सदस्य किसी व्यक्ति / मामले के संबंध में कोई निर्णय लिए जाने / किसी न्यायनिर्णयन (अजूडीकेशन) में भाग नहीं लेगा, जिससे उसका किसी भी तरह से, प्रत्यक्ष रूप से या अप्रत्यक्ष रूप से, संबंध हो या हित जुड़ा हो।

ख) किसी मामले में कोई हित-विरोध है या नहीं, इसका निर्णय शासी मंडल द्वारा किया जाएगा।

**vii. फायदाप्रद हित का प्रकटीकरण**

सभी निदेशक और प्रबंध-मंडल के मुख्य व्यक्ति पद संभालने पर और अपने कार्यकाल के दौरान शासी मंडल को निम्नलिखित प्रकट करेंगे :-

क) किसी निक्षेपागार सहभागी या रजिस्ट्रार और शेयर अंतरण अभिकर्ता (शेयर ट्रांसफर एजेंट) में स्वयं का कोई वैश्वासिक संबंध तथा परिवार के सदस्यों और स्वयं तथा परिवार के सदस्यों के निदेशक पद / की भागीदारी;

ख) शेयरधारिता, उन मामलों में जहाँ निदेशक, प्रबंध-मंडल के मुख्य व्यक्तियों की शेयरधारिता, प्रत्यक्षतः या उसके परिवार के माध्यम से, किसी सूचीबद्ध कंपनी में या प्रतिभूति बाजारों से संबंधित अन्य एंटिटियों में 5 प्रतिशत से अधिक हो जाती हो;

ग) कोई अन्य कारबार हित ।

#### viii. निक्षेपागार की दैनंदिन कार्यप्रणाली में अध्यक्ष और निदेशकों की भूमिका

क) अध्यक्ष और निदेशक निक्षेपागार की दैनंदिन कार्यप्रणाली में हस्तक्षेप नहीं करेंगे और अपनी भूमिका को नीतिगत मुद्दों और उन मुद्दों के संबंध में निर्णय लेने तक सीमित रखेंगे, जो शासी मंडल तय करे ।

ख) अध्यक्ष और निदेशक अपने रोजमर्रा के कार्यों के संबंध में निक्षेपागार के कर्मचारियों पर अपना प्रभाव नहीं डालेंगे ।

ग) अध्यक्ष और निदेशक कर्मचारियों की नियुक्ति और पदोन्नति में प्रत्यक्ष रूप से तब तक शामिल नहीं होंगे, जब तक कि शासी मंडल द्वारा विशेष रूप से ऐसा करने के लिए न कहा जाए ।

#### ix. जानकारी तक पहुँच

क) निदेशक केवल विशिष्ट समितियों में शामिल होने के नाते या शासी मंडल द्वारा प्राधिकृत किए जाने पर ही जानकारी मंगाएगा ।

ख) जानकारी का आदान-प्रदान करने के माध्यम निर्धारित किए जाएंगे और इसके अतिरिक्त उसका ऑडिट-ट्रेल भी रखा जाएगा । गोपनीय दस्तावेज / जानकारी फिर से लेने पर उसे उचित ढंग से रिकॉर्ड में लिया जाएगा ।

ग) ऐसी समस्त जानकारी (विशेष रूप से जो असार्वजनिक और कीमत संवेदनशील हो) गोपनीय रखी जाएगी और उसका उपयोग किसी निजी प्रतिफल (कन्सिडरेशन) / लाभ के लिए नहीं किया जाएगा ।

घ) निक्षेपागार के कारबार / कामकाज से संबंधित कोई जानकारी, जो निदेशकों / प्रबंध-मंडल के मुख्य व्यक्तियों की जानकारी में, उनके कर्तव्यों के पालन के दौरान आए, पूरी तरह से गोपनीय रखी जाएगी, किसी पर-व्यक्ति (थर्ड पार्टी) को प्रकट नहीं की जाएगी और उसका उपयोग वे अपने कर्तव्यों का पालन करने के सिवाय किसी भी प्रकार से नहीं करेंगे ।

#### x. पद का दुरुपयोग

निदेशक / समिति के सदस्य, अपने पद का उपयोग स्वयं के लिए या परिवार के सदस्यों के लिए संगठन से संबंधित या कोई धन-संबंधी फायदा प्राप्त करने के लिए नहीं करेंगे ।

#### xi. प्रक्रियाएँ निर्धारित करने के लिए विनियामक निगरानी समिति

क) विनियामक निगरानी समिति संहिता को लागू करवाने के लिए प्रक्रियाएँ निर्धारित करेगी और संहिता के तहत अपेक्षित प्रकटीकरणों के लिए रिपोर्टिंग फॉर्मेट निर्धारित करेगी ।

ख) अनुपालन अधिकारी विनियामक निगरानी समिति द्वारा निर्धारित अपेक्षाओं को पूरा करेगा ।

यद्यपि इस संहिता का उद्देश्य बाजार सत्यनिष्ठा और निवेशकों के विश्वास के स्तर को बढ़ाना है, इस बात पर जोर दिया जाता है कि लिखित सदाचार संहिता नैतिकता के उच्च स्तरों के अनुसरण की पूरी गारंटी नहीं दे सकती । इस उद्देश्य की पूर्ति केवल तभी हो सकती है जब निक्षेपागार के निदेशक और प्रबंध-मंडल के मुख्य व्यक्ति सही मायने में प्रणाली की निष्पक्षता और सत्यनिष्ठा को बढ़ाने के कार्य में स्वयं को प्रतिबद्ध हो ।

#### भाग-घ

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (निक्षेपागार और सहभागी) विनियम, 2018

[विनियम 17 देखें]

#### निक्षेपागारों के लिए आचार संहिता

1. निक्षेपागार (डिपॉजिटरी) अधिनियम (एक्ट), निक्षेपागार अधिनियम, 1996 (डिपॉजिटरीज़ एक्ट, 1996), नियमों, विनियमों (रेग्यूलेशन्स), परिपत्रों (सर्कुलर्स) के प्रावधानों, दिशानिर्देशों (गाइडलाइन्स) और बोर्ड द्वारा जारी किन्हीं अन्य निदेशों का हमेशा पालन करेगा ।

2. निक्षेपागार (डिपॉजिटरी) निवेशक संरक्षण और निवेशक शिक्षण के लिए उपयुक्त उपाय करेगा।
3. निक्षेपागार अपने सभी आवेदकों/सहभागियों के साथ निष्पक्ष और पारदर्शी रवैया अपनाएगा।
4. निक्षेपागार अपने किन्हीं सहभागियों, निर्गमकर्ता (इश्युअर) या निर्गमकर्ता के एजेंट द्वारा अधिनियम (एक्ट), निक्षेपागार अधिनियम, 1996 (डिपॉजिटरीज़ एक्ट, 1996), नियमों, विनियमों (रेग्यूलेशन्स), परिपत्रों (सर्कुलर्स) के प्रावधानों, दिशानिर्देशों (गाइडलाइन्स) या किन्हीं अन्य निदेशों के उल्लंघन की सूचना बोर्ड को तुरंत देगा।
5. निक्षेपागार निवेशकों के हितों, निक्षेपागार प्रणाली (डिपॉजिटरीज़ सिस्टम) और प्रतिभूति बाजार (सिक्यूरिटीज़ मार्केट) की सत्यनिष्ठा की सुरक्षा की दिशा में अग्रसक्रिय और जिम्मेदाराना रुख अपनाएगा।
6. निक्षेपागार अपने तथा अपने सहभागियों के यहाँ कारबार की सर्वोत्तम पद्धतियाँ लागू करने के प्रयास करेगा।
7. निक्षेपागार भरसक सद्भावपूर्वक कार्य करेगा और अपने कार्य-संचालन के दौरान हित विरोध से बचेगा।
8. निक्षेपागार ऐसी अनुचित प्रतिस्पर्धा में लिप्त नहीं होगा, जिससे किसी दूसरे निक्षेपागार, सहभागियों या निवेशकों के हितों को नुकसान पहुँचने की आशंका हो या जिससे इस बात की आशंका हो कि किसी कार्य के लिए प्रतिस्पर्धा करते समय या उस कार्य को करते समय उन्हें कोई नुकसान हो जाए।
9. निक्षेपागार उसके कारबार संचालन के संबंध में अपने कर्मचारियों द्वारा किए जाने वाले कार्यों के लिए या उनके द्वारा कार्य नहीं किए जाने के लिए जिम्मेदार होगा।
10. निक्षेपागार इस बात पर नज़र रखेगा कि सहभागियों द्वारा नियमों और विनियमों का पालन किया जा रहा है और साथ ही वह यह भी सुनिश्चित करेगा कि उनके आचरण ऐसे हो जो निवेशकों के हितों और प्रतिभूति बाजार को सुरक्षित रखे।

### चौथी अनुसूची

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (निक्षेपागार और सहभागी) विनियम, 2018

[विनियम 29 देखें]

### विनियामक (रेग्युलेटरी) विभागों की स्वायत्ता सुनिश्चित करने हेतु उपाय

यह सुनिश्चित करने के लिए कि विनियामक विभाग अलग-अलग रहें, प्रत्येक निक्षेपागार "चाइनीज़ वॉल" की नीति अपनाएगा जो निक्षेपागार के विनियामक विभागों को दूसरे विभागों से अलग करती हो। विनियामक विभागों में कार्यरत कर्मचारी विनियामक क्रियाकलाप से संबंधित कोई भी जानकारी दूसरे विभागों के किसी भी व्यक्ति को नहीं देंगे। विनियामक क्षेत्रों में कार्यरत कर्मचारियों को दूसरे विभागों के कर्मचारियों से अलग रखा जा सकता है, ताकि उनका एक-दूसरे पर नियंत्रण न रहे। असाधारण परिस्थितियों में, दूसरे विभागों के कर्मचारियों को "जानने की आवश्यकता" के आधार पर गोपनीय जानकारी दी जा सकेगी, किंतु इसकी सूचना अनुपालन अधिकारी को अवश्य दी जाएगी। उपरोक्त प्रयोजनों से, "विनियामक क्षेत्रों" से निक्षेपागार के वे विभाग अभिप्रेत होंगे, जो कानून के अनुसार अनिवार्य हों और जिन्हें विनियामक शक्तियाँ और कर्तव्य सौंपे गए हों, और जिनमें निम्नलिखित कार्य करने वाले विभाग भी शामिल हो सकेंगे:

- (i) जोखिम प्रबंधन;
- (ii) निगरानी;
- (iii) सहभागी का रजिस्ट्रीकरण;
- (iv) निर्गमकर्ता / प्रतिभूतियों को शामिल करना;
- (v) अनुपालन;
- (vi) निरीक्षण;
- (vii) प्रवर्तन (इन्फोर्समेंट);
- (viii) माध्यस्थता (आर्बिट्रेशन);
- (ix) निवेशक संरक्षण;
- (x) निवेशक सेवाएँ.

अजय त्यागी, अध्यक्ष

[विज्ञापन-III/4/असा./246/18]

**SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA****NOTIFICATION**

Mumbai, the 3rd October, 2018

**SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA (DEPOSITORIES AND PARTICIPANTS)  
REGULATIONS, 2018**

**No. SEBI/LAD-NRO/GN/2018/40.**—In exercise of the powers conferred by section 30 of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992) read with section 25 of the Depositories Act, 1996 (22 of 1996), the Securities and Exchange Board of India hereby makes the following regulations, namely:—

**CHAPTER I****PRELIMINARY****Short title and commencement**

1. (1) These regulations may be called the Securities and Exchange Board of India (Depositories and Participants) Regulations, 2018.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

**Definitions**

2. (1) In these regulations, unless the context otherwise requires, the terms used in these regulations shall bear the meanings assigned to them below, and their cognate expressions shall be construed accordingly,—
  - (a) “Act” means the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992);
  - (b) “applicant” means any person or persons who, acting alone or in combination with another person proposes to establish a depository under these regulations and holds fifteen percent shareholding of the depository;
  - (c) “associate” shall have the same meaning as assigned to it under clause (b) of sub-regulation (1) of regulation 2 of the Securities Contracts (Regulation) (Stock Exchanges and Clearing Corporations) Regulations, 2018 or any amendments thereof;
  - (d) “Board” means the Securities and Exchange Board of India established under section 3 of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992);
  - (e) “change in control” –
    - (i) in case of a body corporate –
      - (A) if its shares are listed on any recognised stock exchange, shall be construed with reference to the definition of control in terms of regulations framed under clause (h) of sub-section (2) of section 11 of the Act;
      - (B) in any other case, shall be construed as change in the controlling interest in the body corporate;  
**Explanation:** For the purpose of para (B) of this sub-clause, the expression “controlling interest” means an interest, whether direct or indirect, to the extent of at least fifty-one percent of voting rights in the body corporate;
    - (ii) in a case other than that of a body corporate, shall be construed as any change in its legal formation or ownership.
  - (f) “control” shall have the same meaning as assigned to it under clause (e) of sub-regulation (1) of regulation 2 of the Securities and Exchange Board of India (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) Regulations, 2011 or any amendments thereof;
  - (g) “Depositories Act” means the Depositories Act, 1996 (22 of 1996);

- (h) "form" means any of the forms specified in the First Schedule;
- (i) "governing board" means the board of directors of a depository;
- (j) "inspecting officer" means any person authorised by the Board under regulation 84;
- (k) "key management personnel" would include a person serving as head of any department, or in such senior executive position that stands higher in hierarchy to the head(s) of the department(s) in the depository, or any person who directly reports to chief executive officer or to the director of the governing board of the depository, or any person upto two levels below the chief executive officer or managing director, or any other person as may be identified by its Nomination and Remuneration Committee
- (l) "persons acting in concert" in the context of acquisition or holding of shares or voting rights or control shall mutatis mutandis have the same meaning as assigned to it in clause (q) of sub-regulation (1) of regulation 2 of the Securities and Exchange Board of India (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) Regulations, 2011 or any amendments thereof;
- (m) "public interest director" means an independent director representing the interests of investors in securities market and who is not having any association, directly or indirectly, which in the opinion of the Board, is in conflict with his role;
- (n) "regulatory department" means a department of a depository which is entrusted with regulatory powers and duties and includes such department as may be specified by the Board;"
- (o) "Schedule" means any of the Schedules annexed to these regulations;
- (p) "shareholder director" means a director who represents the interest of shareholders, and elected or nominated by such shareholders who are not depository participants, or their associates and agents;

(2) Words and expressions used and not defined in these regulations but defined in the Act, the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956, the Depositories Act, 1996, the Companies Act, 2013 or any rules or regulations made thereunder shall have the same meanings respectively assigned to them in those Acts, rules or regulations made thereunder or any statutory modification or re-enactment thereto, as the case may be.

## CHAPTER II

### REGISTRATION OF DEPOSITORY

#### **Application for grant of certificate of registration**

3. (1) No person shall establish a Depository unless he has obtained registration from the Board in accordance with the Act, the Depositories Act, 1996 and these regulations.
- (2) An application for the grant of a certificate of registration as a depository shall be made to the Board by an applicant in Form A of the First Schedule, shall be accompanied by the fee specified in Part A of the Second Schedule and be paid in the manner specified in Part B thereof.
- (3) The application shall be accompanied by draft bye-laws of the depository that is proposed to be set-up.

#### **Application to conform to the requirements**

4. An application in Form A of the First Schedule which is not complete in all respects and does not conform to the instructions specified therein shall be rejected:

Provided that before rejecting any such application, the applicant shall be given in writing an opportunity to remove, within thirty days of the date of communication in this regard, the objections indicated by the Board:

Provided further that the Board may, on being satisfied that it is necessary to extend the period specified in the first proviso, extend such period by such further time as it thinks necessary in order to enable the applicant to remove the objections indicated by the Board.

**Furnishing of information, clarification and personal representation**

5. (1) The Board may require the applicant to furnish such further information or clarification regarding matters relevant to the activity of the depository for the purpose of consideration of the application.

(2) The applicant or his authorised representative shall, if so required, appear before the Board for personal representation, in connection with the grant of certificate of registration.

**Consideration of application for grant of certificate of registration**

6. (1) The Board shall not consider an application under regulation 3, unless the applicant belongs to the category of shareholders eligible to hold upto 15% share capital of the depository in terms of sub-regulation (1) and (2) of regulation 21.

(2) The Board shall not consider an application under regulation 3, unless the applicant is a fit and proper person as described in sub-regulation 2 of regulation 23.

**Grant of certificate of registration**

7. After considering the application under regulation 3, with reference to the qualifications specified in regulation 6, if the Board is satisfied that the company established by the applicant is eligible to act as depository, it may grant a certificate of registration in Form B of the First Schedule to the depository subject to the following, namely :—

- (a) the depository shall pay the registration fee specified in Part A of the Second Schedule in the manner specified in Part B thereof, within fifteen days of receipt of intimation from the Board;
- (b) the depository shall comply with the provisions of the Act, the Depositories Act, the bye-laws, agreements and these regulations ;
- (c) the depository shall not carry on any activity whether involving deployment of funds or otherwise without prior approval of the Board:

Provided that prior approval of the Board shall not be required in case of treasury investments if such investments are as per the investment policy approved by the governing board of depository.

Provided further that a depository may carry out such activity not incidental to its activities as a depository, whether involving deployment of funds or otherwise, as may be assigned to the depository by the Central Government or by a regulator in the financial sector, through the establishment of Strategic Business Unit(s) specific to each activity with the prior approval of the Board and subject to such conditions as may be prescribed by the Board, including transfer of such activity to a separate company within such time as may be specified by the Board having regard to the matters which are relevant to the efficient and orderly function of the Depository as mentioned in regulation 14.

**Explanation:** For the purposes of this clause, a Strategic Business Unit shall be an organizational unit of a company with its own mission, objectives and business strategy that is given the responsibility to serve the particular demands of one business area with appropriate technological, financial and other segregations.

- (d) the shareholding of the applicant in the depository shall be locked-in for a period of five years from the date of grant of registration by the Board.
- (e) the depository complies with the shareholding and governance structure requirements specified in these regulations;
- (f) if any information previously submitted by the depository or the applicant to the Board is found to be false or misleading in any material particular, or if there is any change in such information, the depository shall forthwith inform the Board in writing;
- (g) the depository shall redress the grievances of the participants and the beneficial owners within thirty days of the date of receipt of any complaint from a participant or a beneficial owner and keep the Board informed about the number and the nature of redressals;
- (h) the depository shall make an application for commencement of business under regulation 11 within one year from the date of grant of certificate of registration under this regulation; and

- (i) the depository shall amend its bye-laws from time to time as may be directed by the Board;
- (j) any other condition as the Board may deem fit in the interest of securities market.

#### **Payment of annual fee**

8. A depository who has been granted a certificate of registration under regulation 7, shall pay annual fee specified in Part A of the Second Schedule in the manner specified in Part B thereof.

#### **Payment of annual charge**

9. A depository shall pay to the Board, a percentage of the annual custody charges collected by it from the issuers as specified in Part A of Second Schedule in the manner specified in Part B thereof.

#### **Procedure where certificate of registration is not granted**

10. (1) Where an application for the grant of certificate of registration under regulation 3 does not satisfy the requirements specified in regulation 7, the Board shall reject the application after giving the applicant an opportunity of being heard.
- (2) The decision of the Board to reject the application shall be communicated to the applicant in writing within thirty days of such decision, stating therein the grounds on which the application has been rejected.

### **CHAPTER III**

#### **CERTIFICATE OF COMMENCEMENT OF BUSINESS**

##### **Application for grant of certificate of commencement of business**

11. A depository which has been granted a certificate of registration under regulation 7, shall within one year from the date of issue of such certificate make an application to the Board for commencement of business in Form C of the First Schedule.

##### **Application to conform to the requirements**

12. Any application in Form C of the First Schedule which is not complete in all respects and does not conform to instructions specified therein shall be rejected:

Provided that before rejecting any such application, the applicant shall be given in writing an opportunity to remove within thirty days of the date of communication in this regard, the objections indicated by the Board:

Provided further that the Board may, on being satisfied that it is necessary to extend the period specified in the first proviso, extend such period by such further time as it thinks necessary in order to enable the applicant to remove the objections indicated by the Board.

##### **Furnishing of information, clarification and personal representation**

13. (1) The Board may require the depository to furnish such further information or clarification regarding matters relevant for the grant of certificate of commencement of business.
- (2) The depository or its authorised representative, if so required, shall appear before the Board for personal representation in connection with the grant of certificate of commencement of business.

##### **Consideration of application for grant of certificate of commencement of business**

14. (1) The Board shall take into account for considering grant of certificate of commencement of business, all matters which are relevant to the efficient and orderly functioning of the depository and in particular, the following, namely, whether—
- (a) the depository has a net worth of not less than rupees one hundred crores;
  - (b) the bye-laws of the depository have been approved by the Board;
  - (c) the automatic data processing systems of the depository have been protected against unauthorised access, alteration, destruction, disclosure or dissemination of records and data;

- (d) the network through which continuous electronic means of communications are established between the depository, participants, issuers and issuers' agents is secure against unauthorised entry or access;
- (e) the depository has established standard transmission and encryption formats for electronic communications of data between the depository, participants, issuers and issuers' agents;
- (f) the physical or electronic access to the premises, facilities, automatic data processing systems, data storage sites and facilities including back up sites and facilities and to the electronic data communication network connecting the depository, participants, issuers and issuers' agents is controlled, monitored and recorded;
- (g) the depository has a detailed operations manual explaining all aspects of its functioning, including the interface and method of transmission of information between the depository, issuers, issuers' agents, participants and beneficial owners;
- (h) the depository has established adequate procedures and facilities to ensure that its records are protected against loss or destruction and arrangements have been made for maintaining back up facilities at a location different from that of the depository;
- (i) the depository has made adequate arrangements including insurance for indemnifying the beneficial owners for any loss that may be caused to such beneficial owners by the wrongful act, negligence or default of the depository or its participants or of any employee of the depository or participant; and
- (j) the grant of certificate of commencement of business is in the interest of investors in the securities market.

(2) The Board shall, before granting a certificate of commencement of business under this Chapter make a physical verification of the infrastructure facilities and systems established by the depository.

#### **Networth certificate**

- 15.** (1) Every depository shall maintain networth as specified under regulation 14 (1) (a) at all times and submit an audited networth certificate from the statutory auditor on a yearly basis, by the thirtieth day of September of every year for the preceding financial year.

*Explanation:* For the purposes of this regulation, 'networth of a depository' means the aggregate value of paid up equity share capital and free reserves (excluding statutory funds, benefit funds and reserves created out of revaluation) reduced by the investments in businesses, whether related or unrelated, aggregate value of accumulated losses and deferred expenditure not written off, including miscellaneous expenses not written off.

(2) Every depository shall within one month of the date of the holding of its annual general meeting, furnish to the Board a copy of its audited balance-sheet and profit and loss account for the preceding financial year.

#### **Grant of certificate of commencement of business**

- 16.** After considering the application under regulation 14 with reference to the matters specified in sub-regulation (1) of regulation 14 and making physical verification under sub-regulation (2) of that regulation, if the Board is satisfied that the depository is eligible to commence business as a depository, shall grant a certificate of commencement of business in Form D of the First Schedule.

#### **Depository to abide by the Code of Conduct**

- 17.** The depository holding a certificate of commencement of business shall, at all times, abide by the Code of Conduct as specified in the Part D of the Third Schedule.

#### **Procedure where certificate of commencement of business is not granted**

- 18.** (1) If the Board, after considering the matters specified in sub-regulation (1) of regulation 14 and making physical verification under sub-regulation (2) of that regulation, is of the opinion that the depository shall not be granted a certificate of commencement of business, it may either—

- (a) direct the depository to conform to the matters specified in regulation 14; or

(b) reject the application after giving the applicant an opportunity of being heard.

(2) The decision of the Board to reject the application shall be communicated to the depository in writing within thirty days of such decision, stating therein the grounds on which the application has been rejected.

## CHAPTER IV OWNERSHIP OF DEPOSITORY

### Definitions

**19.** For the purposes of this Chapter:

- (1) "banking company" shall have the same meaning as assigned to it in clause (c) of section 5 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949);
- (2) "insurance company" shall have the same meaning as assigned to it in sub-section (8) of section 2 of the Insurance Act, 1938 (4 of 1938);
- (3) "person resident in India" shall have the same meaning as assigned to it in clause (v) of section 2 of the Foreign Exchange Management Act, 1999 (42 of 1999);
- (4) "person resident outside India" shall have the same meaning as assigned to it in clause (w) of section 2 of the Foreign Exchange Management Act, 1999 (42 of 1999).
- (5) "public financial institution" shall have the same meaning as assigned to it in sub-section (72) of section 2 of the Companies Act, 2013

### General Conditions

**20.** (1) Save as otherwise provided in these regulations, the shareholding or voting rights of any person in a depository shall not exceed the limits specified in these regulations at any point of time.

(2) For determining the shareholding of any person in a depository as specified in these regulations, any instrument held, owned or controlled, directly or indirectly, by a person that entitles him the voting rights or provides for entitlement to voting rights or equity shares or any other rights over equity shares at any future date, shall also be included:

Provided that any equity or rights over equity, arising from such instruments in excess of limit of shareholding specified in this Chapter on the date of commencement of these regulations, shall be reduced to the specified limit within a period of five years or such other period as may be specified by the Board from time to time, from the date of such commencement.

### Shareholding in a Depository

**21.** (1) No person resident in India shall at any time, directly or indirectly, either individually or together with persons acting in concert, acquire or hold more than five percent of the paid up equity share capital in a Depository:

Provided that,—

- (i) a stock exchange;
- (ii) a depository;
- (iii) a banking company;
- (iv) an insurance company; and
- (v) a public financial institution,

may acquire or hold, either directly or indirectly, either individually or together with persons acting in concert, upto fifteen percent of the paid up equity share capital of a Depository.

(2) No person resident outside India, directly or indirectly, either individually or together with persons acting in concert, shall acquire or hold more than five percent of the paid up equity share capital in a Depository:

Provided further that,-

- (i) a foreign stock exchange;
- (ii) a foreign depository;
- (iii) a foreign banking company;
- (iv) a foreign insurance company;
- (v) a foreign commodity derivatives exchange; and
- (vi) a bilateral or multilateral financial institution approved by the Central Government,

may acquire or hold, either directly or indirectly, either individually or together with persons acting in concert, upto fifteen percent of the paid up equity share capital of a Depository.

**Explanation:** For the purposes of proviso to sub-regulation (2), the persons referred to in clauses (i) to (vi) shall mean persons recognised/ incorporated outside India.

(3) Subject to the limits as otherwise prescribed by the Central Government from time to time, the combined holding of all persons resident outside India in the paid up equity share capital of a depository shall not exceed, at any time, forty-nine percent of its total paid up equity share capital.

#### **Eligibility for acquiring or holding shares in a depository**

**22.** (1) No person shall, directly or indirectly, acquire or hold equity shares or voting rights of a depository unless he is a fit and proper person. The depository shall ensure that all its shareholders are fit and proper persons:

Provided that such a requirement to ensure that all its shareholders are fit and proper persons shall not be applicable to a listed depository for shareholding of a person who directly or indirectly, acquires or holds less than two percent equity shares or voting rights of such listed depository.

(2) Any person(s) who acquires equity shares or voting rights, in a depository, directly or indirectly, either individually or together with persons acting in concert, that entitles the person(s) so acquiring to exercise voting rights of two percent upto five percent, shall seek approval of the Board within fifteen days of such acquisition.

(3) Any person eligible to acquire or hold more than five percent of the paid up equity share capital under sub-regulation (1) and sub-regulation (2) of regulation 21 may acquire or hold more than five percent of the paid up equity share capital of a depository only if the person has obtained prior approval of the Board.

(4) The application for seeking approval in terms of sub-regulation (2) or sub-regulation (3) of this regulation shall be made to the Board in Form E of the First Schedule through the depository concerned.

(5) The depository shall verify the declarations/ undertakings given by the shareholders under sub-regulation (4) and forward the application, along with its recommendation for approval of the Board.

(6) If approval under sub-regulation (2) is not granted by the Board to any person, such person shall forthwith divest his entire shareholding in the depository.

(7) Any person holding two percent or more of the paid up equity share capital in a depository shall file a declaration within fifteen days from the end of every financial year to the depository that he complies with the fit and proper criteria.

#### **Monitoring of shareholding limits**

22A The depository shall put in place a monitoring mechanism as specified in Part E of Second Schedule to ensure compliance with the shareholding restrictions prescribed in these regulations at all times.

#### **Requirement of fit and proper**

**23.** (1) The depository shall ensure that all its directors and key management personnel are fit and proper persons at all times.

(2) For the purpose of determining whether an applicant, depository, its shareholder, director, key management personnel or a participant, is a 'fit and proper person' under these regulations, the criteria specified under regulation 20 of Securities Contracts (Regulation) (Stock exchanges and Clearing Corporations) Regulations, 2018, shall be applicable

(3) If any question arises on the decision of a depository as to whether a person is fit and proper, the Board's decision on such question shall be final.

## CHAPTER V

### GOVERNANCE OF DEPOSITORY

#### Composition of the governing board

**24.** (1) The governing board of every depository shall include:

- (a) shareholder directors;
- (b) public interest directors; and,
- (c) managing director.

(2) Subject to prior approval of the Board, the chairperson shall be elected by the governing board from amongst the public interest directors.

(3) The number of public interest directors shall not be less than the number of shareholder directors on the governing board of a Depository.

(4) The number of public interest directors shall not be less than the number of shareholder directors to constitute the quorum for the meeting of the governing board.

(5) The voting on a resolution in the meeting of the governing board shall be valid only when the number of public interest directors that have cast their vote on such resolution is equal to or more than the number of shareholder directors who have cast their vote on such resolution.

(6) The casting vote in the meetings of the governing board of the depository shall be with the chairperson of the governing board.

(7) The managing director shall be included in the category of shareholder directors.

(8) Any employee of a depository may be appointed on the governing board in addition to the managing director, and such director shall be deemed to be a shareholder director:

(9) No depository participant or their associates and agents, irrespective of the depository of which they are members, shall be on the governing board of a depository.

(10) A person who is a director in an entity, that itself is a depository participant or has associate(s) as depository participant, he/she will be deemed to be a depository participant:

Provided a person shall not be deemed to be Depository Participant or their associate for the purpose of sub-regulation 10, if he/she is on the board of a Public Financial Institution or Bank which is in public sector, or which has no identifiable ultimate promoter, or the ultimate promoter is in public sector or has well diversified shareholding, and such Public Financial Institution or Bank or its associate is a Depository Participant:

Provided further that the independent directors of associates of Public Financial Institution or Bank in public sector, who is a Depository Participant and where the majority shareholding is that of such Public Financial Institution or Bank in public sector, shall not be deemed to be Depository Participant for the purpose of sub-regulation 10.

(11) The appointment of director shall be subject to fulfillment of other requirements and satisfaction of the Board.

(12) Depository shall monitor and ensure the compliance of sub-regulation 9 on continuous basis, to ensure that directors appointed, on their governing board, do not get associated with Depository Participant after approval and appointment.

(13) No foreign portfolio investor shall have any representation in the governing board of a depository.

### **Conditions of appointment of directors**

**25.** (1) The appointment and re-appointment of all shareholder directors on the governing board of every depository shall be with the prior approval of the Board.

(2) The public interest directors on the governing board of a depository shall be nominated by the Board.

(3) Public interest directors shall be nominated for a term of three years, extendable by another term of three years, subject to performance review in the manner as may be specified by the Board:

Provided that post the expiry of term(s) at a depository, a public interest director may be nominated for a term of three years in other depository or recognized stock exchange or a recognized clearing corporation, only after a cooling-off period of one year:

Provided further that a person shall be nominated as a public interest director for a maximum of three terms across a depository / a recognized stock exchange / a recognized clearing corporation, subject to a maximum age limit of seventy five years.

(4) A public interest director on the board of a depository shall not act simultaneously as director on the board of its subsidiary or on the board of any other depository or recognized stock exchange or recognized clearing corporation or on the board of subsidiary of such other depository or recognized stock exchange or recognized clearing corporation.

(5) A public interest director on the board of a depository shall not act simultaneously as member on more than five committees of that depository.

(6) A public interest director on the board of a depository shall keep its governing board apprised of any conflict of interest, which may arise as a result of the public interest director providing services, either directly or indirectly, to depository participants or their associates and agents.

(7) No public interest director shall become a shareholder director unless there is a cooling-off period of three years after ceasing to be a public interest director

(8) No public interest director on the governing board of a depository shall become a director on the board of subsidiary of that depository unless there is a cooling-off period of three years after ceasing to be a public interest director.

(9) Public interest directors shall be remunerated only by way of payment of sitting fees as admissible to independent directors in the Companies Act, 2013.

(10) If any issue arises as to whether an assignment or position of a public interest director is in conflict with his role, the Board's decision shall be final.

(11) For the purpose of this regulation, the procedure for appointment of directors is prescribed under Part C of the Second Schedule.

### **Appointment of Managing Director**

**26.** (1) The appointment, renewal of appointment and termination of service of the managing director of a depository shall be subject to prior approval of the Board.

(2) Every depository shall, subject to the guidelines issued by the Board from time to time, determine the qualification, manner of appointment, terms and conditions of appointment and other procedural formalities relating to the selection/ appointment of the managing director.

(3) The appointment of the managing director shall be for a term not exceeding five years:

Provided that post the completion of first term as Managing Director, the depository shall conduct the appointment process afresh:

Provided further that a person may be appointed as Managing Director by the depository for a maximum of two terms not exceeding five years each subject to a maximum age limit of sixty five years.

(4) The managing director of a depository shall not—

- (a) be a shareholder or an associate of a shareholder of a depository or shareholder of an associate of a depository;
- (b) be a depository participant, or his associate and agent, or shareholder of a depository participant or shareholder of an associate and agent of a depository participant; or
- (c) hold any position concurrently in the subsidiary of a depository or in any other entity associated with a depository:

Provided that the managing director of a depository may be appointed on the governing board, but not as managing director, of the subsidiary or associate of a depository.

(5) The managing director shall be liable for removal or termination of services by the governing board of the depository with the prior approval of the Board for failure to give effect to the directions, guidelines and other orders issued by the Board, or the rules, instructions, the articles of association and bye-laws of the depository.

(6) The Board may suo motu remove or terminate the appointment of the managing director if deemed fit in the interest of securities market:

Provided that no managing director shall be removed unless he has been given a reasonable opportunity of being heard.

(7) The conditions specified under this regulation for appointment of managing director shall be applicable to a person holding position as managing director in a depository on the date of commencement of these regulations.

**Explanation:** For the purpose of sub-regulation (7), the applicability shall be determined post the completion of the existing term and the prior term(s) completed by a managing director on the governing board of a depository shall also be considered while determining the eligibility.

#### **Code of Conduct for directors and key management personnel**

**27.** (1) Every director of a depository shall abide by the Code of Conduct specified under Part-B of Third Schedule of these regulations.

(2) Every director and key management personnel of a depository shall abide by the Code of Ethics specified under Part-C of Third Schedule of these regulations.

(3) Every director and key management personnel of a depository shall satisfy the fit and proper person criteria at all times as per sub-regulation (2) of regulation 23.

(4) The Board may, for any failure by the directors to abide by these regulations or the Code of Conduct or Code of Ethics or in case of any conflict of interest, either upon a reference from the depository or suo motu, take appropriate action including removal or termination of the appointment of any director, after providing him a reasonable opportunity of being heard.

#### **Compensation and tenure of key management personnel**

**28.** (1) A depository shall constitute a Nomination and Remuneration Committee comprising a majority of public interest directors and chaired by a public interest director.

(2) The Nomination and Remuneration Committee shall determine the compensation of key management personnel in terms of a compensation policy.

(3) The compensation policy shall be determined by Nomination and Remuneration committee in accordance with the norms specified by the Board under Part D of Second Schedule.

(4) The compensation payable to the managing director shall be as approved by the Board and the terms and conditions of the compensation of the managing director shall not be changed without prior approval of the Board.

(5) The compensation given to the key management personnel shall be disclosed in the Report of the depository under section 134 of the Companies Act, 2013.

(6) The report under sub-regulation (5) shall comprise of ratio of compensation paid to each key management personnel, vis-a-viz. median of compensation paid to other employees of the depository.

(7) The tenure of a key management personnel, other than a director, in a department, shall be for a fixed period, as may be decided by the Nomination and Remuneration committee.

**Explanation:** For the purpose of sub-regulation (7), the tenure refers to the period of posting as key management personnel in a regulatory department, which shall be for a fixed period.

### **Segregation of regulatory departments**

**29.** The depository shall segregate its regulatory departments from other departments in the manner specified in Fourth Schedule of these regulations.

### **Statutory committees**

**30.** (1) The depository shall constitute the committees as per sub-regulation (2) and sub-regulation (3).

(2) Functional committee, comprising of:

- (a) Member selection committee;
- (b) Investor grievance redressal committee; and
- (c) Nomination and remuneration committee.

(3) Oversight committees, comprising of:

- (a) Standing committee on technology;
- (b) Advisory committee;
- (c) Regulatory oversight committee; and
- (d) Risk management committee.

(4) The composition, quorum and functions of the committees under sub-regulation (2) and sub-regulation (3) shall be in the manner as specified by the Board from time to time.

### **Disclosure and corporate governance norms**

**31.** (1) The disclosure requirements and corporate governance norms as specified for listed companies shall mutatis mutandis apply to a depository.

(2) The governing board of a depository shall confirm compliance of sub-regulation (1) in writing on half yearly basis to the Board.

(3) Depository shall disclose resources committed towards strengthening regulatory functions and towards ensuring compliance with regulatory requirements applicable to the depository, backed by an activity based accounting in the report under section 134 of the Companies Act, 2013.

(4) The fees and charges levied by a depository shall be placed for review before the Oversight Committee of such depository.

## **CHAPTER VI**

### **REGISTRATION OF PARTICIPANT**

#### **Application for grant of certificate of registration**

**32.** (1) An application for the grant of a certificate of registration as a participant shall be made to the Board in Form F of the First Schedule, through the depository in which the applicant proposes to act as a participant, shall be accompanied by the fee specified in Part A of the Second Schedule and be paid in the manner specified in Part B thereof.

(2) The depository shall forward to the Board the application in Form F of the First Schedule as early as possible, but not later than thirty days along with its recommendations and certifying that the participant

complies with the eligibility criteria including adequate infrastructure as provided for in these regulations and the bye-laws of the depository.

### **Application to conform to the requirements**

- 33.** An application in Form F of the First Schedule, which is not complete in all respects and does not conform to the instructions specified therein, shall be rejected:

Provided that before rejecting any such application, the applicant shall be given in writing an opportunity to remove within thirty days of the date of communication in this regard, the objections indicated by the Board:

Provided further that the Board may, on being satisfied that it is necessary to extend the period specified in the first proviso, extend such period by such further time as it thinks necessary in order to enable the applicant to remove the objections indicated by the Board.

### **Furnishing information, clarification, and personal representation**

- 34.** (1) The Board may require the applicant, or the depository to which the applicant is to be admitted as a participant, to furnish such further information or clarification as may be considered necessary for the grant of a certificate of registration to the applicant.

(2) The applicant or his authorised representative shall, if so required, appear before the Board for personal representation in connection with the grant of a certificate of registration.

### **Consideration of application for grant of certificate of registration**

- 35.** For the purpose of grant of certificate of registration, the Board shall take into account all matters which are relevant to or relating to the efficient and orderly functioning of a participant and in particular, whether the applicant complies with the following requirements, namely :—

(a) the applicant belongs to one of the following categories,—

- (i) a public financial institution as defined in section 2(72) of the Companies Act, 2013;
- (ii) a bank included for the time being in the Second Schedule to the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934);
- (iii) a foreign bank operating in India with the approval of the Reserve Bank of India;
- (iv) a State Financial Corporation established under the provisions of section 3 of the State Financial Corporations Act, 1951 (63 of 1951);
- (v) an institution engaged in providing financial services, promoted by any of the institutions mentioned in sub-clauses (i), (ii), (iii) and (iv), jointly or severally;
- (vi) a custodian of securities who has been granted a certificate of registration by the Board under sub-section (1A) of section 12 of the Act;
- (vii) a clearing corporation or a clearing house of a stock exchange;
- (viii) a stock broker who has been granted a certificate of registration by the Board under sub-section (1) of section 12 of the Act :

Provided that the stock broker shall have a minimum net worth of rupees fifty lakhs and the aggregate value of portfolio of securities of the beneficial owners held in dematerialised form in a depository through him, shall not exceed hundred times of the net worth of the stock broker:

Provided further that if the stock broker seeks to act as a participant in more than one depository, he shall comply with the criteria specified in the first proviso separately for each such depository:

Provided also that where the stock broker has a minimum net worth of rupees ten crore, the limits on the aggregate value of the portfolio of securities of the beneficial owners held in dematerialized form in a depository through him shall not be applicable;

- (ix) a non-banking finance company, having a net worth of not less than rupees fifty lakhs:

Provided that such company shall act as a participant only on behalf of itself and not on behalf of any other person:

Provided further that a non-banking finance company may act as a participant on behalf of any other person, if it has a net worth of rupees fifty crore in addition to the net worth specified by any other authority;

- (x) a registrar to an issue or share transfer agent who has a minimum net worth of rupees ten crores and who has been granted a certificate of registration by the Board under sub-section (1) of section 12 of the Act;
- (b) the applicant is eligible to be admitted as a participant of the depository through which it has made the application to the Board;
- (c) the applicant has adequate infrastructure, systems, safeguards and trained staff to carry on activity as a participant;
- (d) the applicant is a fit and proper person; and
- (e) the grant of certificate of registration is in the interests of investors in the securities market.

### **Grant of certificate of registration**

- 36.** (1) After considering the application under regulation 32, with reference to the matters specified in regulation 35, if the Board is satisfied that the applicant is eligible for grant of certificate of registration, grant a certificate in Form G of the First Schedule.
- (2) The grant of certificate of registration in Form G of the First Schedule shall be subject to the following, namely:—
- (a) the participant shall pay the registration fee specified in Part A of the Second Schedule in the manner specified in Part B thereof, within fifteen days of the receipt of intimation from the Board;
  - (b) the participant shall comply with the provisions of the Act, Depositories Act, the bye-laws, agreements and these regulations;
  - (c) the depository through which an application for certificate of registration has been forwarded holds a certificate of commencement of business under regulation 16;
  - (d) where the participant proposes change in control, it shall obtain prior approval of the Board for continuing to act as such after the change;
  - (e) if any information previously submitted by the participant to the Board is found to be false or misleading in any material particular, or if there is any change in such information, the participant shall forthwith inform the Board in writing ;
  - (f) the participant shall redress the grievances of beneficial owners within thirty days of the date of the receipt of the complaint and keep the depository informed about the number and the nature of redressals; and
  - (g) the participant shall pay annual fees specified in Part A of the Second Schedule in the manner specified in Part B thereof.
- (3) The certificate of registration granted under sub-regulation (1) shall be valid unless it is suspended or cancelled by the Board.
- (4) The participant who has already been granted certificate of registration by the Board, prior to the commencement of the Securities and Exchange Board of India (Change in Conditions of Registration of Certain Intermediaries) (Amendment) Regulations, 2016 shall be deemed to have been granted a certificate of registration, in terms of sub-regulation (1).
- (5) The participant, to keep the registration in force, shall pay registration fee as specified in Part A of the Second Schedule for every five years from the sixth year of the date of grant of certificate of registration or of the date of grant of certificate of initial registration granted prior to the commencement of the Securities and Exchange Board of India (Change in Conditions of Registration of Certain Intermediaries) (Amendment) Regulations, 2016, as the case may be.

- (6) The fee specified in sub-regulation (5) shall be paid three months prior to the expiry of the block for which the fee has been paid.
- (7) The participant shall immediately intimate the Board, details of changes that have taken place in the information that was submitted, while seeking registration.

#### **Participants to abide by code of conduct**

- 37.** The participant holding a certificate of registration shall, at all times, abide by the Code of Conduct as specified in Part A of Third Schedule.

#### **Acting as participant in more than one depository**

- 38.** (1) A participant who has been granted a certificate of registration may act as a participant of another depository without obtaining separate certificate of registration subject to approval by such other depository.
- (2) Such a participant who desires to act as a participant of another depository shall apply to such other depository for approval in the manner as specified by the Board.
- (3) On receipt of an application under sub-regulation (2), the depository shall, on being satisfied with the compliance of the provisions of these regulations and other relevant eligibility requirements specified by the Board, grant approval to act as its participant subject to payment of registration fees specified in Part A of Second Schedule in the manner specified in Part B thereof, by the participant within fifteen days of the receipt of intimation from the depository.
- (4) The depository shall inform the Board about the approval granted under sub-regulation
- (5) A participant who has been granted approval under sub-regulation (3) shall pay annual fees specified in Part A of Second Schedule in the manner specified in Part B thereof, separately for each depository.
- (6) To keep the registration in force, a participant who has been granted approval under sub-regulation (3) shall pay registration fees specified in Part A of Second Schedule in the manner specified in Part B thereof, for every five years from the sixth year of the date of grant of approval by the depository.

#### **Procedure where certificate of registration is not granted**

- 39.** (1) Where an application for the grant of certificate of registration under regulation 32 does not satisfy the requirements specified in regulation 35, the Board shall reject the application after giving the applicant an opportunity of being heard.
- (2) The decision of the Board to reject the application shall be communicated to the applicant in writing within thirty days of such decision, stating therein the grounds on which the application has been rejected.

### **CHAPTER VII**

#### **RIGHTS AND OBLIGATIONS OF DEPOSITORIES, PARTICIPANTS, ISSUERS, MANNER OF SURRENDER OF CERTIFICATE OF SECURITY AND CREATION OF PLEDGE OR HYPOTHECATION**

##### **Rights and obligations of depositories, etc.**

- 40.** The depositories, participants, issuers, and issuers' agents, in addition to the rights and obligations laid down in the Depositories Act and the bye-laws shall have the rights and obligations arising from the agreements entered into by them.

##### **Depository to declare specific securities eligible**

- 41.** Every depository shall, in its bye-laws, state the specific securities which are eligible for being held in dematerialised form in the depository.

**Security eligible for dematerialisation**

**42.** The following securities shall be eligible for being held in dematerialised form in a depository :—

- (a) shares, scrips, stocks, bonds, debentures, debenture stock, Indian Depository Receipts or other marketable securities of a like nature in or of any incorporated company or other body corporate;
- (b) units of mutual funds, rights under collective investment schemes and venture capital funds, commercial paper, certificates of deposit, securitised debt, money market instruments, Government securities and unlisted securities shall also be similarly eligible for being held in dematerialised form in a depository;
- (c) any other security as may be specified by the Board from time to time, by way of a notification in the Official Gazette and subject to such conditions as it may deem fit to impose.

**Agreement between depository and issuer**

**43.** (1) Either on the issuer or on the investor exercising an option to hold his securities with a depository in dematerialised form, the issuer shall enter into an agreement with the depository to enable the investor to dematerialise the securities:

Provided that no agreement shall be required to be entered into where the depository itself is an issuer of securities:

Provided further that no such agreement shall be required to be entered into where the State or the Central Government is the issuer of Government securities.

(2) Where the issuer has appointed a Registrar to the Issue or Share Transfer Agent, who has been granted certificate of registration by the Board under sub-section (1) of section 12 of the Act, the depository shall enter into a tripartite agreement with the issuer and the Registrar to the Issue or Share Transfer Agent, as the case may be, in respect of the securities to be declared by the depository as eligible to be held in dematerialised form.

**Systems and procedures**

**44.** Every depository shall have systems and procedures which will enable it to co-ordinate with the issuer or its agent, and the participants, to reconcile the records of ownership of securities with the issuer or its agent, as the case may be, and with participants, on a daily basis.

**Connectivity**

**45.** Every depository shall maintain continuous electronic means of communication with all its participants, issuers or issuers' agents, as the case may be, clearing houses and clearing corporations of the stock exchanges and with other depositories.

**Mechanism for investor protection**

**46.** The depository shall satisfy the Board that it has a mechanism in place to ensure that the interests of the persons buying and selling securities held in the depository are adequately protected.

**Withdrawal by participant**

**47.** Every depository shall allow any participant to withdraw, or transfer its account, if the request for such withdrawal or transfer is in accordance with conditions stipulated therefor in the bye-laws of the depository.

**Internal monitoring, review and evaluation of systems and controls**

**48.** Every depository shall have adequate mechanisms for the purposes of reviewing, monitoring and evaluating the depository's controls systems, procedures and safeguards.

**External monitoring, review and evaluation of systems and controls**

**49.** Every depository shall cause an inspection of its controls, systems, procedures and safeguards to be carried out annually and forward a copy of the report to the Board.

**Business Continuity Plan**

**50.** A depository shall have adequate Business Continuity Plan for data and electronic records to prevent, prepare for, and recover from any disaster.

**Wind-down Plan.**

**51.** Every depository shall devise and maintain a wind-down plan in accordance with guidelines specified by the Board.

*Explanation:* For the purpose of this regulation, 'wind-down plan' means a process or plan of action employed, for transfer of the beneficial owner accounts and other two operational powers of the depository to an alternative institution that would take over the operations of the depository in scenarios such as erosion of net-worth of the depository or its insolvency or its inability to provide critical depository operations or services.

**Insurance against risks**

**52.** Every depository shall take adequate measures including insurance to protect the interests of the beneficial owners against risks likely to be incurred on account of its activities as a depository.

**Manner of keeping records**

**53.** Where records are kept electronically by the depository, it shall ensure that the integrity of the automatic data processing systems is maintained at all times and take all precautions necessary to ensure that the records are not lost, destroyed or tampered with and in the event of loss or destruction, ensure that sufficient back up of records is available at all times at a different place.

**Records to be maintained.**

**54.** (1) Every depository shall maintain the following records and documents, namely :—

- (a) records of securities dematerialised and rematerialised;
- (b) the names of the transferor, transferee, and the dates of transfer of securities;
- (c) a register and an index of beneficial owners;
- (d) details of the holding of the securities of beneficial owners as at the end of each day;
- (e) records of instructions received from and sent to participants, issuers, issuers' agents and beneficial owners;
- (f) records of approval, notice, entry and cancellation of pledge or hypothecation, as the case may be;
- (g) details of participants;
- (h) details of securities declared to be eligible for dematerialisation in the depository; and
- (i) such other records as may be specified by the Board for carrying on the activities as a depository.

(2) Every depository shall intimate the Board the place where the records and documents are maintained.

(3) Subject to the provisions of any other law the depository shall preserve records and documents for a minimum period of eight years.

**Co-operation with other entities**

**55.** Every depository shall extend all such co-operation to the beneficial owners, issuers, issuers' agents, custodians of securities, other depositories and clearing organizations as is necessary for the effective, prompt and accurate clearance and settlement of securities transactions and conduct of business.

**Consolidated account statement**

**56.** In order to enable generation of a consolidated account statement for the use of a beneficial owner in respect of all demat assets held by him, the depository shall enter into necessary agreements for sharing of such information.

**Prohibition of assignment**

**57.** No depository shall assign or delegate to any other person its functions as a depository, without the prior approval of the Board.

**Agreement by participant**

**58.** Every participant shall enter into an agreement with a beneficial owner before acting as a participant on his behalf, in a manner specified by the depository in its bye-laws.

**Separate accounts**

**59.** (1) Separate accounts shall be opened by every participant in the name of each of the beneficial owners and the securities of each beneficial owner shall be segregated, and shall not be mixed up with the securities of other beneficial owners or with the participant's own securities.

(2) A participant shall register the transfer of securities to or from a beneficial owner's account only on receipt of instructions from the beneficial owner and thereafter confirm the same to the beneficial owner in a manner as specified by the depository in its bye-laws.

(3) Every entry in the beneficial owner's account shall be supported by electronic instructions or any other mode of instruction received from the beneficial owner in accordance with the agreement with the beneficial owner.

**Statement of accounts**

**60.** Every participant shall provide statements of account to the beneficial owner in such form and in such manner and at such time as provided in the agreement with the beneficial owner.

**Transfer or withdrawal by beneficial owner**

**61.** Every participant shall allow a beneficial owner to withdraw or transfer from his account in such manner as specified in the agreement with the beneficial owner.

**Connectivity**

**62.** Every participant shall maintain continuous electronic means of communication with each depository in which it is a participant.

**Monitoring, reviewing and evaluating internal systems and controls**

**63.** Every participant shall have adequate mechanism for the purpose of reviewing, monitoring and evaluating the participant's internal accounting controls and systems.

**Reconciliation**

**64.** Every participant shall reconcile his records with every depository in which it is a participant on a daily basis.

**Returns**

**65.** Every participant shall submit periodic returns to the Board and to every depository in which it is a participant in the format specified by the Board or the bye-laws of the depository, as the case may be.

**Record of services**

**66.** (1) Every participant shall maintain the following records and documents, namely :—

(a) records of all the transactions entered into with a depository and with a beneficial owner;

(b) details of securities dematerialised, rematerialised on behalf of beneficial owners with whom it has entered into an agreement;

(c) records of instructions received from beneficial owners and statements of account provided to beneficial owners; and

(d) records of approval, notice, entry and cancellation of pledge or hypothecation, as the case may be.

- (2) Every participant shall make available for the inspection of the depository in which it is a participant all records referred to in sub-regulation (1).
- (3) Every participant shall allow persons authorised by the depository in which it is a participant to enter its premises during normal office hours and inspect its records.
- (4) Every participant shall intimate the Board the place where the records and documents are maintained.
- (5) Subject to the provisions of any other law, the participant shall preserve records and documents for a minimum period of eight years.

#### **Manner of keeping records**

67. Where records are kept electronically by the participant it shall ensure that the integrity of the data processing systems is maintained at all times and take all precautions necessary to ensure that the records are not lost, destroyed or tampered with and in the event of loss or destruction, ensure that sufficient back up of records is available at all times at a different place.

#### **Records to be maintained depository-wise**

68. If a participant enters into an agreement with more than one depository, it shall maintain the records specified in regulation 66 separately in respect of each depository.

#### **Prohibition of assignment**

69. No participant shall assign or delegate its functions as participant to any other person, without the prior approval of the depository.

#### **Agreement by issuer**

70. Every issuer whose securities have been declared as eligible to be held in dematerialised form in a depository shall enter into an agreement with the depository in accordance with the provisions of regulation 43:

Provided that no agreement shall be required to be entered into in case,—

- (i) the depository is the issuer of securities; or
- (ii) the State or the Central Government is the issuer of Government securities.

#### **Manner of handling share registry work**

71. All matters relating to transfer of securities, maintenance of records of holders of securities, handling of physical securities and establishing connectivity with the depositories shall be handled and maintained at a single point *i.e.* either in-house by the issuer or by a Share Transfer Agent registered with the Board.

#### **Redressal of investor grievances**

72. Every issuer or its agent or any person who is registered as an intermediary under this regulation, shall redress the grievances of beneficial owners within thirty days of the date of receipt of the complaint and keep the depository informed about the number and nature of grievances redressed by it and the number of grievances pending before it.

#### **Investor Protection Fund**

73. (1) Every depository shall establish and maintain an Investor Protection Fund for the protection of interest of beneficial owners:

Provided that this Fund shall not be used by the depository for the purpose of indemnifying the beneficial owner under section 16 of the Depositories Act, 1996.

(2) Every depository shall credit five percent or such percentage as may be specified by the Board, of its profits from depository operations every year to the Investor Protection Fund.

(3) The contribution to and utilization of the Investor Protection Fund shall be in accordance with the norms specified by the Board.

**Manner of surrender of certificate of security**

- 74.** (1) Any beneficial owner, who has entered into an agreement with a participant, shall inform the participant of the details of the certificate of security which is to be dematerialised, and shall surrender such certificate to the participant :

Provided that where a beneficial owner has appointed a custodian of securities, then he may surrender the certificates of security to the participant through his custodian of securities.

(2) The participant shall, on receipt of information under sub-regulation (1), forward such details of the certificate of security to the depository and shall confirm to the depository that an agreement has been entered into between the participant and the beneficial owner.

(3) The participant shall maintain records indicating the names of beneficial owners of the securities surrendered, the number of securities and other details of the certificate of security received.

(4) The participant shall, within seven days of the receipt of certificate of security referred to in sub-regulation (1) furnish to the issuer details specified in sub-regulation (2) along with the certificate of security.

(5) Within fifteen days of receipt of the certificate of security from the participant the issuer shall confirm to the depository that securities comprised in the said certificate have been listed on the stock exchange or exchanges where the earlier issued securities are listed and shall also after due verification immediately mutilate and cancel the certificate of security and substitute in its record the name of the depository as the registered owner and shall send a certificate to this effect to the depository and to every stock exchange where the security is listed:

Provided that in case of unlisted companies the condition of listing on all the stock exchanges where earlier issued shares are listed, shall not be applicable.

(6) Immediately upon receipt of information from the issuer under sub-regulation (5), the depository shall enter in its records the name of the person who has surrendered the certificate of security as the beneficial owner, as well as the name of the participant from whom it has received intimation under sub-regulation (2), and shall send an intimation of the same to the participant.

(7) The issuer shall maintain a record of certificates of securities which have been dematerialised.

**Reconciliation**

- 75.** The issuer or its agent shall reconcile the records of dematerialised securities with all the securities issued by the issuer, on a daily basis:

Provided that where the State or the Central Government is the issuer of Government securities, the depository shall, on a daily basis, reconcile the records of the dematerialised securities.

**Audit**

- 76.** (1) Every issuer shall submit audit report on a quarterly basis, starting from September 30, 2003, to the concerned stock exchanges audited by a qualified Chartered Accountant or a practicing Company Secretary, for the purposes of reconciliation of the total issued capital, listed capital and capital held by depositories in dematerialized form, the details of changes in share capital during the quarter and the in-principle approval obtained by the issuer from all the stock exchanges where it is listed in respect of such further issued capital.

(2) The audit report under sub-regulation (1) shall also give the updated status of the register of members of the issuer and confirm that securities have been dematerialized as per requests within twenty one days from the date of receipt of requests by the issuer and where the dematerialization has not been effected within the said stipulated period, the report shall disclose the reasons for such delay.

(3) The issuer shall immediately bring to the notice of the depositories and the stock exchanges, any difference observed in its issued, listed, and the capital held by depositories in dematerialised form.

**Connectivity**

77. Every issuer or its agent shall establish continuous electronic means of communication with the depository with which it has entered into an agreement.

**Information**

78. Every issuer whose securities have been declared as eligible for dematerialisation in a depository shall give information to the depository about book closures, record dates, dates for the payment of interest or dividend, dates for annual general meetings and other meetings, dates for redemption of debentures, dates for conversion of debentures and warrants, call money dates and such other information at the time and in the manner as may be specified by the depository in its bye-laws or agreement:

Provided that no such information would be required to be given to the depository where the State or the Central Government is the issuer of Government securities.

**Manner of creating pledge or hypothecation**

79. (1) If a beneficial owner intends to create a pledge on a security owned by him he shall make an application to the depository through the participant who has his account in respect of such securities.
- (2) The participant after satisfaction that the securities are available for pledge shall make a note in its records of the notice of pledge and forward the application to the depository.
- (3) Within fifteen days of receipt of the application, the depository shall after concurrence of the pledgee through its participant, create and record the pledge and send an intimation of the same to the participants of the pledger and the pledgee.
- (4) On receipt of the intimation under sub-regulation (3) the participants of both the pledger and the pledgee shall inform the pledger and the pledgee respectively of the entry of creation of the pledge.
- (5) If the depository does not create the pledge, it shall send along with the reasons an intimation to the participants of the pledger and the pledgee.
- (6) The entry of pledge made under sub-regulation (3) may be cancelled by the depository if pledger or the pledgee makes an application to the depository through its participant:
- Provided that no entry of pledge shall be cancelled by the depository without prior concurrence of the pledgee.
- (7) The depository on the cancellation of the entry of pledge shall inform the participant of the pledger.
- (8) Subject to the provisions of the pledge document, the pledgee may invoke the pledge and on such invocation, the depository shall register the pledgee as beneficial owner of such securities and amend its records accordingly.
- (9) After amending its records under sub-regulation (8) the depository shall immediately inform the participants of the pledger and pledgee of the change who in turn shall make the necessary changes in their records and inform the pledger and pledgee respectively.
- (10) If a beneficial owner intends to create a hypothecation on a security owned by him he may do so in accordance with the provisions of sub-regulations (1) to (9).
- (11) The provisions of sub-regulations (1) to (9) shall *mutatis mutandis* apply in such cases of hypothecation:

Provided that the depository before registering the hypothecatee as a beneficial owner shall obtain the prior concurrence of the hypothecator.

- (12) No transfer of security in respect of which a notice or entry of pledge or hypothecation is in force shall be effected by a participant without the concurrence of the pledgee or the hypothecatee, as the case may be.

**Investment advice**

80. (1) A depository or a participant or any of their employees shall not render, directly or indirectly, any investment advice about any security in the publicly accessible media, whether real-time or non-real-time,

unless a disclosure of his interest including long or short position in the said security has been made, while rendering such advice.

(2) In case an employee of the depository or the participant is rendering such advice, he shall also disclose the interest of his dependent family members and the employer including their long or short position in the said security, while rendering such advice.

#### **Appointment of compliance officer**

**81.** A depository and a participant shall appoint a compliance officer who shall be responsible for monitoring the compliance of the Act, rules and regulations, notifications, guidelines, instructions, etc., issued thereunder and for redressal of investors' grievances.

(2) The compliance officer shall immediately and independently report to the Board any non-compliance observed by him.

#### **Equal, fair and transparent access**

**82.** A depository shall ensure equal, unrestricted, transparent and fair access to all persons without any bias towards its associates and related entities.

### **CHAPTER VIII LISTING OF SECURITIES**

#### **Listing**

**83.** (1) Subject to the provisions of applicable laws in force, a depository may apply for listing of its securities on a recognised stock exchange if,—

(a) it is compliant with the provisions of these regulations particularly those relating to ownership and governance;

(b) it has completed three years of continuous depository operations immediately preceding the date of application of listing; and

(c) it has obtained approval of the Board.

(2) The Board may specify such conditions as it may deem fit in the interest of the securities market including those in relation to transfer of shares held by any person.

(3) A depository or its associates shall not list its securities on a recognized stock exchange that is an associate of the depository.

### **CHAPTER IX INSPECTION**

#### **Board's right to inspect**

**84.** The Board may appoint one or more persons as inspecting officer to undertake inspection of the books of account, records, documents and infrastructure, systems and procedures, or to investigate the affairs of a depository, a participant, a beneficial owner an issuer or its agent for any of the following purposes, namely:—

(a) to ensure that the books of account are being maintained by the depository, participant, issuer or its agent in the manner specified in these regulations;

(b) to look into the complaints received from the depositories, participants, issuers, issuers' agents, beneficial owners or any other person;

(c) to ascertain whether the provisions of the Act, the Depositories Act, the bye-laws, agreements and these regulations are being complied with by the depository, participant, beneficial owner, issuer or its agent;

(d) to ascertain whether the systems, procedures and safeguards being followed by a depository, participant, beneficial owner, issuer or its agent are adequate;

- (e) to *suo motu* ensure that the affairs of a depository, participant, beneficial owner, issuer or its agent, are being conducted in a manner which are in the interest of the investors or the securities market.

#### **Notice before inspection and investigation.**

- 85.** (1) Before ordering an inspection or investigation under regulation 84, the Board shall give not less than ten days notice to the depository, participant, beneficial owner, issuer or its agent, as the case may be.
- (2) Notwithstanding anything contained in sub-regulation (1), where the Board is satisfied that in the interest of the investors no such notice should be given, it may, by an order in writing direct that such inspection be taken up without such notice.
- (3) During the course of an inspection or investigation, the depository, a participant, a beneficial owner, an issuer or its agent against whom the inspection or investigation is being carried out shall be bound to discharge his obligation as provided in regulation 86.

#### **Obligations on inspection by the Board**

- 86.** (1) It shall be the duty of the depository, a participant, a beneficial owner, an issuer or its agent whose affairs are being inspected or investigated, and of every director, officer and employee thereof, to produce to the inspecting officer such books, securities, accounts, records and other documents in its custody or control and furnish him with such statements and information relating to his activities as a depository, a participant, a beneficial owner, an issuer or its agent, as the inspecting officer may require, within such reasonable period as the inspecting officer may specify.
- (2) The depository, a participant, a beneficial owner, an issuer or its agent also allow the inspecting officer to have reasonable access to the premises occupied by him or by any other person on his behalf and also extend reasonable facility for examining any books, records, documents and computer data in the possession of the depository, a participant, a beneficial owner, an issuer or its agent or such other person and also provide copies of documents or other materials which, in the opinion of the inspecting officer are relevant for the purposes of the inspection.
- (3) The inspecting officer, in the course of inspection or investigation, shall be entitled to examine or to record the statements of any director, officer or employee of the depository, a participant, a beneficial owner, an issuer or its agent.
- (4) It shall be the duty of every director, officer or employee of the depository, a participant, a beneficial owner, an issuer or its agent to give to the inspecting officer all assistance in connection with the inspection, which the inspecting officer may reasonably require.

#### **Submission of report to the Board**

- 87.** The inspecting officer shall, as soon as possible, on completion of the inspection or investigation as the case may be, submit a report to the Board:

Provided that if directed to do so by the Board, he may submit interim reports.

#### **Action on inspection or investigation report**

- 88.** The Board or the Chairman shall after consideration of inspection or investigation report take such action as the Board or Chairman may deem fit and appropriate including action under Chapter V of the Securities and Exchange Board of India (Intermediaries) Regulations, 2008.

#### **Appointment of Auditor**

- 89.** The Board shall have the power to appoint an auditor to inspect or investigate, into the books of account, records, documents, infrastructures, systems and procedures or affairs of a depository, a participant, a beneficial owner, an issuer or its agent :

Provided that the auditor so appointed shall have the same powers of the inspecting or investigating officer as stated in regulations 84 and 85, and the obligation of the depository, participant, beneficial owner, issuer or its agent and their respective directors, officers and employees, as the case may be, as stated in regulation 86, shall be applicable to the inspection or investigation under this regulation.

**Board to recover the expenses**

- 90.** The Board shall be entitled to recover from the depository, participant, beneficial owner, issuer or its agent, as the case may be, such expenses including fees paid to the auditors as may be incurred by it for the purposes of inspecting or investigating the books of account, records, documents, infrastructures, system and procedures of the depository, participant, beneficial owner, issuer or its agent, as the case may be.

**Application of Chapter**

- 91.** Nothing contained in this Chapter shall be applicable to the State or the Central Government where it is the issuer of the Government securities.

**CHAPTER X****PROCEDURE FOR ACTION IN CASE OF DEFAULT****Liability for action in case of default**

- 92.** Without prejudice to the power of the Board to take action, under the provisions of the Act and the Depositories Act, if a depository or a participant:-

- (a) contravenes any of the provisions of the Act, the Depositories Act, the bye-laws, agreements and these regulations;
- (b) fails to furnish any information relating to its activity as a depository or participant as required under these regulations;
- (c) does not furnish the information called for by the Board under clause (a) of sub-section (1) of section 18 of the Depositories Act or furnishes information which is false or misleading in any material particular;
- (d) does not co-operate in any inspection or investigation or enquiry conducted by the Board;
- (e) fails to comply with any direction of the Board issued under section 18 of the Depositories Act;
- (f) fails to pay the annual fee referred to in regulation 8,

shall be dealt with in the manner provided under Chapter V of the Securities and Exchange Board of India (Intermediaries) Regulations, 2008.

**Liability for action in case of default by issuer or its agent**

- 93.** (1) If an issuer or its agent -

- (a) contravenes any of the provisions of the Depositories Act, the byelaws, agreements, these regulations and directions issued thereunder;
- (b) fails to furnish any information relating to its activity as an issuer as required under these regulations;
- (c) does not furnish the information called for by the Board under clause (a) of sub-section (1) of section 18 of the Depositories Act or furnishes information which is false or misleading in any material particular;
- (d) does not co-operate in any inspection or investigation or enquiry conducted by the Board;
- (e) fails to comply with any direction of the Board issued under section 18 of the Depositories Act,

the Board may, without prejudice to any other action which it may take under the Act, take any action against such issuer or its agent under the Depositories Act.

- (2) The depository shall conduct inspection of the records of the issuers or agents, as the case may be to ensure that the records of dematerialised securities are reconciled with all the securities issued by the issuer and submit its report to the Board if there is failure by the issuers or agents in such reconciliation of records.

## CHAPTER XI

### MISCELLANEOUS

#### **Power to call for information**

- 94.** The Board may from time to time call for any information, documents or records from the depository or its governing board or any shareholder or applicant thereof and from depository participant.

#### **Directions by the Board**

- 95.** Without prejudice to exercise of its powers under the provisions of the Act, Depositories Act, 1996 and rules and regulations made thereunder, the Board may, either suo motu or on receipt of any information or during pendency of any inspection, inquiry or investigation or on completion thereof, in the interest of public or trade or investors or the securities market, issue such directions as it deems fit, including but not limited to any or all of the following:—

- (a) directing a person holding equity shares or rights over equity shares in a depository in contravention of these regulations to divest his holding, in such manner as may be specified in the direction;
- (b) directing transfer of any proceeds or securities to the Investor Protection Fund of a depository;
- (c) debarring any depository, any shareholder of such depository, or any associate and agent of such shareholder, or any transferee of shares from such shareholder, or applicant(s), director(s) and key management personnel(s) of the depository from accessing the securities market and/or dealing in securities for such period as may be determined by the Board.

#### **Power to remove difficulties**

- 96.** In order to remove any difficulties in the interpretation or application of the provisions of these regulations, the Board shall have the power to issue directions through guidance notes or circulars.

#### **Power to specify procedures, etc. and issue clarifications**

- 97.** For the purposes of implementation of these regulations and matters incidental thereto, the Board may specify norms, procedures, processes, manners or guidelines as specified in these regulations, by way of circulars.

#### **Repeal and savings**

- 98.** (1) On and from the commencement of these regulations, the Securities and Exchange Board of India (Depositories and Participants) Regulations, 1996, shall stand repealed.
- (2) Notwithstanding such repeal, anything done or any action taken or purported to have been taken or contemplated under the repealed regulations before the commencement of these regulations shall be deemed to have been done or taken or commenced or contemplated under the corresponding provisions of these regulations.
- (3) After the repeal of the regulations referred to in sub-regulation (1), any reference thereto in any regulation, guideline, circular or direction issued by the Board shall be deemed to be a reference to the relevant provisions of these regulations.

**FIRST SCHEDULE****FORMS****FORM A**

Securities and Exchange Board of India (Depositories and  
Participants) Regulations, 2018

[See regulation 3]

**Application for grant of certificate of registration as depository**

Securities and Exchange Board of India, C4-A, 'G' Block, Bandra-Kurla Complex,  
Bandra (East) Mumbai 400051 - India,

**INSTRUCTIONS**

- i. This form is meant for use by each person acting as the applicant of a depository.
- ii. The applicant should complete this form, and submit it, along with all supporting documents to the Board at its head office at Mumbai.
- iii. This application form should be filled in accordance with the regulations.
- iv. Application for grant of certificate of registration as depository, will be considered provided it is complete in all respects.
- v. All answers must be typed.
- vi. Information which needs to be supplied in more detail may be given on separate sheets which should be attached to the application form.
- vii. The application must be signed and all signatures must be original.
- viii. The application must be accompanied by an application fee as specified in the Second Schedule to these regulations and by the draft bye-laws.
- ix. Every page of the form and every additional sheet must be initialed by the authorised signatory of the applicant.
- x. All copies of documents should be *attested* as true by an authorised notary.

***Items 1-6 pertain to an applicant***

1. Name, address of the registered office, address for correspondence, telephone number(s), fax number(s), telex number(s) and the name of the contact person of the applicant.
2. Please indicate the name of the depository which is proposed to be established by the applicant.
3. Please indicate the names of other depositories, if any, which have been sponsored by the applicant, or in which the applicant is acting as participant.
4. Please indicate the category to which the applicant belongs as per regulation 6 read with sub-regulation (1) and (2) of regulation 21.
5. Please provide the following details of each applicant:
  - (a) Date of incorporation or establishment, and the statute, if any, under which established (enclose certificate of incorporation, memorandum and articles of association or statutory provisions, if any).
  - (b) Objects of the applicant.
  - (c) Details of the nature of activities carried on by the applicant.
  - (d) Details of affiliates and subsidiaries, and activities carried on by them.
  - (e) Details of registration with the Securities and Exchange Board of India, the Reserve Bank of India or with any foreign regulatory authority of the applicant, its affiliates and its subsidiaries (enclose documents supporting such registration).

(f) Net worth of the applicant (enclose a copy of the latest audited financial statements).

(g) Percentage and amount of the paid up capital of the proposed depository which the applicant is to hold.

**6. Declaration statement (to be given as below) by each applicant.**

We hereby agree and declare that the information supplied in the application, including the attachment sheets, is complete and true.

And we further agree that we will notify Securities and Exchange Board of India immediately any change in the information provided in the application.

We further agree that we shall comply with, and be bound by the Securities and Exchange Board of India Act, 1992, and Securities and Exchange Board of India (Depositories and Participants) Regulations, 2018, and such other guidelines/instructions which may be announced by the Securities and Exchange Board of India from time to time.

We further agree that as a condition of registration, we shall abide by such operational instructions/directives as may be issued by the Securities and Exchange Board of India from time to time.

For and on behalf of.....

(Name of the applicant)

Authorised signatory.....

(Name)

.....

(Signature)

Date:

Place:

***Items 7-14 pertain to the depository, and should be filled in accordingly***

**7.** Name, address of the registered office, address for correspondence, telephone number(s), fax number(s), telex number(s) and the name of the contact person of the applicant.

**8.** Date of incorporation of the depository (enclose certificate of incorporation and memorandum and articles of association)

(a) Objects (main and ancillary) of the depository.

(b) Authorised, issued, subscribed and paid-up capital of the depository.

(c) Proposed net worth of the depository.

(d) Details of proposed shareholding of each applicant.

**9.** The following details may be given for each director of the depository, and for its principal officer.

(a) Name, age, nationality.

(b) Details of educational and other qualifications.

(c) Details of experience.

(d) Details of other directorships held.

(e) Details of any litigation connected with the securities market which has an adverse bearing on the business of the depository, involving the director or principal officer, and details of any conviction of the director or principal officer for a crime involving moral turpitude or of any economic offence for which the director or principal officer has been found guilty.

**10.** Please indicate the details of staff and organisation structure that is proposed to be set-up prior to commencement of business.

**11.** Details of infrastructure such as premises and automatic data processing, storage and back up systems and procedures, communication systems that are proposed to be set-up prior to commencement of business.

**12.** Internal evaluation and monitoring systems that are proposed to be set-up prior to the commencement of business.

**13.** Arrangements for indemnification of beneficial owners that are proposed to be put in place, including details of insurance cover proposed to be taken prior to the commencement of business.

**14.** Declaration statement (to be given as below).

We hereby agree and declare that the information supplied in the application including the attachment sheets, is complete and true.

And we further agree that, we will notify Securities and Exchange Board of India immediately any change in the information provided in the application.

We further agree that we shall comply with, and be bound by the Securities and Exchange Board of India Act, 1992, and Securities and Exchange Board of India (Depositories and Participants) Regulations, 2018, and such other guidelines/instructions which may be announced by the Securities and Exchange Board of India from time to time.

We further agree that as a condition of registration, we shall abide by such operational instructions/directives as may be issued by the Securities and Exchange Board of India from time to time.

For and on behalf of.....

(Name of the applicant)

Authorised signatory.....

.....

(Name)

(Signature)

Date:

Place:

### **FORM B**

Securities and Exchange Board of India (Depositories  
and Participants) Regulations, 2018

[See regulation 7]

#### **Certificate of registration as depository**

I. In exercise of the powers conferred by sub-section (1A) of section 12 of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992) read with the regulations made thereunder and with the Depositories Act, 1996 ( 22 of 1996) the Board hereby grants a certificate of registration to.....as a Depository subject to the conditions specified in the Act, the Depositories Act and the regulations made thereunder.

II. Registration Number for the Depository is IN/SD///

Date :

Place : Mumbai

Sd/-

For and on behalf of the  
Securities and Exchange Board of India

### **FORM C**

Securities and Exchange Board of India (Depositories  
and Participants) Regulations, 2018

[See regulation 11]

#### **Application for grant of certificate of commencement of business as depository**

Securities and Exchange Board of India, C4-A, 'G' Block, Bandra-Kurla Complex,

Bandra (East) Mumbai 400051 – India

## INSTRUCTIONS

- i.* This form is meant for use by a depository granted a certificate of registration by the Securities and Exchange Board of India.
  - ii.* The applicant should complete this form, and submit it, along with all supporting documents to the Board at its head office at Mumbai.
  - iii.* This application form should be filled in accordance with the regulations.
  - iv.* Application for grant of certificate of commencement of business will be considered provided it is complete in all respects.
  - v.* All answers must be typed.
  - vi.* Information which needs to be supplied in more detail may be given on separate sheets which should be attached to the application form.
  - vii.* The application must be signed and all signatures must be original.
  - viii.* Every page of the form and every additional sheet must be initialled by the authorised signatory of the applicant.
  - ix.* All copies of documents should be attested as true by an authorised notary.
1. Name and registration number of the applicant.
  2. Date of grant of certificate of registration to the applicant.
  3. Please indicate whether bye-laws have been approved by the Board.
  4. Please indicate the details of staff and organisation structure that has been set-up.
  5. Please indicate the background and experience of key personnel.
  6. Internal evaluation and monitoring systems including details of background and experience of personnel involved that have been set-up (enclose copies of risk management and operations manuals).
  7. Please provide the following details of the automatic data processing and communications systems :
    - (a) details of hardware, software and communications systems, their capability, function and location;
    - (b) details of data storage and back up procedures and sites, their capability, function and location;
    - (c) details of disaster recovery systems and procedures.
  8. Please indicate whether premises and automatic data processing and communications systems are owned, leased or rented (enclose copies of title lease or rental agreements).
  9. Please indicate arrangements that have been put in place in order to indemnify beneficial owners.
  10. Please enclose copy of insurance cover that has been taken.
  11. Please enclose a copy of the participation agreement to be entered into with different categories of participants.
  12. Please enclose a copy of the agreement to be entered into with the issuer, or with the issuer and his registrar.
  13. Please enclose a copy of the agreement to be entered into between the participant, as the depository's agent, and the beneficial owners.
  14. Declaration statement (to be given as below) :

We hereby agree and declare that the information supplied in the application, including the attachment sheets, is complete and true.

And we further agree that, we will notify the Securities and Exchange Board of India immediately of any change in the information provided in the application.

We further agree that we shall comply with, and be bound by the Securities and Exchange Board of India Act, 1992, and the Securities and Exchange Board of India (Depositories and Participants) Regulations, 2018, and such other guidelines/instructions which may be announced by the Securities and Exchange Board of India from time to time.

We further agree that as a condition of registration, we shall abide by such operational instructions/directives as may be issued by the Securities and Exchange Board of India from time to time.

For and on behalf of.....

(Name of the applicant)

Authorised signatory.....

(Name)

.....

(Signature)

Date:

Place:

### FORM D

Securities and Exchange Board of India (Depositories  
and Participants) Regulations, 2018

[See regulation 16]

#### Certificate of commencement of business as depository

In exercise of the powers conferred by section 3 of the Depositories Act, 1996 ( 22 of 1996) read with the regulations, the Board hereby grants a certificate of commencement of business to.....as a depository subject to the conditions specified in the Act, the Depositories Act and the regulations made thereunder.

Date:

Place : Mumbai

By Order

Sd/-

For and on behalf of the  
Securities and Exchange Board of India

### FORM E

Securities and Exchange Board of India (Depositories and  
Participants) Regulations, 2018

[See regulation 22(2) and 22(3)]

#### Application for grant of approval for acquisition of shares of a depository

Securities and Exchange Board of India, C4-A, 'G' Block, Bandra-Kurla Complex,  
Bandra (East) Mumbai 400051 – India

#### INSTRUCTIONS

- i. This form is meant for use by a person who acquires shares of a depository in terms of sub-regulation (2) or sub-regulation (3) of regulation (22).
- ii. The applicant should complete this form, and submit it, along with all supporting documents, if any to the Board through the depository concerned.
- iii. This application form should be filled in accordance with the regulations.
- iv. Application seeking approval will be considered provided it is complete in all respects.

- v. All answers must be typed.
- vi. Information which needs to be supplied in more detail may be given on separate sheets which should be attached to the application form.
- vii. The application must be signed and all signatures must be original.
- viii. Every page of the form and every additional sheet must be initialled by the applicant / authorised signatory of the applicant.

1. Name
2. Address
3. Details of employment/ business, if any
4. SEBI registration number, if any
5. Details of registration with other statutory authorities,
6. Declaration regarding the fulfillment of requirements of regulation 23 of these Regulations.
7. Details of action taken / penalties imposed on him by any statutory authority in India or abroad.
8. Details of activities that may, in the opinion of the shareholder, lead to his / its disqualification.
9. Association with depository participants
10. Cases pending before any Court, Tribunal or any other statutory authority in India or abroad, if any.
11. Previous approvals from the Board as fit and proper, if any.
12. Declaration statement (to be given as below) by each applicant.

I / we hereby agree and declare that the information supplied in the application, including the attachment sheets, if any, is complete and true.

And I / we further agree that I / we will notify Securities and Exchange Board of India immediately any change in the information provided in the application.

I / we further agree that we shall comply with, and be bound by the Securities and Exchange Board of India Act, 1992, and Securities and Exchange Board of India (Depositories and Participants) Regulations, 2018, and such other guidelines/instructions which may be announced by the Securities and Exchange Board of India from time to time.

***For and on behalf of.....***

***(Name of the applicant)***

***Authorised signatory.....***

.....

***(Name)***

***(Signature)***

***Date:***

***Place:***

## **FORM F**

Securities and Exchange Board of India (Depositories  
and Participants) Regulations, 2018

[Regulation 32]

### **Application for Grant of Certificate of Registration as Participant**

Securities and Exchange Board of India, C4-A, 'G' Block, Bandra-Kurla Complex,

Bandra (East) Mumbai 400051 – India

## INSTRUCTIONS

- i.* This form is meant for use by an applicant for grant of registration as participant.
  - ii.* The form should be filled in by the applicant and submitted to the depository in which it is acting as participant, who shall forward it, along with all supporting documents to the Board at its head office at Mumbai.
  - iii.* This application form should be filled in accordance with the regulations.
  - iv.* Application for grant of registration, as the case may be, will be considered provided it is complete in all respects.
  - v.* All answers must be typed.
  - vi.* Information which needs to be supplied in more detail may be given on separate sheets which should be attached to the application form.
  - vii.* The application must be signed and all signatures must be original.
  - viii.* The application must be accompanied by an application fee as specified in the Second Schedule to these regulations.
  - ix.* Every page of the form and every additional sheet must be initialed by the authorised signatory of the applicant.
  - x.* All copies of documents should be attested as true by an authorised notary.
1. Name, address of the registered office, address for correspondence, telephone number(s), fax number(s), telex number(s) of the applicant and the name of the contact person.
  2. Please indicate to which of the categories under sub-regulation (a) of regulation 35, the applicant belongs.
  3.
    - (a) Date and place of incorporation or establishment and date of commencement of business (enclose certificate of incorporation, memorandum and articles of association or statutory provisions, if any).
    - (b) Details of the activities carried on by the applicant, in India or overseas.
    - (c) Details of affiliates and subsidiaries of the applicant operating in India, and activities carried on by them.
    - (d) Details of registration with the Securities and Exchange Board of India, the Reserve Bank of India or with any regulatory authority overseas of the applicant, and of its affiliates and subsidiaries operating in India.
    - (e) Date of commencement of business in India and overseas (please enclose copies of the Reserve Bank of India's permission, and if applicable copies of approvals from the Central Government to carry on activities mentioned above).
    - (f) Type and number of beneficial owners on whose behalf the applicant proposes to act as participant (Financial Institutions, Mutual Funds, Foreign Portfolio Investors, Portfolio Managers, Non-Banking Finance Companies, Stock Brokers, Corporates, Individuals, or for own account).
  4. Please give the name and SEBI registration number of the depository in which the applicant is to act as participant.
  5. Please state whether the applicant, his partner, director or principal officer is involved in any litigation connected with the securities market which has an adverse bearing on the business of the applicant; or has at any time been convicted for any moral turpitude or at any time has been found guilty of any economic offence.
  6. Please also state whether there has been any instance of violation or non-adherence to the securities laws, code of ethics/conduct, code of business rules, for which the applicant or its parent or holding company or affiliate may have been subject to economic, or criminal liability, or suspended from carrying out its operations, or the registration revoked temporarily.

7. Please indicate the net worth and paid-up capital in rupees crore as per the latest audited financial statements of the applicant.
8. Please indicate services that the applicant is already providing to beneficial owners on whose behalf the applicant proposes to act as participant, and services proposed to be provided to beneficial owners.
9. Please provide the following details regarding staff involved in activities as participant:
  - (i) organisation structure;
  - (ii) experience and background of key personnel.
10. Please provide the following details regarding safekeeping and security systems and procedures:
  - (i) risk control and operations manuals;
  - (ii) give details of independent internal control mechanisms for monitoring evaluation and review of accounting, and reporting systems and procedures.
11. Please provide the following details regarding automatic data processing systems and record keeping :
  - (i) details of hardware, software and communications systems, their capability, function and location;
  - (ii) details of data storage and back up procedures and sites, their capability, function and location;
  - (iii) details of disaster recovery systems and procedures.
12. Details of insurance cover to be taken up.
13. Please indicate the applicant's shareholding for each depository in which it has such shareholding and whether any shareholding is proposed to be acquired in the depository through which this application is being made.
14. Please enclose a copy of an undertaking from the depository in which the applicant is to act as participant that:
  - (a) the applicant is eligible to act as participant in the depository through which this application is being submitted to the Board, and meets with the eligibility criteria for participants specified in these regulations and in the depository's bye-laws;
  - (b) the applicant has adequate automatic data processing systems, adequate and competent staff, risk management systems, procedures and manuals, disaster recovery procedures, secure data storage and off site back up facilities, adequate communications links and insurance; to enable the applicant to fulfil its obligations as participants to the satisfaction of the depository; and
  - (c) the agreement to be entered into between the participant and beneficial owners has been submitted to the depository in accordance with the depository's bye-laws.
15. Declaration statement (to be given as below).

We hereby agree and declare that the information supplied in the application, including the attachment sheets, is complete and true.

And we further agree that, we will notify Securities and Exchange Board of India immediately any change in the information provided in the application.

We further agree that we shall comply with, and be bound by the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 and the Securities and Exchange Board of India (Depositories and Participants) Regulations, 2018, and such other guidelines/instructions which may be announced by the Securities and Exchange Board of India from time to time.

We further agree that as a condition of registration, we shall abide by such operational instructions/directives as may be issued by the Securities and Exchange Board of India from time to time.

For and on behalf of.....

(Name of the applicant)

Authorised signatory.....

.....

(Name)

(Signature)

Date:

Place:

**FORM G**Securities and Exchange Board of India (Depositories  
and Participants) Regulations, 2018

[Regulation 36]

**Certificate of Registration as Participant**

I. In exercise of the powers conferred by sub-section (1A) of section 12 of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992) read with the regulations made thereunder and with the Depositories Act, 1996 ( 22 of 1996) the Board hereby grants a certificate of registration to..... as a participant subject to the conditions specified in the Act, the Depositories Act and the regulations made thereunder.

II. Registration Number for the participant is IN/DP/ / /

III. This certificate of registration shall be valid, unless it is suspended or cancelled by the Board.

Date:

Place: Mumbai

By order

Sd/-

For and on behalf of the  
Securities and Exchange Board of India**SECOND SCHEDULE**

[see regulations 3, 7, 8, 9, 32, 36]

Securities and Exchange Board of India (Depositories  
and Participants) Regulations, 2018**Part A****APPLICATION FEES, REGISTRATION FEES, ANNUAL CHARGE AND ANNUAL FEES**

Application fees payable by applicant	(Rs.) 5,00,000
Application fees payable by participant	(Rs.) 15,000
Registration fees payable by depository	(Rs.) 1,00,00,000
Registration fees payable by participant	(Rs.) 2,00,000
Annual fees payable by depository	(Rs.) 50,00,000
Annual fees payable by participant	(Rs.) 1,000
Annual charges payable by depository	2% of annual custody charges collected by depositories from issuers

**PART B****MANNER OF PAYMENT OF APPLICATION, REGISTRATION, ANNUAL CHARGE AND ANNUAL FEES**

<b>Fees to be paid by</b>	<b>Manner of payment</b>
applicant or depository	By way of direct credit in the bank account through NEFT/RTGS/IMPS or any other mode allowed by RBI or demand draft or bankers cheque payable to the “Securities and Exchange Board of India” at Mumbai.

Participant	Fees to be paid to the depository in which the payer is a Participant. The Depository shall forward the fees collected from participants to the Board, by way of direct credit in the bank account through NEFT/RTGS/IMPS or any other mode allowed by RBI or by a demand draft or bankers cheque payable to the “Securities and Exchange Board of India” at Mumbai.
-------------	--

## PART C

### Securities and Exchange Board of India (Depositories and Participants) Regulations, 2018

[See regulation 25]

### PROCEDURE FOR APPOINTMENT OF DIRECTORS

1. All directors while seeking approval shall submit to the depository the following details
  - a. Name
  - b. Address
  - c. Educational qualification
  - d. Details of employment/ Occupation, past and present
  - e. Details of other directorships
  - f. DIN No.
  - g. Declaration regarding the fulfillment of requirements specified under regulation 23 of these Regulations.
  - h. Declaration confirming compliance of Regulation 24(10) read with Regulation 2(1)(c) of these Regulations, in respect of non-association with trading member or clearing member.
  - i. Details of regulatory action taken by any statutory authority in India.
  - j. Details of activities that may in the opinion of the director, lead to his disqualification.
  - k. Association, if any, with trading members/ depository participants.
  - l. Disclosure of the names of his dependents associated with the securities market as member, depository participant, sub-broker, authorized person or holding any registration granted by the Board.
  - m. An undertaking that he shall abide by the code of conduct and code of ethics prescribed in Part B and Part C of Third Schedule to these Regulations.
  - n. In the case of public interest directors, consent letters for acting as a public interest director.
  - o. Criminal cases completed/ pending before any authority in India or abroad, if any.

(2) The depository, while recommending the names of director, shall forward the above details to the Board, along with the minutes of the meeting of the governing board where the name was approved, copy of the shareholder's resolution (wherever applicable), a confirmation by the depository that the director is a fit and proper person in terms of the criteria specified in these regulations and are not associated with any depository participant, trading member or clearing member in terms of regulation 24(10) read with regulation 2(1)(c) of these Regulations.

#### **Managing Director / Executive Director:-**

(1) The Nomination and Remuneration Committee of the Depository shall be responsible for selection of CEO /Managing Director / Executive Director, as the case may be. The managing director shall be selected through open advertisement in all editions of atleast one national daily from amongst persons qualified in the fields of capital market/ finance/ management and possessing sufficient experience.

(2) In case a vacancy of managing director arises due to unforeseen reasons, the depository shall forward the new names to the Board within 60 days from the date of submission of resignation or such vacation of office.

**Public Interest Directors:-**

(1) The names of public interest directors shall be forwarded to the Board after the approval of the Board of the depository. The shareholders approval shall not be necessary. A minimum of two names shall be submitted to the Board for each vacancy of public interest directors.

(2) The depository shall ensure that public interest directors are selected from diverse field of work. While deciding to propose a particular person as a public interest director, the depository shall also take into account the following factors:

(a) Qualification in the area of law, finance, accounting, economics, management, administration or any other area relevant to the financial markets.

(b) At least one person may be inducted having experience and background in finance/accounts who may preferably be inducted in the audit committee.

(c) Persons currently holding positions of trust and responsibility in reputed organizations or person who have retired from such positions.

(d) Persons who are likely to have interested positions in commercial contracts and financial affairs of depository may be excluded. Also, persons who are regular traders/speculators in the market or are director in the board of the applicant of the depository shall be excluded.

(3) Public interest directors shall peruse the relevant laws, code of conduct, code of ethics, etc and submit an undertaking to the depository that they are aware of their role, responsibilities and obligations. The depository may conduct familiarization programmes for newly appointed Public Interest Directors and may also conduct annual training for every public interest director.

(4) In case of extension of the term of the public interest director or appointment of a new public interest director, the depository shall apply to the Board two months before the expiry of the term. In addition to the other requirements prescribed herein, the application for extension of term of the public interest director shall be accompanied with, his attendance details on meetings of various committees and on the governing board of the stock exchange / clearing corporation, performance review and the reasons for extension of term.

(5) The existing public interest director shall continue holding the post, till a new public interest director is appointed in his place.

**Share Holder Directors:-**

(1) The names of person(s) to be appointed as shareholder director(s) shall first be approved by the governing board of the depository followed by shareholders' approval before submitting the same to the Board for approval.

(2) The manner of election, appointment, tenure, resignation, vacation, etc., of a shareholder director shall be governed by the Companies Act, 2013, save as otherwise specifically provided under these Regulations.

**General conditions on appointment of directors:-**

(1) The depository shall complete the appointment process within 30 days from Boards nomination/approval for directors and submit a compliance report within one week from the date of appointment.

(2) In case any other official of the depository is appointed on the governing board in addition to the Managing Director, the same shall be subject to the approval of shareholders and the Board, in that order.

**PART D**

Securities and Exchange Board of India (Depositories and  
Participants) Regulations, 2018

[See regulation 28 (3)]

**Norms for compensation policy**

(1) Regulation 28 of these Regulations mandates that the compensation policy for key management personnel of depository shall be in accordance with the norms specified by the Board. The compensation norms, in this regard, shall be as follows:—

a. The variable pay component shall not exceed one-third of total pay.

- b. Fifty percent of the variable pay shall be paid on a deferred basis after three years.
  - c. ESOPs and other equity linked instruments in the depository shall not be offered or provided as part of the compensation for the key management personnel.
  - d. The compensation policy shall have malus and clawback arrangements.
- (2) Apart from the above, the compensation policy of the depository shall take into consideration the following:
- a) financial condition / health of the depository
  - b) average levels of compensation payable to employees in similar ranks,
  - c) shall not contain any provisions regarding incentives to take excessive risks over the short term,
  - d) revenues, net profit of the depository,
  - e) comparable to the industry standards,
  - f) role and responsibilities of the key management personnel,
  - g) periodic review
- (3) Further, at the time of seeking approval of the Board for the appointment of the managing director, the depository shall seek approval for the compensation of the managing director from the Board.

### **PART E**

Securities and Exchange Board of India (Depositories and Participants) Regulations, 2018

[See regulation 22(10)]

#### **Monitoring of shareholding limits**

- (1) In terms of sub-regulation (4) of regulation 22, the depository shall put in place a monitoring mechanism to ensure compliance with the shareholding restrictions prescribed in these Regulations at all times. Depository shall:-
- a) Check the shareholding data on a periodic basis to ensure that the shareholding restrictions specified under Chapter IV of these regulations are complied with at all times.
  - b) Upon breach of shareholding limits, intimate the same to the Board within 7 days.
  - c) In case of listed depository, be guided by circular dated January 01, 2016 issued by the Board.

### **THIRD SCHEDULE**

#### **Part-A**

Securities and Exchange Board of India (Depositories and Participants) Regulations, 2018

[See regulation 36]

#### **CODE OF CONDUCT FOR PARTICIPANTS**

1. A participant shall make all efforts to protect the interests of investors.
2. A participant shall always endeavour to—
  - (a) render the best possible advice to the clients having regard to the clients needs and the environments and his own professional skills;
  - (b) ensure that all professional dealings are effected in a prompt, effective and efficient manner;
  - (c) inquiries from investors are adequately dealt with;
  - (d) grievances of investors are redressed without any delay.
3. A participant shall maintain high standards of integrity in all its dealings with its clients and other intermediaries, in the conduct of its business.

4. A participant shall be prompt and diligent in opening of a beneficial owner account, dispatch of the dematerialisation request form, rematerialisation request form and execution of debit instruction slip and in all the other activities undertaken by him on behalf of the beneficial owners.
5. A participant shall endeavour to resolve all the complaints against it or in respect of the activities carried out by it as quickly as possible, and not later than one month of receipt.
6. A participant shall not increase charges/fees for the services rendered without proper advance notice to the beneficial owners.
7. A participant shall not indulge in any unfair competition, which is likely to harm the interests of other participants or investors or is likely to place such other participants in a disadvantageous position while competing for or executing any assignment.
8. A participant shall not make any exaggerated statement whether oral or written to the clients either about its qualifications or capability to render certain services or about its achievements in regard to services rendered to other clients.
9. A participant shall not divulge to other clients, press or any other person any information about its clients which has come to its knowledge except with the approval/authorisation of the clients or when it is required to disclose the information under the requirements of any Act, Rules or Regulations.
10. A participant shall co-operate with the Board as and when required.
11. A participant shall maintain the required level of knowledge and competency and abide by the provisions of the Act, Rules, Regulations and circulars and directions issued by the Board. The participant shall also comply with the award of the Ombudsman passed under the Securities and Exchange Board of India (Ombudsman) Regulations, 2003.
12. A participant shall not make any untrue statement or suppress any material fact in any documents, reports, papers or information furnished to the Board.
13. A participant shall not neglect or fail or refuse to submit to the Board or other agencies with which it is registered, such books, documents, correspondence, and papers or any part thereof as may be demanded/requested from time to time.
14. A participant shall ensure that the Board is promptly informed about any action, legal proceedings, etc., initiated against it in respect of material breach or non-compliance by it, of any law, Rules, regulations, directions of the Board or of any other regulatory body.
15. A participant shall maintain proper inward system for all types of mail received in all forms.
16. A participant shall follow the maker—Checker concept in all of its activities to ensure the accuracy of the data and as a mechanism to check unauthorised transaction.
17. A participant shall take adequate and necessary steps to ensure that continuity in data and record keeping is maintained and that the data or records are not lost or destroyed. It shall also ensure that for electronic records and data, up-to-date back up is always available with it.
18. A participant shall provide adequate freedom and powers to its compliance officer for the effective discharge of his duties.
19. A participant shall ensure that it has satisfactory internal control procedures in place as well as adequate financial and operational capabilities which can be reasonably expected to take care of any losses arising due to theft, fraud and other dishonest acts, professional misconduct or omissions.
20. A participant shall be responsible for the acts or omissions of its employees and agents in respect of the conduct of its business.
21. A participant shall ensure that the senior management, particularly decision makers have access to all relevant information about the business on a timely basis.
22. A participant shall ensure that good corporate policies and corporate governance are in place.

**Part-B****Securities and Exchange Board of India (Depositories  
and Participants) Regulations, 2018**

[See regulation 27]

**CODE OF CONDUCT FOR DIRECTORS****i. Meetings and minutes**

Every director of the depository shall:

- a) not participate in discussions on any subject matter in which any conflict of interest exists or arises, whether pecuniary or otherwise, and in such cases the same shall be disclosed and recorded in the minutes of the meeting;
- b) not encourage the circulation of agenda papers during the meeting, unless circumstances so require;
- c) offer their comments on the draft minutes and ensure that the same are incorporated in the final minutes;
- d) insist on the minutes of the previous meeting being placed for approval in subsequent meeting;
- e) endeavour to have the date of next meeting fixed at each governing board meeting in consultation with other members of the governing board;
- f) endeavour that in case all the items of the agenda of a meeting were not covered for want of time, the next meeting is held within fifteen days for considering the remaining items.

**ii. Code of Conduct for the public interest directors**

a) In addition to the conditions stated in Para (i) above, public interest directors of the depository shall, endeavour to attend all the governing board meetings and they shall be liable to vacate office if they remain absent for three consecutive meetings of the governing board or do not attend seventy five percent of the total meetings of the governing board in a calendar year.

b) Public interest directors shall meet separately, at least once in six months to exchange views on critical issues.

**iii. Strategic planning**

Every director of the depository shall:

- a) participate in the formulation and execution of strategies in the best interest of the depository and contribute towards pro-active decision making at the governing board level;
- b) give benefit of their experience and expertise to the depository and provide assistance in strategic planning and execution of decisions.

**iv. Regulatory compliances**

Every director of the depository shall:

- a) endeavour to ensure that the depository abides by all the provisions of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992, Depositories Act, 1996, rules and regulations framed thereunder and the circulars, directions issued by the Board from time to time;
- b) endeavour compliance at all levels so that the regulatory system does not suffer any breaches;
- c) endeavour to ensure that the depository takes commensurate steps to honour the time limit prescribed by Board for corrective action;
- d) not support any decision in the meeting of the governing board which may adversely affect the interest of investors and shall report forthwith any such decision to the Board.

**v. General responsibility**

Every director of the depository shall:

- a) place priority for redressing investor grievances;

- b) endeavour to analyze and administer the depository issues with professional competence, fairness, impartiality, efficiency and effectiveness;
- c) submit the necessary disclosures/statement of holdings/dealings in securities as required by the depository from time to time as per their bye-laws or Articles of Association;
- d) unless otherwise required by law, maintain confidentiality and shall not divulge/disclose any information obtained in the discharge of their duty and no such information shall be used for personal gains;
- e) maintain the highest standards of personal integrity, truthfulness, honesty and fortitude in discharge of their duties in order to inspire public confidence and shall not engage in acts discreditable to their responsibilities;
- f) perform their duties in an independent and objective manner and avoid activities that may impair, or may appear to impair, their independence or objectivity or official duties;
- g) perform their duties with a positive attitude and constructively support open communication, creativity, dedication, and compassion;
- h) not engage in any act involving moral turpitude, dishonesty, fraud, deceit, or misrepresentation or any other act prejudicial to the administration of the depository.

### **Part-C**

#### **Securities and Exchange Board of India (Depositories and Participants) Regulations, 2018**

[See regulation 27]

### **CODE OF ETHICS FOR DIRECTORS AND KEY MANAGEMENT PERSONNEL**

The 'Code of Ethics' for directors and key management personnel of the depository, is aimed at improving the professional and ethical standards in the functioning of depository thereby creating better investor confidence in the integrity of the securities market.

#### **i. Objectives and underlying principles**

The Code of Ethics for directors and key management personnel of the depository seeks to establish a minimum level of business/ professional ethics to be followed by these directors and key management personnel, towards establishing a fair and transparent marketplace. The Code of Ethics is based on the following fundamental principles:

- Fairness and transparency in dealing with matters relating to the depository and the investors.
- Compliance with all laws / rules / regulations laid down by regulatory agencies / depositories.
- Exercising due diligence in the performance of duties.
- Avoidance of conflict of interest between self-interest of directors/ key management personnel and interests of depository and investors.

#### **ii. Regulatory Oversight Committee**

For overseeing implementation of this Code, a regulatory oversight committee shall be constituted by every depository under the governing board.

#### **iii. General standards**

- a) Directors and key management personnel shall endeavour to promote greater awareness and understanding of ethical responsibilities.
- b) Directors and key management personnel, in the conduct of their business shall observe high standards of commercial honour and just and equitable principles of trade.
- c) The conduct of directors and key management personnel in business life should be exemplary.
- d) Directors and key management personnel shall not use their position to give/get favours to/from the executive or administrative staff of the depository, suppliers of the depository, or any issuer company admitted to the depository.

e) Directors and key management personnel shall not commit any act which will put the reputation of the depository, in jeopardy.

f) Directors, committee members and key management personnel of the depository, shall comply with the provisions of all applicable law to the securities market.

#### **iv. Disclosure of dealings in securities by key management personnel of the depository**

a) Key management personnel of the depository shall disclose on a periodic basis as determined by the depository (which could be monthly), all their dealings in securities, directly or indirectly, to the governing board/regulatory oversight committee/ Compliance Officer.

b) The dealings in securities shall also be subject to trading restrictions for securities about which key management personnel in the depository may have non-public price sensitive information. Requirement laid down under Securities and Exchange Board of India (Prohibition of Insider Trading) Regulations, 2015 may be referred in this regard.

c) All transactions must be of an investment nature and not speculative in nature. Towards this end, all securities purchased must be held for a minimum period of 60 days before they are sold. However, in specific/exceptional circumstances, sale can be effected anytime by obtaining pre-clearance from the Compliance Officer to waive this condition after recording in writing his satisfaction in this regard.

**Explanation:** 'securities' for the purpose of this Code shall not include units of mutual fund.

#### **v. Disclosure of dealings in securities by directors of the depository**

a) All transactions in securities by the directors and their relatives shall be disclosed to the governing board of the depository.

b) All directors shall also disclose the trading conducted by firms/corporate entities in which they hold twenty percent or more beneficial interest or hold a controlling interest, to the regulatory oversight committee.

c) Directors who are Govt. of India nominees or nominees of Govt. of India statutory bodies or financial institutions and are governed by their own codes shall be exempt from this requirement.

#### **vi. Avoidance of conflict of interest**

a) No director of the governing board or member of any committee of the depository shall participate in any decision making/adjudication in respect of any person /matter in which he is in any way, directly or indirectly, concerned or interested.

b) Whether there is any conflict of interest or not in a matter, shall be decided by the governing board.

#### **vii. Disclosures of beneficial interest**

All directors and key management personnel shall disclose to the governing board, upon assuming office and during their tenure in office, whenever the following arises:-

a) any fiduciary relationship of self and family members and directorship/partnership of self and family members in any depository participant or registrar and transfer agent;

b) shareholding, in cases where the shareholding of the director key management personnel, directly or through his family exceeds five percent in any listed company or in other entities related to the securities markets;

c) any other business interests.

#### **viii. Role of the Chairman and directors in the day to day functioning of the depository**

a) The Chairman and directors shall not interfere in the day to day functioning of the depository and shall limit their role to decision making on policy issues and to issues as the governing board may decide.

b) The Chairman and directors shall abstain from influencing the employees of the depository in conducting their day to day activities.

c) The Chairman and directors shall not be directly involved in the function of appointment and promotion of employees unless specifically so decided by the governing board.

**ix. Access to information**

- a) Directors shall call for information only as part of specific committees or as may be authorised by the governing board.
- b) There shall be prescribed channels through which information shall move and further there shall be audit trail of the same. Any retrieval of confidential documents/ information shall be properly recorded.
- c) All such information, especially which is non-public and price sensitive, shall be kept confidential and not be used for any personal consideration/ gain.
- d) Any information relating to the business/operations of the depository, which may come to the knowledge of directors/ key management personnel during performance of their duties shall be held in strict confidence, shall not be divulged to any third party and shall not be used in any manner except for the performance of their duties.

**x. Misuse of position**

Directors/committee members shall not use their position to obtain business or any pecuniary benefit in the organization for themselves or family members.

**xi. Regulatory oversight committee to lay down procedures**

- a) The regulatory oversight committee shall lay down procedures for the implementation of the Code and prescribe reporting formats for the disclosures required under the Code.
- b) The Compliance Officer shall execute the requirements laid down by the regulatory oversight committee.

While the objective of this Code is to enhance the level of market integrity and investor confidence, it is emphasized that a written Code of ethics may not completely guarantee adherence to high ethical standards. This can be accomplished only if directors and key management personnel of the depository commit themselves to the task of enhancing the fairness and integrity of the system in letter and spirit.

**Part-D**

Securities and Exchange Board of India (Depositories  
and Participants) Regulations, 2018

[See regulation 17]

**CODE OF CONDUCT FOR DEPOSITORIES**

1. A depository shall always abide by the provisions of the Act, Depositories Act, 1996, Rules, Regulations, circulars, guidelines and any other directions issued by the Board.
2. A depository shall take appropriate measures towards investor protection and education of investors.
3. A depository shall treat all its applicants/participants in a fair and transparent manner.
4. A depository shall promptly inform the Board of violations of the provisions of the Act, Depositories Act, the rules, the regulations, circulars, guidelines or any other directions by any of its participants, issuer or issuer's agent.
5. A depository shall take a proactive and responsible attitude towards safeguarding the interests of investors, integrity of the depository system and the securities market.
6. A depository shall make endeavors for introduction of best business practices amongst itself and its participants.
7. A depository shall act in utmost good faith and shall avoid conflict of interest in the conduct of its functions.
8. A depository shall not indulge in unfair competition, which is likely to harm the interests of any other depository, participants or investors or is likely to place them in a disadvantageous position while competing for or executing any assignment.
9. A depository shall be responsible for the acts or omissions of its employees in respect of the conduct of its business.

10. A depository shall monitor the compliance of the rules and regulations by the participants and shall further ensure that their conduct is in a manner that will safeguard the interest of investors and the securities market.

#### **FOURTH SCHEDULE**

Securities and Exchange Board of India (Depositories  
and Participants) Regulations, 2018

[See regulation 29]

#### **MEASURES TO ENSURE AUTONOMY OF REGULATORY DEPARTMENTS**

In order to ensure the segregation of regulatory departments, every depository shall adopt a "Chinese Wall" policy which separates the regulatory departments of the depository from the other departments. The employees in the regulatory departments shall not communicate any information concerning regulatory activity to any one in other departments. The employees in regulatory areas may be physically segregated from employees in other departments including with respect to access controls. In exceptional circumstances employees from other departments may be given confidential information on "need to know" basis, under intimation to the Compliance Officer. For the purposes of the above, "regulatory areas" shall mean those departments of a depository which are mandated by law or those entrusted with regulatory powers and duties, and may include departments performing the following functions:

- (i) risk management;
- (ii) surveillance;
- (iii) participant registration;
- (iv) Issuer/ securities admission;
- (v) compliance;
- (vi) inspection;
- (vii) enforcement;
- (viii) arbitration;
- (ix) investor protection;
- (x) investor services.

AJAY TYAGI, Chairman  
[ADVT-III/4/Exty./246/18]